पीएम मोदी ने नवरात्रि के छठे.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कैंसर रोग जीवन के बारे में... 11

वर्ष - 02, अंक - 195 | गाजियाबाद / शनिवार 17 अक्टूबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

सातवाँ दिन
माँ कालरात्रि

माँ कालरात्रि दुर्गा के सातवें स्वरूप के रूप में पूजी जाती हैं। उनका स्वरूप उग्र है, लेकिन वे अपने भक्तों को भय और नकारात्मक शक्तियों से मुक्ति दिलाती हैं। मान्यता है कि उनकी आराधना से साहस, शक्ति और आत्मविश्वास प्राप्त होता है। माँ कालरात्रि सभी भक्तों की रक्षा करें।

'सुदर्शन सेतु' के बाद अब 'बेट-द्वारका कॉरिडोर' पर फोकस

● गुजरात सरकार का मास्टरप्लान तैयार, इको-टूरिज्म केंद्र बनाने की योजना

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात सरकार ने बेट द्वारका कॉरिडोर बनाने की योजना पर काम कर रही है। सरकार ने विश्व स्तरीय आध्यात्मिक और इको-टूरिज्म केंद्र में बदलने के लिए एक व्यापक पुनर्विकास योजना शुरू की है। गुजरात में काशी विश्वनाथ और उज्जैन महाकाल कॉरिडोर की तर्ज पर काम करने की योजना है। इस परियोजना का उद्देश्य उन लाखों तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाओं को आधुनिक बनाना है, जो द्वारका आते हैं। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, श्रद्धालुओं

की बढ़ती संख्या को देखते हुए, राज्य के राजस्व विभाग ने 31 सर्वे नंबरों के अंतर्गत एक हेक्टेयर से अधिक भूमि का अधिग्रहण करने के लिए एक आधिकारिक अधिसूचना जारी की है। द्वारका के डिप्टी कलेक्टर को भूमि खाली कराने और कानूनी प्रक्रियाओं में तेजी लाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पहले बनाया गया सुदर्शन सेतु

द्वारका कॉरिडोर प्रोजेक्ट हाल ही में उद्घाटन किए गए सुदर्शन सेतु के बाद शुरू किया गया है। यह भारत का सबसे लंबा केबल-स्टे ब्रिज है, जो ओखा (मुख्य भूमि) को बेट द्वारका से जोड़ता है। केबल-स्टे ब्रिज को करीब 1,200 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। इस पुल के फुटपाथों को श्रीमद्भगवतगीता के श्लोकों और भगवान कृष्ण के चित्रों से सजाया गया है। इस पुल का इस्तेमाल हर मौसम में 24 घंटे किया जा सकता है।

पहला देसी बहुउद्देशीय पोत 'समर्थक' नौसेना में शामिल

स्वदेशी हथियारों से लैस यह पोत करेगा समुद्र की निगहबानी

करवार (एजेंसी)। भारत की निजी पोत निर्माण कंपनी द्वारा निर्मित पहले बहुउद्देशीय पोत समर्थक को शुक्रवार को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। इसे युद्धपोत निर्माण में घरेलू उद्योग की भूमिका बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। करवार स्थित नौसैन्य अड्डे पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन की मौजूदगी में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने कहा कि पोत का निर्माण लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने तमिलनाडु के कट्टुपल्ली स्थित अपने पोत निर्माण केंद्र किया है और इस पोत में 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। इस अवसर पर कर्नाटक के श्रम मंत्री संतोष लाड भी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र में पटाखे पूरे साल बैन, बनाने-बेचने पर रोक नहीं

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को सार्वजनिक सड़कों, गलियों और फुटपाथों पर पटाखे फोड़ने पर लगी रोक पूरे साल लागू कर दी। यह रोक नवरात्रि, दीवाली, क्रिसमस और अन्य सभी त्योहारों पर लागू होगी। आदेश

पूरे महाराष्ट्र में त्योहारों के जुलूसों के दौरान शोर और वायु प्रदूषण रोकने के लिए दिया गया है। जस्टिस गिरीश एस. कुलकर्णी और जस्टिस नीला के. गोकले की खंडपीठ ने यह निर्देश दिया। बेंच ने कहा,जब तक नागरिक हालात की जरूरत को नहीं समझेंगे और शहरों में रहने के लंबे समय के खतरों के प्रति जागरुक नहीं होंगे, तब तक हालात बिगड़ते रहेंगे। ऐसे शहर गैस चैंबर में बदल सकते हैं।

ट्विशा डेथ केस में सुप्रीम कोर्ट ने भोपाल में ट्रायल रोका

● एमपी हाईकोर्ट में सास गिरिबाला की जमानत पर अब 26 अक्टूबर को सुनवाई

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के चर्चित ट्विशा शर्मा डेथ केस में सुप्रीम कोर्ट ने भोपाल के सेशन कोर्ट में चल रहे ट्रायल पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। कोर्ट ने मामले की सुनवाई दिल्ली ट्रांसफर करने की याचिका पर विपक्षी पक्ष को जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया है। शीर्ष अदालत ने मुकदमे को दिल्ली स्थानांतरित करने की मांग वाली याचिका पर सीबीआई, त्विषा के पति समर्थ सिंह और सास गिरिबाला सिंह को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने यह आदेश त्विषा के पिता नवनीधि शर्मा की याचिका पर दिया।

संसद का स्पेशल सेशन बुलाने की है तैयारी!

मोदी सरकार इसी महीने बुला सकती है सत्र, विरोध में है विपक्ष

लोकसभा सीटें बढ़ाने और परिसीमन बिल पेश करने का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर जारी विरोध के बीच सरकार इस महीने के आखिर में संसद का एक विशेष सत्र बुला सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, संसद के इस विशेष सत्र को बुलाने के पीछे की वजह परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़े बिलों को फिर से संसद के सामने पेश करके पास कराना है। सदन में मौजूद सांसदों की संख्या को लेकर सरकार को पूरा भरोसा है कि इस बार महिला आरक्षण बिल और परिसीमन बिल को पास कराया जा सकता है। बजट सत्र के दौरान 17 अप्रैल को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिला आरक्षण लागू करने के लिए लाया गया संविधान संशोधन बिल (जिसमें परिसीमन भी शामिल था) निचले सदन में पास नहीं हो सका था।

बिल पास कराने के लिए सरकार का नंबर गेम

संविधान संशोधन के लिए संसद में बहुमत की जरूरत होती है। इसका मतलब है कि दोनों सदनों में मौजूद और वोट देने वाले सदस्यों का दो-तिहाई बहुमत होना चाहिए। सरकार को ये बिल पास कराने के लिए 360 सीटों की जरूरत है। लोकसभा की मौजूदा संख्या 540 है। तृणमूल और शिवसेना के सांसदों के सत्ता पक्ष में शामिल होने से इस बार सदन में स्थिति बदल सकती है। मौजूदा संसद में एनडीए के पास बहुमत तो है, लेकिन उनके पास वह जादुई आंकड़ा (दो-तिहाई बहुमत) नहीं है। हालांकि, पिछले सत्र के मुकाबले सरकार की स्थिति बेहतर हुई है। तृणमूल के 20 सांसद और शिवसेना (यूबीटी) के 6 सांसद सत्ता पक्ष में शामिल हो गए हैं।

● सचिन पायलट ने बता दिया क्या है पार्टी का प्लान

पंजाब में बिना सीएम फेस के चुनाव लड़ेगी कांग्रेस

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने जीत का दावा किया है। पंजाब कांग्रेस के प्रभारी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सचिन पायलट ने कहा है कि राज्य में अगली सरकार 100 प्रतिशत कांग्रेस की बनेगी। उन्होंने भरोसा जताया कि जनता बदलाव चाहती है और पार्टी के पास चुनाव जीतने के लिए मजबूत टीम है। पायलट ने पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष परगट सिंह को 'सबको साथ लेकर चलने वाला कप्तान' बताते हुए कहा कि पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता मिलकर चुनाव लड़ेंगे।

पायलट ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पंजाब में मुख्यमंत्री पद के लिए किसी एक चेहरे को आगे करके चुनाव नहीं लड़ेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी को जनता का जनादेश मिलने के बाद कार्यकर्ताओं, नेताओं और विधायकों की राय सुनी जाएगी। इसके बाद ही तय किया जाएगा कि राज्य का नेतृत्व कौन करेगा। पायलट ने कहा कि जब कांग्रेस विपक्ष में होती है, तो नेता प्रतिपक्ष, प्रदेश अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता मिलकर चुनाव की तैयारी करते हैं।

मेरठ सांप कांड में रविता और अमरदीप को फांसी

● पति का गला घोंटने के बाद बिस्तर पर छोड़ दिया था सांप

● मेरठ कोर्ट ने तीन दिन में 4 दोषियों को मौत की सजा दी

मेरठ (एजेंसी)। अपने पति की गला दबाकर हत्या करने वाली रविता और उसके प्रेमी अमरदीप को कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। रविता ने अपने प्रेमी अमरदीप के साथ मिलकर पहले पति अमित कश्यप का गला दबाकर उसकी जान ली और इसके बाद इस हत्याकांड को हादसा दिखाने के लिए उसके बिस्तर पर सांप छोड़ दिया। हालांकि, पोस्टमार्टम

रिपोर्ट ने रविता और उसके प्रेमी अमरदीप के झूठ का पर्दाफाश कर दिया। 12 अप्रैल 2025 की इस घटना में आखिरकार आज इंसाफ हो गया। मेरठ के एडीजे 12 जयवीर सिंह नागर की कोर्ट ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई की। आरोपी रविता और अमरदीप वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जेल से जुड़े थे। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुना और आरोपियों को फांसी की सजा सुनाई।

12 अप्रैल 2025 को हत्या की थी

मेरठ के बहसूमा क्षेत्र के अकबरपुर सादात गांव में 12 अप्रैल 2025 की रात को अमित कश्यप की हत्या कर दी गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने पत्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो सारा मामला सामने आ गया। पुलिस ने पति अमित की हत्या में पत्नी रविता और उसके प्रेमी अमरदीप को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। 7 अक्टूबर को कोर्ट ने रविता और अमरदीप को दोषी कर दिया था। आज कोर्ट ने दोनों को सजा सुनाई है। पुलिस को जांच के दौरान हत्या वाले दिन पत्नी रविता और उसके प्रेमी अमरदीप के बीच 50 से ज्यादा बार बातचीत की कॉल डिटेल मिली थी। इसी के आधार पर पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई, तो हत्या की सारी सच्चाई सामने आ गई थी। बता दें कि इससे पहले 14 अक्टूबर को कोर्ट ने सौरभ हत्याकांड में मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल को भी फांसी की सजा सुनाई थी।

11 दिसंबर को कनाडा जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी

● ट्रेड डील पर होगी बातचीत,कारोबार बढ़ाने के नियम तय होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 से 12 दिसंबर को कनाडा के दौरे पर रहेंगें। इस दौरान दोनों देशों के बीच ट्रेड डील पर बातचीत होगी। भारत-कनाडा व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने की संभावना भी है। इसके तहत दो देश व्यापार, निवेश और कारोबार बढ़ाने के लिए नियम तय करते हैं। भारत और कनाडा 2030 तक आपसी कारोबार को बढ़ाकर सालाना 7 लाख करोड़ रुपए करना चाहते हैं।

पीएम मोदी ने मार्क कार्नी से फोन पर बात की थी

प्रधानमंत्री मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच 13 अक्टूबर को फोन पर बातचीत हुई। मोदी ने इसे अच्छी बातचीत बताया। दोनों नेताओं ने व्यापार, ऊर्जा, तकनीक, सुरक्षा और दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने पर सहमति जताई।

घर से निकलते ही दीपके गिरफ्तार

तिरंगा मार्च के लिए कनॉट प्लेस पर जा रहे थे सीजेपी चीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने तिरंगा यात्रा के लिए निकले अभिजीत दीपके को हिरासत में ले लिया है। दिल्ली पुलिस का कहना है कि इसके लिए दीपके व अन्य सीजेपी कार्यकर्ताओं को पुलिस ने अनुमति नहीं दी थी। 6 दिनों में दीपके को दूसरी बार कस्टडी में लिया गया है। इससे पहले 10 अक्टूबर को उन्हें हिरासत में लिया गया था, अगले दिन छोड़ दिया गया। नई दिल्ली जिले में बीएनएस की धारा 163 लागू है। यानी 4 या 4 से ज्यादा लोग इकट्ठा नहीं हो सकते हैं। इससे पहले दिल्ली पुलिस झंडेवालान स्थित उस बंगले पर पहुंची थी, जहां सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ठहरे हुए थे। पुलिस ने उन्हें प्रदर्शन नहीं करने का नोटिस दिया था। इस दौरान दीपके की

पुलिस से बहस हो गई थी। उन्होंने पुलिस से कहा कि यह कोई रैली या प्रोटेस्ट नहीं है। दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर तिरंगे के सम्मान और देश के गौरव को बनाए रखने की अपील की है। पुलिस ने कहा कि हमारे तिरंगे को सर्वोच्च सम्मान मिलना चाहिए और देशभक्ति हर व्यवहार में दिखाई देनी चाहिए। साथ ही, दिल्ली पुलिस ने संदेश दिया, तिरंगे का सम्मान करें और देश का गौरव बनाए रखें। दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क में सीजेपी के 'लहरा दो तिरंगा' मार्च से पहले सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हलचल तेज हो गई थी।

गाजियाबाद में सीएम योगी का सपा पर हमला,कहा

इन्होंने गिरगिट की तरह बदला रंग,टिकट बेचने का किया काम

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद में आयोजित शिक्षक-स्नातक सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को डासना स्थित सुंदरदीप कॉलेज में

विधान परिषद चुनाव के मतदाताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए उसके शासनकाल में दंगों, कर्फ्यू और बदहाल सड़कों का मुद्दा उठाया। सीएम योगी ने भाजपा सरकार के कार्यकाल में सुरक्षा, धार्मिक आयोजनों, बुनियादी ढांचे और शिक्षा के क्षेत्र में हुए कार्यों का जिक्र किया।

प्रदेश को जेवर एयरपोर्ट की सौगात मिली

उन्होंने कहा कि सहारनपुर में मां शाकुंभरी कॉरिडोर का काम चल रहा है। पहले दर्शन के दौरान पानी आने से श्रद्धालुओं को परेशानी होती थी। अब वहां एलिवेटेड मार्ग बनाया जा रहा है, जिससे श्रद्धालु आसानी से दर्शन कर सकेंगे। सीएम योगी ने कहा कि सपा सरकार ने एक्सप्रेसवे के लिए धनराशि रोक दी थी, जबकि भाजपा सरकार ने इन परियोजनाओं के काम को आगे बढ़ाया।

रात में सूरज की रोशनी बेचने की शुरू हुई तैयारी

● अंतरिक्ष में लगेंगे बड़े शीशे, दो लॉन्च के लिए हुआ है कॉन्ट्रैक्ट

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी स्पेस टेक्नोलॉजी कंपनी रिफ्लेक्ट ऑर्बिटल रात में धरती के चुनिंदा स्थानों पर सूरज की रोशनी बेचने की तैयारी कर रही है। इसके लिए

● भारत की स्काईरूट एयरोस्पेस व अमेरिकी स्टार्टअप का प्रोजेक्ट

पृथ्वी की कक्षा में बड़े शीशे लगाए जाएंगे। कैलीफोर्निया की यह स्टार्ट-अप भारत की स्काईरूट एयरोस्पेस की मदद से सैटेलाइट लॉन्च करेगी। दोनों कंपनियों के बीच दो लॉन्च का कॉन्ट्रैक्ट हुआ है। इन

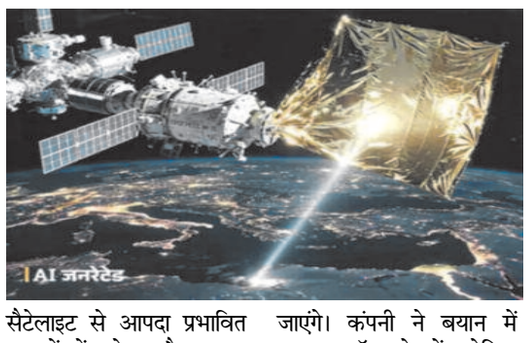

सैटेलाइट से आपदा प्रभावित इलाकों में खोज और बचाव अभियान के लिए रोशनी दी जा सकेगी। सोलर फार्म में बिजली बनाने का समय भी बढ़ाया जा सकेगा। रिफ्लेक्ट ऑर्बिटल ने हैदराबाद में स्काईरूट एयरोस्पेस के साथ दो लॉन्च का समझौता किया है। दोनों लॉन्च विक्रम रॉकेट से किए जाएंगे। कंपनी ने बयान में कहा,इन लॉन्च से हमें अमेरिका की अन्य तय लॉन्च सेवाओं के साथ पक्का शेड्यूल और क्षमता मिलेगी। स्काईरूट एयरोस्पेस के सीईओ पवन चंदाना ने कहा, रिफ्लेक्ट ऑर्बिटल अंतरिक्ष तकनीक के सबसे नए इस्तेमालों में से एक पर काम कर रही है।

पहला लॉन्च विक्रम-1 रॉकेट से होगा

रिफ्लेक्ट ऑर्बिटल के को-फाउंडर और सीईओ बेन नोवैक ने कहा कि कंपनी नए लॉन्च प्रोवाइडर स्काईरूट के साथ काम करने को लेकर उत्साहित है। इससे अंतरिक्ष तक पहुंच आसान बनाने में मदद मिलेगी। इस कॉन्ट्रैक्ट के तहत पहला लॉन्च विक्रम-1 रॉकेट से होगा। दूसरा लॉन्च स्काईरूट के विक्रम-1 रॉकेट से किया जाएगा। इसमें पहले चरण के अतिरिक्त बूस्टर लगाए गए हैं। नोवैक ने कहा कि कंपनी को हाल ही में अपना पहला अंतरिक्ष यान चलाने के लिए फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन से लाइसेंस मिला है। कंपनी खगोलविदों, स्थानीय लोगों और नियामक संस्थाओं के साथ मिलकर काम करती रहेगी, ताकि बड़े स्तर पर अपना काम बढ़ाने की मंजूरी मिल सके। 1993 में रूसी वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने 65 फीट लंबा शीशा कक्षा में तैनात किया था। इससे धरती पर सूरज की रोशनी की एक घूमती हुई किरण भेजी गई थी।

सीजेआई सूर्यकांत पर टिप्पणी कर फंस गए संजय राउत

थमाया नोटिस,सुप्रीम कोर्ट ने पत्रकार से भी जवाब मांगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत से सीजेआई सूर्यकांत पर टिप्पणियों को लेकर स्पष्टीकरण मांगा। राउत ने चुनाव आयोग के कामकाज और एसआईआर के मुद्दे पर इंडिया ब्लॉक के नेताओं से मिलने से इनकार करने पर सीजेआई की आलोचना की थी। पत्रकार निखिल वागले को भी नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की आपराधिक अवमानना याचिका पर हुई है। कोर्ट ने कहा कि संस्थानों पर हमले अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण हैं। दोनों से पूछा है कि उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई क्यों न की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सांसद संजय राउत और निखिल वागले को अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट दी है। बेंच पहले उनके जवाब पर विचार करेगी। यह विवाद सीजेआई सूर्यकांत के इंडिया ब्लॉक के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात का अनुरोध ठुकराने के बाद शुरू हुआ था। सीजेआई ने कहा था कि मामला याचिका के जरिए अदालत में उठाया जा सकता है। संजय राउत और निखिल वागले ने सीजेआई के इस फैसले की आलोचना की थी। 12 अक्टूबर को राहुल गांधी समेत अन्य विपक्षी नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट तक मार्च किया था।

पांचवें नवरात्रे तक 2.23 लाख श्रद्धालुओं ने मां वैष्णो देवी के किए दर्शन

जम्मू (एजेंसी)। जारी नवरात्रों के दौरान हर दिन मां भगवती के दर्शनों को आने वाले श्रद्धालुओं में उछाल देखने को मिल रहा है। वैष्णो देवी भवन सहित यात्रा के प्रवेश द्वार दक्षिणी ड्योड़ी पर श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिल रहे हैं। इसी का नतीजा है कि पहले पांच नवरात्रों के दौरान 2,23,657 श्रद्धालुओं ने वैष्णो देवी भवन पर मां भगवती की प्राकृतिक पिंडियों के समक्ष नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया है। इन श्रद्धालुओं को सुविधाएं देने के लिए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड, जम्मू-कश्मीर पुलिस, सी.आर.पी.एफ. की 6 बटालियन और जिला प्रशसन हरसंभव प्रयास कर रहा है। माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड से मिले आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार पहले नवरात्र पर 47374, दूसरे नवरात्र पर 48280, तीसरे नवरात्र पर 46449 और चौथे नवरात्र यानी बुधवार को 41863 श्रद्धालुओं ने मां वैष्णो देवी के दरबार में नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया था, तो वहीं गुरुवार सुबह से ही वैष्णो देवी यात्रा के प्रवेश द्वार दक्षिणी ड्योड़ी पर श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिलीं। गुरुवार रात 10 बजे तक 39,691 श्रद्धालुओं ने आर.एफ.आई.डी. कार्ड लेकर वैष्णो देवी भवन की ओर प्रस्थान कर लिया था। अनुमान लगाया जा रहा है कि जारी नवरात्रों के दौरान करीब 4 लाख श्रद्धालु वैष्णो देवी भवन पर नमन करेंगे।

पंजाब में बिना मुख्यमंत्री चेहरे के चुनाव में उतरेगी कांग्रेस

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि पार्टी किसी एक नेता को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किए बिना चुनाव मैदान में उतरेगी। पंजाब कांग्रेस के प्रभारी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सचिन पायलट ने दावा किया कि राज्य में अगली सरकार कांग्रेस की बनेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी के नेता और कार्यकर्ता सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे। पायलट के मुताबिक, चुनाव में जनादेश मिलने के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर पार्टी के नेताओं, विधायकों और कार्यकर्ताओं की राय ली जाएगी। इसके बाद राज्य के नेतृत्व पर निर्णय होगा। उन्होंने पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष परगट सिंह को टीम को साथ लेकर चलने वाला कप्तान बताते हुए कहा कि चुनाव में सफलता के लिए सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं का योगदान जरूरी है। सचिन पायलट ने चुनावी मुकाबले की तुलना क्रिकेट से करते हुए कहा कि जीत के इरादे से मैदान में उतरने वाली टीम के लिए लक्ष्य हासिल करना संभव है। उन्होंने दावा किया कि पंजाब की जनता बदलाव चाहती है और कांग्रेस के पास मजबूत संगठन तथा चुनाव जीतने की क्षमता है।

अखिलेश यादव का बीजेपी पर निशाना : मतदाता सूची के जरिए साजिश का आरोप

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और चुनाव आयोग (ईसी) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके राजनीतिक विरोधी चुनाव आयोग के माध्यम से एक बड़ी साजिश रच रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि वे सीधे चुनावी मुकाबले में जीत नहीं सकते। लखनऊ में प्रेसवार्ता को संबोधित कर अखिलेश यादव ने मतदाता सूची में बार-बार होने वाले संशोधनों की आवश्यकता पर सवाल उठाया। उन्होंने चुनाव आयोग से केवल एक बार संशोधन करने की मांग की, न कि बार-बार करते रहने की। उन्होंने कहा, चूंकि आपने पूरी तैयारी के साथ विशेष पुनरीक्षण (एसएसआर) का फैसला लिया है, तब इस अंतिम नामांकन तक इसतरह ही रहने दें। सपा प्रमुख यादव ने कटाक्ष कर कहा, जब उनकी कोई भी योजना काम नहीं आई, तब अब वे एसएसआर का सहारा ले रहे हैं, और अगर आप एसएसआर को उल्टा कर दें, तब आरएसएस बन जाता है! सपा प्रमुख ने अधिकारियों पर मतदाता सूची में लगातार संशोधन करने का दबाव डालने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि बिना पंजीकरण वाले, अंधेरी सुरंगों में रहने वाले और नकारात्मक सोच वाले व्यक्ति जानते हैं कि अब सीधा मुकाबला संभव नहीं है, इसलिए वे चुनाव आयोग के जरिए यह साजिश रच रहे हैं। उन्होंने मतदाता सूची में गड़बड़ियों पर चिंता व्यक्त कर कहा कि कई निर्वाचन क्षेत्रों में एक ही नाम कई बार दर्ज हैं। उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों को सिस्टम में किसी भी हेरफेर को नाकाम करने के लिए हर स्तर पर सतर्क रहने का आह्वान किया।

लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन चुनावी प्रक्रिया से होता : कांग्रेस

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उस बयान पर तीखा पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने विपक्ष पर भारत में सत्ता परिवर्तन की कोशिश का आरोप लगाया था। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में सरकार बदलना विपक्ष का अधिकार है और यह चुनाव के जरिए ही संभव है। दिल्ली में एक प्रेसवार्ता में कांग्रेस नेता खेड़ा ने 1977 के सत्ता परिवर्तन का हवाला देकर पूछा, भारत जैसे लोकतंत्र में सत्ता कैसे बदलती है? चुनाव के जरिए ही बदलती है। उन्होंने जोड़ा कि कांग्रेस वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान चलाकर मौजूदा सरकार को हराने और व्यवस्था बदलने की अपनी मंशा स्पष्ट रूप से दोहरा रही है। कांग्रेस नेता खेड़ा का ये बयान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उस दावे के जवाब में आए हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल आयोग के खिलाफ युवाओं के विरोध प्रदर्शनों का इस्तेमाल कर राजनीतिक अस्थिरता पैदा करना चाहते हैं। सिंह ने आरोप लगाया था कि विपक्ष युवाओं को अराजकता की राजनीति का मोहरा बनाकर देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है, और वे बांग्लादेश की तर्ज पर भारत में भी सत्ता बदलना चाहते हैं।

सीजेपी के प्रदर्शन से कारोबार प्रभावित, सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता

-सुनवाई के दौरान माइक्रोफोन छीने जाने का आरोप लगा वरिष्ठ वकील ने सात मामलों से नाम वापस लिया

नई दिल्ली, एजेंसी।
मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर चल रहे विरोध-प्रदर्शनों के बीच दिल्ली के कनॉट प्लेस में शुक्रवार को प्रस्तावित 'लहरा दो तिरंगा' मार्च को लेकर विवाद गहरा गया। प्रदर्शन के कारण कारोबार प्रभावित होने की आशंका पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई और उम्मीद व्यक्त की कि प्रदर्शनकारियों को सद्बुद्धि आएगी। दूसरी ओर, दिल्ली पुलिस ने मार्च की अनुमति देने से इनकार करते हुए लोगों से इससे दूर रहने की अपील की। इस बीच, सुप्रीम कोर्ट में प्रदर्शन से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान कथित अव्यवस्था से नाराज वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने सात मामलों की पैरवी से खुद को अलग कर लिया।

गौरतलब है कि सीजेपी ने शुक्रवार शाम कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में एकत्र होकर तिरंगा मार्च निकालने का ऐलान किया था। संगठन के संस्थापक अभिजीत दीपके ने लोगों से राष्ट्रीय ध्वज के साथ पहुंचने की अपील की। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए इसकी अनुमति नहीं दी। पुलिस के अनुसार, इलाके में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लागू है, जिसके तहत लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध है। पुलिस ने यह भी कहा कि सीमित संख्या में लोगों को किसी उपयुक्त स्थान पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्रगान गाने की सुविधा दी जा सकती है।

इधर, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने प्रशासनिक कारणों का हवाला देते हुए शुक्रवार और शनिवार को सेंट्रल पार्क आम लोगों के लिए बंद रखने की घोषणा की। यह घटनाक्रम दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा सीजेपी को प्रदर्शन करने से रोकने से इनकार किए जाने के बाद सामने आया। प्रदर्शन का ऐलान संगठन के नेता सौरव दास और आशुतोष रांका की गिरफ्तारी तथा उन्हें पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद किया गया था।

कनॉट प्लेस के व्यापारियों के संगठन न्यू दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन (एनडीटीए) ने राजनीतिक दलों और प्रदर्शनकारियों से अपील की कि वे विरोध-प्रदर्शन के लिए किसी अन्य स्थान का चयन करें। संगठन ने कहा कि वह विरोध करने और अपनी आवाज उठाने के अधिकार का सम्मान करता है, लेकिन कनॉट प्लेस व्यापारियों का कार्यस्थल है। प्रदर्शन के कारण कारोबार प्रभावित नहीं होना चाहिए। संगठन ने सोशल मीडिया पर संदेश जारी कर कहा कि बेहतर भविष्य के लिए प्रदर्शन करते समय लोगों के वर्तमान रोजगार और आजीविका को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान विवाद

इसी मामले से जुड़े सात प्रकरणों में पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने गुरुवार को सुनवाई के दौरान बार-बार बाधा डालने और माइक्रोफोन छीने जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अदालत में व्यवस्था बनाए रखने में पीठ विफल रही और ऐसी परिस्थितियों में काम जारी रखना संभव नहीं है। उनके मुताबिक, अदालत की गरिमा किसी भी मामले में अपनी उपस्थिति बनाए रखने से अधिक महत्वपूर्ण है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने करीब 46 याचिकाओं पर सुनवाई की। ये याचिकाएं पुलिस कार्रवाई, कथित गैरकानूनी हिरासत, आवाजाही पर प्रतिबंध, पत्रकारों के अधिकारों और जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति से संबंधित थीं। सुनवाई के दौरान हुई कथित अव्यवस्था के बाद शंकरनारायणन ने संबंधित सात मामलों से अपना नाम वापस लेने की घोषणा की।

सऊदी अरब आने-जाने वाले सभी एअर इंडिया उड़ानें रद्द, प्रभावित यात्रियों को रिफंड लौटाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सऊदी अरब में बिगड़ते हालात को देखते हुए एअर इंडिया ने रियाद, दम्माम और जेद्दा आने और जाने वाली अपनी सभी उड़ानें 20 अक्टूबर तक रद्द कर दी हैं। एयरलाइन ने 16 अक्टूबर को एक्स पर इसकी जानकारी दी। प्रभावित यात्रियों को पूरा रिफंड दिया जा रहा है। सऊदी अरब में हाल के हमलों से हवाई यातायात प्रभावित है और 10 अक्टूबर को रियाद एयरपोर्ट पर हुए हूती हमले में एक भारतीय की मौत हो गई थी। एअर इंडिया ने कहा कि सऊदी अरब में बदलती स्थिति को देखते हुए ये उड़ानें 20 अक्टूबर तक रद्द रहेंगी। कंपनी घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रही है और सुरक्षित तरीके से परिचालन दोबारा शुरू करने के लिए हालात का आकलन कर रही है। एयरलाइन का कहना है कि यात्रियों और क्रू की सुरक्षा उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उड़ानें रद्द होने से सऊदी जाने और वहां से भारत लौटने की योजना बना रहे यात्रियों को परेशानी हो सकती है। इससे पहले सऊदी अरब में भारत के राजदूत विपुल ने वहां रह रहे भारतीयों के लिए वीडियो संदेश जारी किया था। उन्होंने नागरिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों की निंदा की और कहा कि भारत इस मुश्किल समय में सऊदी जनता और नेतृत्व के साथ खड़ा है। उन्होंने मृतकों के परिवारों से संवेदना जताई और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। दूतावास ने भारतीयों से शांत और सतर्क रहने को कहा है। हवाई हमले में खुले में न रहें, घर या सुरक्षित इमारत में रहें। हमलों की तस्वीरें या वीडियो सोशल मीडिया पर न डालें, क्योंकि यह सऊदी कानूनों का उल्लंघन हो सकता है। दूतावास, वाणिज्य दूतावास और आउटसोर्स सेवा प्रदाता काम कर रहे हैं, इसलिए पासपोर्ट जैसी सेवाओं के लिए संपर्क करें। उमरा यात्रियों के लिए 24 घंटे हेल्पलाइन जारी है।

मोदी का विरोध अपनी जगह पर कोई विदेशी कारोबारी भारत को आदेश नहीं दे सकता

-असदुद्दीन ओवैसी बोले- बीजेपी और मोदी सरकार गोरी चमड़ी से इतना क्यों डरती है

नई दिल्ली, एजेंसी।
एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने एलन मस्क के बयानों पर कहा कि पीएम मोदी का विरोध अपनी जगह है, पर कोई विदेशी कारोबारी भारत को आदेश नहीं दे सकता। स्टारलिंक को भारत में मंजूरी मिलने में देरी से शुरू हुए इस विवाद में राहुल गांधी ने उद्योगपतियों से सरकार के रिश्तों पर हमला बोला, जबकि ओवैसी ने बीजेपी से राष्ट्रवाद पर सवाल पूछा। स्पेसएक्स के मालिक और टेस्ला के सीईओ मस्क ने आरोप लगाया है कि कुछ ओलिगार्क अपना दबदबा बचाने के लिए स्टारलिंक की एंट्री रोक रहे हैं। उन्होंने पूछा कि क्या रिलायंस चेयरमैन मुकेश अंबानी भारत के असली बॉस हैं, और उन्हें पीएम मुकेश अंबानी तक कह डाला।

सरकार के मुताबिक स्टारलिंक, रिलायंस जियो की सैटेलाइट कंपनी और भारती समर्थित यूटेलसैट वनवेब, तीनों लाइसेंसधारी कंपनियों की सुरक्षा जांच चल रही है और वे करीब एक ही चरण में हैं। सुरक्षा जांच और स्पेक्ट्रम मंजूरी के बिना कोई सेवा शुरू नहीं कर सकता। मतदाता सूची की एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ एआईएमआईएम के सुप्रीम कोर्ट जाने के बाद हैदराबाद में सांसद ओवैसी ने कहा कि वे हमेशा पीएम मोदी के खिलाफ थे और रहेंगे, लेकिन एलन मस्क पीएम के बारे में ऐसा कैसे लिख सकते हैं। उन्होंने पूछा कि बीजेपी और मोदी सरकार गोरी चमड़ी से इतना क्यों डरती है।

हरिद्वार के होटल की रसोई में एक्सपायरी दूध-ब्रेड से बन रहा था खाना, 120 किलो आटा सीज

हरिद्वार (शिखर समाचार)। नवरात्र पर्व और चारधाम यात्रा के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा विभाग ने भूपतवाला क्षेत्र में होटलों और रेस्टोरेंटों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान सप्तऋषि चुंगी के पास स्थित होटल शांति हेरिटेज की रसोई में एक्सपायरी तिथि के बाद का दूध और ब्रेड भोजन तैयार करने में इस्तेमाल किए जाने की बात सामने आई। इसके अलावा आवश्यक लेबल संबंधी जानकारियों के बिना रखे गए करीब 120 किलोग्राम आटे को सीज कर दिया गया। एक्सपायरी दूध और ब्रेड के लगभग 20 पैकेट मौके पर ही नष्ट कराए गए।

खाद्य सुरक्षा आयुक्त विनय शंकर पांडे और जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देश पर सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा महिमानंद जोशी के नेतृत्व में 16 अक्टूबर को यह अभियान चलाया गया। वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी कैलाश चंद्र टम्टा ने होटल का निरीक्षण किया। होटल का संचालन परफेक्ट स्टेज होटल्स एंड रिजॉर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान आटे के 10-10 किलोग्राम के 12 सीलबंद कट्टे मिले। इन पर पैकिंग तिथि, समाप्ति तिथि, अधिकतम खुदरा मूल्य, खेप संख्या सहित आवश्यक जानकारियां अंकित नहीं थीं। आटे का विधिक नमूना लेकर प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजने की प्रक्रिया अपनाई गई और शेष आटा सीज कर होटल प्रबंधन की अभिरक्षा में रखवाया गया।

विभाग ने एक्सपायरी खाद्य सामग्री के इस्तेमाल और लेबल संबंधी नियमों के उल्लंघन के मामले में होटल के रसोइये तथा नामित प्रतिनिधि या निदेशक के विरुद्ध संबंधित कानून के तहत चालान की कार्रवाई प्रस्तावित की है। विभाग के अनुसार, संबंधित प्रावधानों में अधिकतम तीन लाख रुपये तक के जुमार्ने का प्रावधान है। निरीक्षण के दौरान होटल प्रबंधन पेयजल और खाद्य पदार्थों की जांच रिपोर्ट, कीट नियंत्रण अभिलेख, कर्मचारियों के स्वास्थ्य प्रमाणपत्र, खरीद बिल, कंपनी के दस्तावेज और लीज संबंधी कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। प्रबंधन को ये दस्तावेज एक सप्ताह के भीतर विभागीय कार्यालय में जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग ने कहा कि उपभोक्ताओं को सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराने के लिए निरीक्षण अभियान आगे भी जारी रहेगा।

धनपुरा में लूट का पांच घंटे में खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार; पूरा सामान बरामद

हरिद्वार (शिखर समाचार)। हरिद्वार की पथरी थाना पुलिस ने धनपुरा क्षेत्र में युवक और उसके दोस्त से हुई लूट की घटना का महज पांच घंटे के भीतर खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई दोनों सोने की अंगूठियां, चांदी की चेन, कड़ा, लॉकेट और दो मोबाइल फोन सहित पूरा सामान बरामद करने का दावा किया है। वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल भी पुलिस ने बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, ज्वालापुर थाना क्षेत्र की दयानंद नगरी निवासी नीरज चौहान अपने दोस्त नवलदीप निवासी कनखल के साथ किसी काम से धनपुरा आए थे। इसी दौरान तीन अज्ञात व्यक्तियों ने उनके साथ मारपीट कर सोने की दो अंगूठियां, चांदी की चेन, कड़ा और लॉकेट तथा दो मोबाइल फोन लूट लिए। शिकायत मिलने पर पथरी थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 309(4) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

घटना के खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस ने तकनीकी जांच और मुखबिर की सूचना के आधार पर 16 अक्टूबर को लक्सर रोड पर रविदास मंदिर के पास तीन संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया। उनकी पहचान लक्सर क्षेत्र के टांडा भागमल निवासी अरुण कुमार और रितिक तथा पथरी क्षेत्र के शाहपुर निवासी विशाल के रूप में हुई है। आरोपियों की उम्र क्रमशः 24, 22 और 19 वर्ष बताई गई है।

पुलिस ने बरामद सामान में दो पीली धातु की अंगूठियां, सफेद धातु की चेन, कड़ा और लॉकेट, दो मोबाइल फोन, एक एटीएम कार्ड तथा वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल शामिल होने की जानकारी दी। पीड़ितों ने बरामद सामान की पहचान की। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई करने वाली टीम में पथरी थानाध्यक्ष रविंद्र कुमार, फेरुपुर चौकी प्रभारी मोहन कठैत और अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

पीएम मोदी ने नवरात्रि के छठे दिन मां कात्यायनी के श्रीचरणों में कोटि-कोटि किया नमन

-भवानी अष्टकम का यूट्यूब लिंक साझा कर भजन में देवी महिमा का बखान किया

नई दिल्ली, एजेंसी।
पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को मां कात्यायनी को नमन करते हुए एक्स पर देवी स्तुति से जुड़े एक भजन का यूट्यूब लिंक साझा किया। मोदी ने अपने इस पोस्ट में लिखा- नवरात्रि की पवित्र षष्ठी पर मां कात्यायनी के श्रीचरणों में कोटि-कोटि नमन! मेरी कामना है कि उनकी अनुकंपा से हर किसी के जीवन में असीम शक्ति, साहस और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो। पीएम ने एक्स पोस्ट में आदि शंकराचार्य द्वारा रचित और माधवी मधुकर झा के गाए भजन भवानी अष्टकम का यूट्यूब लिंक साझा किया। इस भजन में देवी महिमा का बखान किया गया है। मां से प्रार्थना की गई है कि हे देवी! तुम ही मेरी गति हो।

इससे पहले देवी की स्तुति करते हुए पीएम मोदी की ओर से सुभाषित भी साझा किया गया। संस्कृत श्लोक, तव च का किल न स्तुतिरम्बिके! सकलशब्दमयी किल ते तनुः। निखिलमूर्तिषु मे भवदन्वयो मनसिजासु बहिःप्रसरासु च॥ शेयर किया गया। जिसका भावार्थ है कि हे जगदम्बिके! संसार में भला ऐसा कौन-सा शब्द है, जो आपकी स्तुति नहीं है? क्योंकि आपका स्वरूप तो समस्त शब्दों से बना है। हे देवी! मेरे मन में उठने वाले सभी विचारों और बाहर दिखाई देने वाली समस्त आकृतियों एवं मूर्तियों में मुझे आपका ही स्वरूप दिखाई देता है।

नवरात्र के छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा की जा रही है। मां कात्यायनी देवी दुर्गा का छठा रूप हैं। मां की चार भुजाएं हैं। उनके एक हाथ में तलवार और दूसरे हाथ में कमल पुष्प है। उनके अन्य दोनों हाथ वरदा मुद्रा और अभय मुद्रा में हैं। उनका वाहन सिंह है।

दुनिया में जारी संघर्षों के बीच 'तिब्बत का मुद्दा हमेशा जिंदा रहेगा': दलाई लामा

- धर्मगुरु ने कहा-तिब्बत के धर्म और संस्कृति को बचाना भविष्य के लिए सबसे अहम

नई दिल्ली, एजेंसी।
तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने संदेश दिया है कि दुनिया में जारी संघर्ष और बदलते भू-राजनीतिक हालात के बावजूद तिब्बत का मुद्दा हमेशा जिंदा रहेगा। उन्होंने तिब्बत के धर्म और संस्कृति को बचाना भविष्य के लिए सबसे अहम बताया। यह संदेश ऐसे समय में आया है जब तिब्बती धर्मगुरु के उत्तराधिकारी को लेकर चीन के साथ मतभेद बने हुए हैं और भारत-चीन के बीच सीमा विवाद भी तनावपूर्ण है।

दलाई लामा ने तिब्बत के लोगों के लिए उम्मीद की किरण जगाते हुए कहा कि हालात चाहे जैसे भी हों, तिब्बत का मुद्दा उसकी गहरी सांस्कृतिक जड़ों, उसकी परंपराओं और धर्म को बचाए रखने से जुड़ा है। यह संदेश इस बात पर जोर देता है कि तिब्बत का सवाल सिर्फ राजनीतिक अधिकारों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके साथ तिब्बती लोगों की भाषा, संस्कृति, धार्मिक परंपराएं और उनकी अलग पहचान भी जुड़ी हुई है। दलाई लामा 1959 से भारत में रह रहे हैं, और धर्मशाला तिब्बती निर्वासित समुदाय तथा उसके धार्मिक-राजनीतिक संस्थानों का एक प्रमुख केंद्र है, जहां दशकों से तिब्बती समुदाय अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को बनाए रखने की कोशिश कर रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तिब्बत के भविष्य से जुड़ा एक बड़ा सवाल दलाई लामा के उत्तराधिकारी का भी है, जिस पर चीन से गहरा विवाद है। जुलाई 2025 में दलाई लामा ने स्पष्ट किया था कि उनके अगले अवतार की पहचान करने का अधिकार केवल गदेन फोडरंग ट्रस्ट के पास होगा और इस प्रक्रिया में किसी दूसरे पक्ष को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। इसके उलट, चीन का कहना है कि अगले दलाई लामा की पहचान चीनी कानूनों, धार्मिक परंपराओं और ऐतिहासिक व्यवस्थाओं के मुताबिक होनी चाहिए और उत्तराधिकारी को चीन की केंद्र सरकार की मंजूरी मिलनी जरूरी है। दलाई लामा का यह संदेश इस बात को रेखांकित करता है कि तिब्बत का मुद्दा केवल बदलते राजनीतिक समीकरणों से तय नहीं होगा, बल्कि तिब्बती संस्कृति, धर्म और परंपराओं को बचाने की कोशिशें इसे जीवित रखेंगी।

हाल ही में भारत और चीन के बीच लद्दाख पर टिप्पणियों को लेकर भी मतभेद सामने आए हैं। 13 अक्टूबर 2026 को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने लद्दाख को भारत का अभिन्न बताया था, जिसके बाद चीन की विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने संबंधित क्षेत्रों पर अपने दावे दोहराए।

थाने पहुंचीं कस्तूरबा विद्यालय की छात्राएं, पुलिस ने साइबर अपराधों से बचाव के तरीके बताए

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। मिशन शक्ति अभियान के छठे चरण के अंतर्गत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, पुरैनी की छात्राओं ने शुक्रवार को विद्यालय के स्टाफ के साथ थाना नगीना का भ्रमण किया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं को महिला सुरक्षा, थाने की कार्यप्रणाली, अभिलेखों के रखरखाव और साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी दी। भ्रमण के दौरान थाना प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार, वरिष्ठ उपनिरीक्षक सुक्रम पाल सिंह तथा मिशन शक्ति की प्रभारी मौजूद रहीं। थाना परिसर में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को ऑनलाइन धोखाधड़ी, साइबर उत्पीड़न, फर्जी संदेशों और संदिग्ध लिंक के माध्यम से होने वाली ठगी के बारे में विस्तार से बताया गया। पुलिस अधिकारियों ने सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग करने, अपनी व्यक्तिगत जानकारी, पासवर्ड और एक बार इस्तेमाल होने वाला गोपनीय सत्यापन अंक (ओटीपी) किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करने की सलाह दी। छात्राओं को बताया गया कि किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से आर्थिक नुकसान और निजी जानकारी चोरी होने का खतरा हो सकता है। साइबर अपराध का शिकार होने पर तत्काल शिकायत दर्ज कराने के लिए भी प्रेरित किया गया। पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए उपलब्ध आपातकालीन सहायता हेल्पलाइन की जानकारी देते हुए किसी भी परेशानी की स्थिति में बिना घबराए पुलिस से संपर्क करने की अपील की। छात्राओं को थाने में प्रतिदिन होने वाले कार्यों और पुलिस की जिम्मेदारियों से भी परिचित कराया गया। पुलिस के अनुसार, मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से नगीना सहित पूरे जिले में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान तथा जागरूकता बढ़ाने के लिए लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इनका उद्देश्य बालिकाओं को सुरक्षा संबंधी अधिकारों की जानकारी देने के साथ साइबर अपराधों के प्रति सतर्क बनाना है।

हनुमान के पराक्रम से सजी लंका दहन की लीला, जय श्रीराम के उद्घोष से गूंजा लेबर कॉलोनी का रामलीला मैदान

सहारनपुर (शिखर समाचार)। मानवीय कल्याण समिति, लेबर कॉलोनी की ओर से आयोजित रामलीला में लंका दहन की लीला का भव्य और भावपूर्ण मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने सशक्त अभिनय के माध्यम से हनुमान के अदम्य साहस, बुद्धिमत्ता, पराक्रम और भगवान श्रीराम के प्रति अटूट भक्ति को जीवंत कर दिया। लंका दहन के रोमांचक दृश्य के दौरान रामलीला परिसर जय श्रीराम और जय बजरंगबली के जयघोष से गूंज उठा। दर्शकों ने तालियां बजाकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। मंचन में दिखाया गया कि माता सीता की खोज करते हुए हनुमान लंका पहुंचे और अपनी बुद्धिमत्ता तथा पराक्रम से रावण की शक्ति को चुनौती दी। इसके बाद लंका दहन के दृश्य ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। यह प्रसंग अधर्म पर धर्म की विजय और अहंकार के विनाश का संदेश देता नजर आया। रामलीला के माध्यम से कलाकारों ने दशार्या कि सत्य, धर्म और भक्ति के मार्ग पर चलने वाले व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों में भी साहस और धैर्य बनाए रखना चाहिए। कार्यक्रम में पूर्व ब्लॉक प्रमुख कुलबीर राणा, शगुन गुप्ता, मानू गुप्ता और पवन कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समिति के पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया। अतिथियों ने कहा कि रामलीला भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को भगवान श्रीराम के आदर्शों, हनुमान की सेवाभावना और सत्य, त्याग तथा कर्तव्यनिष्ठा जैसे मूल्यों से परिचित कराते हैं। समिति के अध्यक्ष प्रदीप कपिल, महामंत्री विश्वनाथ तिवारी, कोषाध्यक्ष संजय राय, संरक्षक एवं दशहरा प्रधान प्रदीप शर्मा टीनू गुरु, संयोजक ठाकुर रामाशंकर सिंह, उमेश कश्यप, संदीप रावत, राजेंद्र गुप्ता गर्ग, यशपाल चौधरी, सतेंद्र रावत, कमल श्रीवास्तव, डॉ. अश्वनी शर्मा, डॉ. मोहित शर्मा और प्रकाश पांडेय सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विजय गुप्ता और अधिवक्ता सतीश चौधरी ने किया।

फर्जी नंबर प्लेट लगाकर घूम रहा युवक गिरफ्तार, स्प्लेंडर प्लस बाइक बरामद

रामपुर मनिहारान/सहारनपुर (शिखर समाचार)। अपराधियों की धरपकड़ और क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने जांच के दौरान फर्जी नंबर प्लेट लगी स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई में जुटी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिनंदन के निर्देश पर जनपद में अपराधों की रोकथाम और वांछित, वारंटी तथा शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर और क्षेत्राधिकारी नकुड़ के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक सुनील नागर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जांच अभियान के दौरान कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान आकाश पुत्र तेजपाल, निवासी गांव जंधेड़ा समसपुर, जनपद सहारनपुर के रूप में हुई है। उसके कब्जे से फर्जी नंबर प्लेट लगी स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद की गई। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। उसे न्यायालय के समक्ष पेश करने की प्रक्रिया की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में संदिग्ध वाहनों की जांच और अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। पुलिस ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और वाहनों पर वैध नंबर प्लेट लगाने की अपील की है।

अवैध पटाखा गोदाम पर छापा, पांच लाख के पटाखे बरामद और एक गिरफ्तार

हापुड़ (शिखर समाचार) थाना पिलखुवा क्षेत्र में पुलिस ने एक मकान में छापेमारी कर अवैध रूप से संचालित पटाखा गोदाम का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से करीब पाँच लाख रुपये मूल्य के पटाखों के छह कार्टून बरामद करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। दीपावली के त्योहारी सीजन के मद्देनजर पुलिस ने खेड़ा गेट क्षेत्र में सोमेश्वर मंदिर के पास स्थित एक मकान पर दबिश दी। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से वंडर थ्रो, पोगो स्पार्कल्स, कोको स्पार्कलर्स, लेपर्ड किंग, खुशी कलर स्पार्कलर्स के साथ-साथ फ्लावर पॉट्स, बम, अनार, चकरी और बिजली क्रैकर्स सहित बीस से अधिक वैरायटी के पटाखे बरामद किए हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज बालियान ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि छापेमारी के दौरान मौके पर मौजूद आरोपी इरफान पटाखों के भंडारण या बिक्री से संबंधित कोई भी वैध लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके अलावा, गोदाम परिसर में आग बुझाने के लिए कोई सुरक्षा उपकरण (अग्निशमन यंत्र) भी नहीं पाया गया, जो कि गंभीर सुरक्षा लापरवाही है। पुलिस ने सुरक्षा मानकों की अनदेखी और अवैध भंडारण के चलते सारा माल सील करते हुए आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

जीडीए उपाध्यक्ष आईएएस नंद किशोर कलाल का सख्त संदेश, अवैध कॉलोनाइजरों पर नहीं होगी नरमी!

अवैध कॉलोनाइजरों में मचा हड़कंप, अनधिकृत निर्माण के खिलाफ प्राधिकरण का अभियान जारी

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। अवैध कॉलोनियों के खिलाफ गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) का अभियान लगातार जारी है। प्राधिकरण की ओर से बिना आवश्यक अनुमति और स्वीकृत मानचित्र के विकसित की जा रही कॉलोनियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जीडीए के जोन-3 के अंतर्गत कल्लू गढ़ी-डासना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 30 बीघा जमीन पर विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी के निर्माण को बुलडोजर की मदद से ध्वस्त करा दिया गया। प्राधिकरण की इस कार्रवाई से अवैध रूप से कॉलोनी विकसित करने वालों में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार, कल्लू गढ़ी-डासना क्षेत्र में संबंधित जमीन पर बिना आवश्यक अनुमति प्राप्त किए कॉलोनी विकसित करने का काम किया जा रहा था। यहां जमीन पर कॉलोनी बसाने के उद्देश्य से निर्माण संबंधी गतिविधियां

की जा रही थीं। मामले की जानकारी मिलने के बाद जीडीए की टीम मौके पर पहुंची और कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण को ध्वस्त कराया। बुलडोजर की मदद से कॉलोनी विकसित करने के लिए किए गए निर्माण को हटाया गया। प्राधिकरण की इस कार्रवाई के दौरान अनधिकृत रूप से विकसित की जा रही कॉलोनी के निर्माण को निशाना

बनाया गया। जीडीए की ओर से अवैध कॉलोनियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। प्राधिकरण का प्रयास है कि बिना स्वीकृत योजना और आवश्यक अनुमति के जमीन पर प्लॉटिंग कर कॉलोनी विकसित करने की गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके। इस तरह के अनधिकृत विकास से शहर की नियोजित विकास व्यवस्था प्रभावित होने के साथ ही सड़क, जल निकासी और अन्य बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था पर भी असर पड़ सकता है। ऐसे में प्राधिकरण की ओर से अवैध निर्माण के मामलों में कार्रवाई कर नियमों के अनुरूप विकास सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। कल्लू गढ़ी-डासना क्षेत्र में करीब 30 बीघा जमीन पर की गई इस कार्रवाई को अवैध कॉलोनियों के खिलाफ जीडीए के अभियान की कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। प्राधिकरण की टीम ने मौके पर पहुंचकर बुलडोजर चलाया और अनधिकृत निर्माण को हटाया। जीडीए की कार्रवाई से स्पष्ट है कि बिना आवश्यक अनुमति के कॉलोनी विकसित करने के मामलों में प्राधिकरण अभियान जारी रखे हुए है। हालांकि, संबंधित भूमि के स्वामित्व, कार्रवाई में शामिल अधिकारियों और ध्वस्तीकरण की विस्तृत प्रक्रिया के संबंध में अतिरिक्त आधिकारिक जानकारी उपलब्ध होने पर खबर में और तथ्य जोड़े जा सकते हैं।

शामली में भाजपा को झटका, तीन दशक पुराना साथ छोड़ हरबीर मलिक सपा में शामिल

शामली (शिखर समाचार)। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले शामली की राजनीति में महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है। भारतीय जनता पार्टी से करीब 30 साल पुराना नाता तोड़कर हरबीर मलिक समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए हैं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई।

हरबीर मलिक के भाजपा छोड़कर सपा में शामिल होने की खबर के बाद जिले के राजनीतिक हलकों में चचाएं शुरू हो गई हैं। उनके इस फैसले को आगामी विधानसभा चुनाव से पहले शामली की राजनीति में हुए बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। लंबे समय तक भाजपा से जुड़े रहे मलिक के सपा में जाने से स्थानीय राजनीतिक गतिविधियों पर भी लोगों की नजरें टिकी हैं। हालांकि, हरबीर मलिक ने भाजपा

छोड़ने का निर्णय किन कारणों से लिया और समाजवादी पार्टी में उन्हें क्या जिम्मेदारी दी जाएगी, इस संबंध में अभी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। उनकी नई राजनीतिक भूमिका और जिले में पार्टी की गतिविधियों में उनकी भागीदारी को लेकर आगे की स्थिति स्पष्ट होने का इंतजार है।आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए विभिन्न राजनीतिक दलों की तैयारियां तेज होने के बीच हरबीर मलिक का दल परिवर्तन शामली के राजनीतिक घटनाक्रम में चर्चा का विषय बन गया है।

जिला जज सत्येंद्र कुमार को दी विदाई, अधिवक्ताओं ने सराही कार्यशैली और न्यायिक योगदान

सहारनपुर (शिखर समाचार)। सहारनपुर अधिवक्ता एसोसिएशन के तत्वावधान में जनपद न्यायाधीश सत्येंद्र कुमार का विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में अधिवक्ताओं ने उनकी कार्यशैली की सराहना करते हुए बार और बेंच के बीच मधुर एवं सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने भाग लिया और जनपद न्यायाधीश के कार्यकाल से जुड़े अनुभव साझा किए।

समारोह की अध्यक्षता अधिवक्ता एसोसिएशन के अध्यक्ष राहुल त्यागी ने की, जबकि संचालन महासचिव पालम राणा ने किया। वक्ताओं ने न्यायिक व्यवस्था में बार और बेंच के बीच बेहतर समन्वय को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि आपसी सहयोग और संवाद से न्यायिक कार्यों को सुचारु बनाने तथा वादकारियों को समय पर न्याय उपलब्ध कराने में सहायता मिलती है। इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश सत्येंद्र कुमार की कार्यशैली की प्रशंसा की गई और उनके आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी गईं। समारोह में चौधरी रणधीर सिंह, अशोक कुमार पुंडीर, राजेंद्र सिंह चौहान, राजीव गुप्ता, अमरीश पुंडीर उर्फ लाला, शीशपाल सिंह पुंडीर, सिद्धार्थ शंकर त्यागी, आदित्य सिंह, राशिद जमील, जयवीर सिंह पुंडीर, निशांत त्यागी, आदित्य अंगीरस, सत्यपाल सिंह सैनी, अभय सैनी, प्रमोद शर्मा, रौनक अली, राकेश त्यागी, अरुण चौधरी, जयवीर सिंह, धर्मेंद्र, जमाल साबरी, संजय वर्मा, सतीश चौधरी, बाबूराम, चौधरी सतीश और कादिर राणा सहित एसोसिएशन की कार्यकारिणी के सभी सदस्य तथा बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

प्रदर्शनी के सफल आयोजन में योगदान देने वाले अधिकारी-कर्मचारी सम्मानित

बिजनौर (शिखर समाचार)। जिला कृषि, औद्योगिक एवं सांस्कृतिक प्रदर्शनी में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। नगर पालिका परिषद के डॉ. भीमराव आंबेडकर सभागार में आयोजित समारोह में अतिथियों ने उत्कृष्ट कार्य करने वालों को स्मृति चिह्न भेंट कर उनके योगदान की सराहना की।

समारोह में सभासद घनश्याम दास गुप्ता और पूर्व सभासद राजीव सोती तिलकधारी ने संयुक्त रूप से अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी रामपाल सिंह यादव, पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह, कर अधीक्षक नरेंद्र पाल सिंह यादव, लेखा परीक्षक डॉ. वीरेंद्र कुमार, लेखा लिपिक नेहा शर्मा, पूनम बिश्नोई, हिमांशु कुमार और गुफरान अहमद शामिल रहे। प्रदर्शनी के दौरान आयोजित कव्वाली कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष योगदान देने वाले संयोजक एवं पूर्व सभासद राजीव सोती को भी सम्मानित किया गया। पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह और भाजपा नेता डॉ. बीरबल सिंह ने उन्हें स्मृति चिह्न भेंट कर कार्यक्रम के सफल आयोजन में उनकी भूमिका की सराहना की। समारोह में प्रदर्शनी के विभिन्न कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया गया।

हापुड़ जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई अभियोजन कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक

हापुड़ (शिखर समाचार) कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी श्रीमती कविता मीना और पुलिस अधीक्षक की संयुक्त अध्यक्षता में अभियोजन कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में महिला अपराध, पॉक्सो एक्ट, गैंगस्टर, आबकारी अधिनियम और अन्य जघन्य मामलों से जुड़े वादों में प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने 'मिशन शक्ति' और 'मिशन कन्विक्शन' के तहत चिन्हित मुकदमों में सजा की दर बढ़ाने पर विशेष जोर देते हुए अभियोजन अधिकारियों को पूरी सख्ती से काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने न्यायालयों में लंबित वादों में गवाहों की समय से उपस्थिति सुनिश्चित कराने और गैंगस्टर एक्ट के तहत जब्त की गई संपत्तियों की समीक्षा कर कुर्की की कार्रवाई में तेजी लाने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अपराधियों को सजा दिलाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस महत्वपूर्ण बैठक में पुलिस अधीक्षक, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) सहित अभियोजन विभाग के अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गाजियाबादः मतदान केंद्रों के सत्यापन और विशेष पुनरीक्षण पर बैठक आयोजित

गाजियाबाद (शिखर समाचार) अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण और आगामी सामान्य निर्वाचन-2027 के दृष्टिगत मतदान केंद्रों के सत्यापन को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी रविंद्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में हुई बैठक में मतदान केंद्रों के सत्यापन, प्रस्तावित मतदान स्थलों और पुनरीक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की गई। निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार, जनपद में मतदान केंद्रों का सत्यापन 16 से 18 अक्टूबर 2026 तक किया जाना है। 12 नवंबर 2026 को एकीकृत निर्वाचक नामावली का आलेख्य प्रकाशन होगा, जिसके बाद 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक दावे एवं आपत्तियां ली जाएंगी। नामावली का अंतिम प्रकाशन 04 जनवरी 2027 को किया जाएगा।

बैठक में जनपद की छह विधानसभा क्षेत्रों–लोनी, मुरादनगर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, मोदीनगर और धौलाना–के कुल 860 मतदान केंद्रों, 3,071 प्रस्तावित मतदान स्थलों और 23,94,117 कुल मतदाताओं की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। इस दौरान संबंधित प्रशासनिक अधिकारी और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

माता के भजनों से भक्तिमय हुआ सिद्धपीठ दुर्गा मंदिर, जयकारों के बीच सजी माता की चौकी

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। नगर स्थित श्री सिद्धपीठ दुर्गा मंदिर में आयोजित नवरात्र महोत्सव के अंतर्गत बृहस्पतिवार शाम माता की चौकी का भव्य आयोजन किया गया। धार्मिक उत्साह और श्रद्धा से सराबोर कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। भजन गायकों ने माता रानी के मधुर भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। इस दौरान माता रानी के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा। माता की चौकी में राजीव ग्रोवर, संजय ग्रोवर तथा अधिवक्ता विभु शर्मा और सुनील शर्मा के परिवारों ने यजमान के रूप में पंडित सूर्य प्रकाश के सानिध्य में पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं ने माता रानी के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। भजन-कीर्तन के दौरान उपस्थित श्रद्धालु माता के भजनों पर भावविभोर नजर आए। कार्यक्रम में मंदिर समिति के

प्रधान तेजिंदर मोहन भाटिया और समिति के सदस्यों ने भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी, अमित ठाकुर सहित अन्य श्रद्धालुओं का सम्मान किया। आयोजन में रोटरी और लायंस क्लब से जुड़े सदस्य भी शामिल हुए। धार्मिक आयोजन ने पूरे परिसर को भक्तिमय वातावरण से भर दिया। इस अवसर पर तेजिंदर मोहन भाटिया, राजेंद्र तनेजा, राजीव ग्रोवर भोला, प्रवीण ठकराल, धीरज सूरी, मुकेश कुमार टोनी, दिनेश सूरी, अमरनाथ फुटेला, राजकुमार मंगवानी, अमित ठाकुर, राजकुमार तनेजा, विपिन कोहली, संजय लोहिया, प्रवीण कोहली, मनीष सहगल, हनी ग्रोवर, जुगल किशोर गोगिया, नरेश गुंबर, संजीव मेहता, सौरभ सेठी, अमित मंगवानी, कुशांक ग्रोवर, रामजी गगनेजा, हरबंस लाल सलूजा, जगमोहन तनेजा, विनीत नारंग, अनुज मिनोचा, गुरचरण सिंह और किशोर गोयल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बिजनौर को कुपोषण मुक्त बनाने की मुहिम तेज, एक हजार से अधिक बच्चों को मिला नया जीवन

बिजनौर (शिखर समाचार)। बिजनौर नगर को कुपोषण मुक्त बनाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद ने विशेष पहल करते हुए चिन्हित कुपोषित और अति-कुपोषित बच्चों को पोषण आहार किट वितरित की। नगर पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह ने बताया कि जून 2025 से सितंबर 2026 के बीच नगर में एक हजार से अधिक बच्चों को कुपोषण से मुक्त कराने में सफलता मिली है। उन्होंने सामूहिक प्रयासों को इस अभियान की सफलता का आधार बताया। डॉ. भीमराव आंबेडकर सभागार में कुपोषित बच्चों को स्वस्थ बनाने के लिए आयोजित अंतरविभागीय समन्वय बैठक में इंदिरा सिंह ने बताया कि इस अवधि में गंभीर तीव्र कुपोषण श्रेणी के 169 और मध्यम तीव्र कुपोषण श्रेणी के 912 बच्चों को कुपोषण से बाहर निकाला गया। वर्तमान में नगर में 22 कुपोषित बच्चे शेष हैं, जिनमें 18 गंभीर और चार

मध्यम तीव्र कुपोषण श्रेणी में हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि नगर पालिका, संबंधित विभागों, आंगनबाड़ी कार्यकताओं और अभिभावकों के संयुक्त प्रयासों से जल्द ही बिजनौर को पूरी तरह कुपोषण मुक्त बनाया जा सकेगा।

कार्यक्रम में अतिथियों ने अभिभावकों के साथ आए बच्चों को अपने हाथों से पोषण आहार किट वितरित कीं। वक्ताओं ने कहा कि कुपोषण दूर करने के लिए पौष्टिक भोजन, नियमित स्वास्थ्य निगरानी और परिवारों में जागरूकता बढ़ाना जरूरी है।

अधिशासी अधिकारी रामपाल सिंह यादव के संचालन में आयोजित कार्यक्रम को भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. बीरबल सिंह और जिला कार्यक्रम विभाग की पर्यवेक्षक भावना भारद्वाज ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर कर अधीक्षक नरेश पाल सिंह, सफाई निरीक्षक गोविंद चौधरी, अवर अभियंता गौरव शर्मा, अवर अभियंता यशवंत सिंह, स्वच्छता लिपिक संदीप कुमार तथा सभासद आशीष अग्रवाल, घनश्याम दास गुप्ता, संजय बिश्नोई और अमित ठाकुर सहित नगर की दर्जनों आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

जीडीए के समाधान दिवस में आए 25 मामले, पांच का निस्तारण

गोरखपुर , एजेंसी। जीडीए परिसर में बृहस्पतिवार को 'प्राधिकरण समाधान दिवस' का आयोजन किया गया। जीडीए उपाध्यक्ष अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में इस आयोजन में कुल 25 आवेदकों ने भूमि, मानचित्र और अवैध निर्माण से संबंधित समस्याओं व शिकायतों को प्रस्तुत किया। इनमें से पांच प्रकरणों का तत्काल निस्तारण कर दिया गया। शेष 20 प्रकरणों पर संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर आवश्यक कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया।

प्राधिकरण के प्रभारी सचिव प्रखर उत्तम, विशेष कार्याधिकारी संजीव कुमार दीक्षित, मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी संतोष कुमार कुशवाहा, मुख्य अभियंता किशन सिंह, संयुक्त सचिव अजय कुमार सहित प्राधिकरण के समस्त सहायक/अवर अभियंता व कर्मचारी उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि जीडीए परिसर में प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय बृहस्पतिवार को प्रातः 10.00 से 2.00 बजे तक समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है।

दस महीने बाद पीएम आवासों के लिए मिली दूसरी किस्त

अलीगढ़ , एजेंसी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वर्ष 2025 में चंडौस नगर पंचायत एवं उसके मजरा भीम नगर और नगला जाट में 628 आवास स्वीकृत किए गए थे। आवास निर्माण के लिए जनवरी 2026 में पहली किस्त के रूप में एक-एक लाख रुपये भी लाभार्थियों को मिल गए थे।

लाभार्थियों ने अपने जर्जर मकान तोड़कर नए मकान बनवाना शुरू कर दिए थे, लेकिन अचानक दूसरी किश्त रोक दी गई। 10 महीने तक दूसरी किश्त शासन ने जारी नहीं की। इससे निर्माण कार्य भी अवरुद्ध हो गए और लोग आवास के अभाव में किराए के मकान में रहने लगे। इस संबंध में जुलाई महीने में प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी। लाभार्थियों के लिए दूसरी किस्त 12 अक्तूबर से आना शुरू हो गई है। अब तक करीब 50 लाभार्थियों के खातों में दूसरी किस्त की धनराशि आ गई है। लाभार्थियों का कहना है कि दूसरी किस्त जारी होने से अधूरे पड़े मकानों का निर्माण पूरा हो सकेगा। एक आवास के लिए सरकार लाभार्थी को 2.50 लाख रुपये देती है।

88वें शारदोत्सव में कलश स्थापना कर की पूजा

वाराणसी , एजेंसी। विद्यार्थी शारदोत्सव समिति का सप्ताहव्यापी शारदोत्सव बृहस्पतिवार को ब्रह्मा घाट स्थित मंगल भवन में शुरू हुआ। मां शारदा की स्थापना, पूजन और कलश प्रतिष्ठा के साथ पूजन हुआ। समिति के 88वें वर्ष में सारंग चितळे ने हेमंत जोशी के आचार्यत्व में कलश स्थापना की। मां शारदा का पूजन और आरती की गई। भगवान गणेश का स्थापन, पूजन और माता शारदा का कलश में स्थापन भी वैदिक विधि से हुआ। पूजा में समिति के अध्यक्ष संतोष सोलापुरकर, माधव रटाटे, अनंत राम बक्षी, गौरव रटाटे, सुहास पटवर्धन, ज्ञानेश्वर तोलेदार, ऋत्विक बापट, उत्कर्ष रटाटे और गौरांग रटाटे आदि रहे। इसके बाद सुहास पटवर्धन की अध्यक्षता में सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता हुई। सूरज कुमार दुबे प्रथम स्थान प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता में अंशिका ने अव्वल रही।

संक्षिप्त समाचार

केंद्र, प्रदेश और गीडा मिलकर उठाएंगे सीईटीपी निर्माण का खर्चे

गोरखपुर , एजेंसी। औद्योगिक विकास के साथ आमी नदी को प्रदूषण से बचाने के लिए गीडा में कॉमन इफ्लूएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) स्थापित करने का रास्ता साफ हो गया है। नमामि गंगे परियोजना के तहत 54 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस प्लांट के लिए केंद्र सरकार, प्रदेश सरकार और गीडा के बीच खर्च में हिस्सेदारी को लेकर सहमति बन गई है। अब निर्माण के लिए जल्द ही टेंडर जारी किया जाएगा। गीडा के एसीईओ राम प्रकाश ने बताया कि नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा (एनएमसीजी) के संशोधित प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है। इससे परियोजना को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हो गया है। पहले प्रस्ताव के तहत परियोजना की कुल लागत का 50 प्रतिशत केंद्र सरकार, जबकि 25-25 प्रतिशत हिस्सा प्रदेश सरकार और गीडा को वहन करना था।

17 और 24 को चलेगा मतदाता सूची अभियान

गोरखपुर , एजेंसी। मतदाता सूची में छूटे नाम जुड़वाने और नए नाम दर्ज कराने के लिए जिला प्रशासन 17 और 24 अक्तूबर को विशेष अभियान चलाएगा। इन तिथियों पर सभी मतदान केंद्रों पर बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) मौजूद रहेंगे। डीएम दीपक मीणा ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर अभियान को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि जिन मतदाताओं का नाम सूची में नहीं है या कट गया है, वे इन तिथियों पर आवेदन करें। 18 वर्ष पूरी कर चुके युवा भी नाम दर्ज करा सकते हैं। डीएम ने आवेदन प्रक्रिया में पारदर्शिता पर जोर दिया। उन्होंने बीएलओ को आवेदन जमा करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को प्राप्ति रसीद देने का निर्देश दिया।

14 बार लिखे पत्र, फिर भी नहीं लगी सुध, हो गया हादसा

अलीगढ़ , एजेंसी। राजकीय कन्या इंटर कॉलेज अतरौली में बुधवार को कक्षा की छत का प्लास्टर गिरने से चार छात्राओं के घायल होने का मामला महज हादसा नहीं, बल्कि सिस्टम की लापरवाही का नतीजा है। प्रधानाचार्य माधवी शर्मा ने 2024 से अब तक 14 बार जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय को पत्र लिखकर भवन के जर्जर होने

और हादसे की आशंका जताई थी, लेकिन मरम्मत के लिए बजट जारी नहीं हुआ।

बुधवार को कक्षा छह में गणित का पेपर चल रहा था तभी लिंटर का प्लास्टर गिर पड़ा था, जिसमें चार छात्राएं घायल हो गई थीं। उनकी हालत ठीक है। हादसे के बाद भी कॉलेज में बृहस्पतिवार को मरम्मत कार्य शुरू नहीं हो सका। कॉलेज में पांच जगहों से लिंटर का प्लास्टर कभी भी गिरने की हालत में है। बिजली के बोर्ड में पहले ही आग लग चुकी है और आधे कॉलेज में बिजली की सप्लाई ठप है। प्रधानाचार्य द्वारा डीआईओएस कार्यालय में 25 जून 2024, 13 जनवरी 2025, 24 अप्रैल 2025, 27 अगस्त 2025, 28 अगस्त 2025, आठ सितंबर 2025 और 2026 में 16 मई, नौ जुलाई, सात जुलाई, 11 अगस्त, 20 जुलाई और 9 सितंबर में पत्र रिसीव कराए गए।

भाजपा में जनता दुखी ही नहीं बल्कि अपमानित हो रही : श्यामलाल

कानपुर , एजेंसी। भाजपा सरकार में जनता दुखी ही नहीं बल्कि अपमानित हो रही है। नौजवानों पर लाठियां चल रही हैं। महिला और नौजवान सड़कों पर हैं, जिन्हें लगातार अपमानित किया जा रहा है। लोकतंत्र की ताकत वोट का अधिकार भी देश की जनता से छीना जा रहा है। ये बातें बृहस्पतिवार को रसूलाबाद के एक गेस्ट हाउस में आयोजित पीडीए सम्मेलन में सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने कही। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कार्यकर्ता एकजुट होकर 2027 चुनाव की तैयारी में जुटे। कहा कि पार्टी जिसे टिकट दे उसे जिताएं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र खतरे में हैं। महिलाएं पुरुष और बच्चे नौजवान छात्र सभी खतरे में हैं। उन्होंने उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि इस भीषण महंगाई में जनता परेशान है खाद, डीजल, चीनी तथा अन्य खाद्य वस्तुओं के दामों में भारी बढ़ोतरी हुई है। नौजवान भटक रहा है उसे नौकरियां नहीं दी जा रही हैं। छात्र प्रदर्शन कर रहे हैं और लाठी-डंडे खा रहे हैं और सरकार चुप्पी साधे है।

19 अक्टूबर को महानवमी पर स्कूल-कॉलेज बंद करने की मांग सीएम योगी तक पहुंची

लखनऊ, एजेंसी। शिक्षक-कर्मचारी संगठनों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से 19 अक्तूबर को महानवमी पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग की है। विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन समेत विभिन्न संगठनों ने इस संबंध में मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव को पत्र भेजा है। संगठनों का कहना है कि 18 अक्तूबर को रविवार और 20 अक्तूबर को दशहरे का अवकाश है। ऐसे में 19 अक्तूबर को भी छुट्टी मिलने से लगातार तीन दिन का अवकाश मिलेगा और शिक्षक-कर्मचारी महानवमी के धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल हो सकेंगे।

रोडवेज आउटसोर्स कर्मियों का वेतन बढ़ना तय

रोडवेज के आउटसोर्स कर्मचारियों की तनख्वाह बढ़ाने के लिए रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रयास पर पत्राचार शुरू हो गया। दीपावली से पहले इस पर निर्णय होने की उम्मीद जगी है। बीती मई में शासन से आउटसोर्स के कुशल कर्मियों को पारिश्रमिक दर 16,868 रुपये और अकुशल को 11,629 रुपये देने आदेश दिया गया। लेकिन शासन के आदेश को दरकिनार करते हुए 8400 रुपये प्रति कर्मी भुगतान किया जा रहा है। ऐसे में परिषद के प्रांतीय महामंत्री गिरीश मिश्र की ओर से प्रबंध निदेशक पीएन सिंह को भेजे गए पत्र को संज्ञान में लेकर प्रधान प्रबंधक श्रम कल्याण अंकुर विकास ने मुख्य प्रधान प्रबंधक प्राविधिक से आउटसोर्स कर्मियों के पारिश्रमिक दरों में बदलाव करते हुए भुगतान की अनुमति मांगी हैं।

अष्टमी का कन्या पूजन 18 को, नवमी का 19 और 20 अक्तूबर को

शारदीय नवरात्र में महाअष्टमी और महानवमी पर कन्या पूजन का विशेष महत्व है। इस बार अष्टमी का कन्या पूजन 18 अक्तूबर और नवमी का पूजन 19 अक्तूबर को किया जाएगा। 20 अक्तूबर को सुबह 9 :34 बजे तक भी नवमी पूजन कर सकते हैं। ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल ने बताया कि काशी पंचांग के मुताबिक अष्टमी तिथि 18 अक्तूबर को सुबह 5 :54 बजे से 19 अक्तूबर सुबह 6 :53 बजे तक रहेगी। नवमी तिथि 19 अक्तूबर सुबह 6 :53 बजे से 20 अक्तूबर सुबह 9 :34 बजे तक है। कन्या पूजन में नौ कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर चरण धोने, तिलक लगाने, चुनरी ओढ़ाने और हलवा-पूरी व चने का भोजन कराने की परंपरा है। साथ में एक बालक को भैरव स्वरूप मानकर भोजन कराया जाता है। 20 अक्तूबर को नवमी तिथि समाप्त होने के बाद दशमी लगेगी। इसी दिन व्रत का पारण, दुर्गा प्रतिमा विसर्जन और विजयदशमी पर्व मनाया जाएगा।

निजी स्कूलों में 6.93 लाख बच्चों की निशुल्क पढ़ाई के लिए 698 करोड़ जारी

प्रदेश के निजी स्कूलों में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के 6.93 लाख बच्चों की निशुल्क पढ़ाई के लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने 698 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इसमें शुल्क प्रतिपूर्ति के साथ किताबें व स्टेशनरी खरीदने के लिए वित्तीय सहायता भी शामिल है। विभाग ने अगले शैक्षिक सत्र 2027-28 में अनुमानित प्रवेश के लिए भी 85 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों में पात्र बच्चों को निशुल्क प्रवेश दिया जाता है। शैक्षिक सत्र 2025-26 तक प्रवेश पाने वाले 5.36 लाख और वर्तमान सत्र 2026-27 में प्रवेश लेने वाले 1.57 लाख बच्चों के लिए बजट जारी किया गया है। आरटीई के तहत निजी स्कूलों को प्रति विद्यार्थी प्रतिमाह 450 रुपये शुल्क प्रतिपूर्ति दी जाती है। इसके अलावा, किताबें और स्टेशनरी खरीदने के लिए प्रत्येक बच्चे के अभिभावक के आधार से जुड़े बैंक खाते में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से एकमुश्त 5,000 रुपये भेजे जाते हैं। विभाग के अनुसार, शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए 362 करोड़ और वित्तीय सहायता के लिए 335 करोड़ रुपये दिए गए हैं। इस तरह कुल 698 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

कृषक मेले में वैज्ञानिकों ने किया किसानों का मार्गदर्शन, सम्मानित हुए किसान

वाराणसी , एजेंसी। संभागीय कृषि परीक्षण और प्रदर्शन केंद्र, वाराणसी में कृषक मेले का आयोजन हुआ। उप कृषि निदेशक अमित जायसवाल के मार्गदर्शन में एक दिवसीय कृषक ज्ञान संगोष्ठी और किसान मेले में कृषि विभाग के अधिकारियों, वैज्ञानिकों, महिला कृषकों, किसानों और विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अंतरराष्ट्रीय महिला किसान दिवस के मौके पर कृषि-क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित भी किया गया। मौके पर संयुक्त कृषि निदेशक शैलेंद्र कुमार ने श्रीअन्न की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। जिला कृषि अधिकारी संगम सिंह ने रबी अभियान के तहत गेहूं, चना, मटर, मसूर और सरसों के बीज 50 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराने की जानकारी दी।

कृषि विज्ञान केंद्र, वाराणसी के वैज्ञानिक डॉ. सर्वजीत और डॉ. मनीष पांडेय ने बागबानी की फसलों की वैज्ञानिक खेती और उन्नत उत्पादन तकनीकों की जानकारी दी। महिला कृषक संजू यादव ने पशुपालन के माध्यम से अपने परिवार का भरण-पोषण करने और आजीविका में सुधार के अपने अनुभव साझा किए। समापन सत्र में उप कृषि निदेशक (शोध) शिव कुमार ने किसानों को खेती की नई तकनीकों की जानकारी दी। कार्यक्रम में उप कृषि निदेशक अमित जायसवाल, सहायक निदेशक (खाद) राज कुमार, जिला कृषि रक्षा अधिकारी बृजेश विश्वकर्मा, सहायक निदेशक (मिट्टी परीक्षण) स्नेह प्रभा, भूमि संरक्षण अधिकारी अशोक यादव और राष्ट्रीय बीज निगम के सहायक महाप्रबंधक योगेंद्र यादव मौजूद रहे। संचालन डॉ. दुर्गेश सिंह ने किया।

यूट्यूब से सीखा एटीएम ठगी का तरीका, नकदी फंसाने वाले गिरोह के दो आरोपी गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। नजीबाबाद थाना पुलिस ने एटीएम से नकदी निकालने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी एटीएम के नकदी निकासी वाले हिस्से पर लकड़ी या लोहे का विशेष डिब्बा चिपका देते थे, जिससे ग्राहकों की नकदी बाहर निकलने के बजाय उसमें फंस जाती थी। ग्राहक के खाते से रकम कटने का संदेश आने के बावजूद नकदी नहीं मिलने पर आरोपी बाद में डिब्बे में फंसी रकम निकाल लेते थे। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने कथित तौर पर बताया कि उन्होंने ठगी का यह तरीका यूट्यूब पर देखकर सीखा था।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के अनुसार, 15 अक्टूबर को नजीबाबाद क्षेत्र के गढ़मलपुर निवासी वसीम और इस्सेपुर निवासी हनिराज ने शिकायत दर्ज कराई थी। दोनों ने एटीएम से पांच-पांच हजार रुपये निकालने का प्रयास किया था। उनके बैंक खातों से रकम कट गई, लेकिन नकदी बाहर नहीं निकली। इसी दौरान मशीन खराब होने का संदेश भी सुनाई दिया।

शिकायत के बाद पुलिस ने एटीएम बूथ के सीसीटीवी दृश्य खंगाले। जांच में मशीन के नकदी निकासी वाले हिस्से पर संदिग्ध डिब्बा लगाए जाने की बात सामने आई। पुलिस के मुताबिक, आरोपी मोबाइल फोन की मदद से मशीन में गड़बड़ी का संदेश भी प्रसारित कराते थे, जिससे ग्राहक नकदी लिए बिना बूथ से चला जाता था।

पुलिस ने तकनीकी जांच और मुखबिर की सूचना के आधार पर नहटौर क्षेत्र के फुलसंदा निवासी आरिफ पुत्र ताहिर तथा छापेग्रान निवासी शकील पुत्र खैराती को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से छह मोबाइल फोन, लकड़ी के दो और लोहे के तीन डिब्बे तथा 6,400 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य संभावित सदस्यों की तलाश कर रही है।

बारिश से फसल को नुकसान

अलीगढ़ , एजेंसी। जनपद में बृहस्पतिवार दोपहर को तेज हवा के साथ हुई बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी। गोंडा, खैर, इगलास, गभाना, चंडौस, अतरौली, छर्रा, विजयगढ़ सहित अन्य क्षेत्र में बारिश हुई। खेतों में कटी पड़ी धान की फसल भीग गई, जबकि कई जगह खड़ी फसल भी गिर गई। बाजरा की फसल पर भी संकट मंडराने लगा है। गोंडा क्षेत्र में दोपहर करीब एक बजे तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हुई। किसानों के मुताबिक, भीगने से धान का दाना काला पड़ सकता है। खेत में ही दाना अंकुरित होने का खतरा भी है। इससे मंडी में फसल की कीमत घटेगी। कोढ़ा के जगदीश सिंह, नागर-दहौड़ा के हरि प्रेम शर्मा, गिलहटा के हरवीर सिंह, छोटी बल्लम के देवदत्त, ढूकपुरा के भानु प्रताप सहित क्षेत्र के अन्य किसानों ने बताया है कि इन दिनों खेतों में धान की कटाई हो रही है। बाजरा की कटाई भी शुरू हो चुकी है। ऐसे में बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। गोंडा किसान संघर्ष समिति के अध्यक्ष रवीकरन सिंह और भाकियू टिकैत के तहसील अध्यक्ष कैप्टन हरपाल सिंह ने प्रशासन से फसलों के नुकसान का सर्वे कराकर राहत देने की मांग की।

क्षेत्र में बृहस्पतिवार दोपहर काले बादल छाने के बाद तेज हवा के साथ बारिश हुई। देर शाम तक बारिश का सिलसिला जारी रहा। इससे खेतों में खड़ी और कटी पड़ी धान व बाजरा की फसल प्रभावित हुई। कई जगह जलभराव भी हो गया। किसानों का कहना है कि महंगी लागत और कड़ी मेहनत से तैयार फसल पर मौसम की मार पड़ रही है।

पिसावा में धान भीगा, सरसों की बुवाई पर भी संकट

कस्बे और ग्रामीण क्षेत्र में बृहस्पतिवार दोपहर हुई बारिश से खेतों में पानी भर गया। पलसेड़ा के किसान सुरेश और बिट्टू ने बताया कि सरसों की बुवाई कर रहे किसानों को भी परेशानी हो सकती है। हालांकि, गेहूं की बुवाई से पहले पलेवा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। गन्ने के लिए बारिश को फायदेमंद माना जा रहा है।

14 नवंबर तक पंजीकरण कराने वालों को मिलेगा ओटीएस का लाभ, इसके बाद लगेगा ब्याज

वाराणसी , एजेंसी। नगर निगम की एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) का लाभ उठाकर गृहकर बकाया पर 100 प्रतिशत ब्याज माफी का अवसर 14 नवंबर तक है। इस तारीख तक पंजीकरण कराने वाले भवन स्वामियों को 31 दिसंबर तक टैक्स जमा करने पर ओटीएस का लाभ दिया जाएगा, नहीं तो भवन स्वामियों को मूल बकाये के साथ पूरा सरचार्ज/ब्याज देना होगा। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने बृहस्पतिवार को नगर निगम के सभागार में कर वसूली पर चार जोनों (आदमपुर, वरूणापार, ऋषि मांडवी और सारनाथ जोन) की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने निर्धारित लक्ष्य की शत-प्रतिशत वसूली करने के सख्त निर्देश दिए। इसके लिए उन्होंने कर व राजस्व अधीक्षकों से भवन स्वामियों को जागरूक करें, क्षेत्र में विशेष कैंप लगाएं।

85.76 करोड़ रुपये की ब्याज राशि होगी माफ

नगर निगम क्षेत्र में कुल 97,857 बकायेदार भवनों पर 209.96 करोड़ रुपये का मूल टैक्स और 85.76 करोड़ रुपये का ब्याज, यानी कुल 295.73 करोड़ की मांग है। यदि सभी बकायेदार 14 नवंबर तक पंजीकरण करा लेते हैं।

मिठाई कितने दिन तक खाने लायक? रसमलाई 12 घंटे, सोनपापड़ी पांच दिन

आगरा, एजेंसी। आगरा में हलवाई की दुकानों पर मिठाइयों की मियाद तय कर दी गई है। काजू कतली आठ दिन तक खाई जा सकती है। जबकि रसमलाई 12 घंटे में खराब हो जाएगी। मावा की बर्फी तीन दिन चलेगी। बेसन के लड्डू, सोनपापड़ी व अन्य मैदा मिश्रित मिठाइयां अधिकतम पांच दिन तक खाने के लिए सुरक्षित हैं।

खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की नई व्यवस्था बृहस्पतिवार से लागू हो गई। प्रमुख दुकानों पर खुली मिठाइयों की ट्रे पर निर्माण तिथि और उपयोग की अंतिम समय सीमा (बेस्ट बिफोर डेट) के टैग लग गए हैं। मावा व दूध से बनी रसमलाई जैसी मिठाइयों का उपभोग

12 घंटे के भीतर जरूरी है, जबकि काजू कतली 8 दिन तक सुरक्षित मानी गई है।

हालांकि, इस व्यवस्था का लाभ फिलहाल सीमित है। शहर के 2500 से अधिक मिष्ठान्न भंडारों में से महज 200 बड़े और संगठित आउटलेट्स ही इस नियम का पालन कर रहे हैं। टेढ़ी बगिया, रामबाग, सिकंदरा, मधु नगर और लोहामंडी, शाहगंज, बेलनगंज, कमला नगर जैसे बाजारों में करीब 2000 हलवाइयों ने दुकानों पर रखीं मिठाइयों पर बेस्ट बिफोर डेट के टैग नहीं लगाए हैं।

गिने चुने लोगों तक सीमित है खाद्य सुरक्षा- उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के जिलाध्यक्ष अनिल शर्मा ने आरोप लगाए कि खाद्य सुरक्षा विभाग सैंपलिंग और सर्वे के नाम पर चुनिंदा दुकानों पर ही कार्रवाई करता है। शहर में 2000 से अधिक दुकानों की कभी जांच और सैंपलिंग नहीं होती। जब तक विभाग पूरे शहर में एक समान निगरानी और छोटे विक्रेताओं को जागरूक नहीं करेगा, तब तक उपभोक्ताओं की सेहत से खिलवाड़ होता रहेगा।

मिलावटी मिठाइयों से मिलेगा छुटकारा

आगरा स्वीट्स एंड नमकीन मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकुमार भगत ने कहा कि इस टैग से उपभोक्ताओं को बासी, खराब या मिलावटी मिठाइयों से सुरक्षा मिलेगी। दुकानदारों में गुणवत्ता बनाए रखने की जवाबदेही तय होती है। फेडरेशन ऑफ उद्योग व्यापार एसोसिएशन के अध्यक्ष हरेश अग्रवाल ने कहा कि छोटे व असंगठित दुकानदारों के पास खाद्य विशेषज्ञों या तापमान नियंत्रण (कोल्ड चेन) की व्यवस्था नहीं होती। सख्त नियमों के कारण असंगठित क्षेत्र में नियमों की अनदेखी या चोरी-छिपे पुराना स्टॉक खपाने की आशंका रहती है।

थानाभवन में गंदगी और प्रतिबंधित पॉलीथिन पर शिकंजा, उल्लंघन करने वालों पर 4,200 रुपये का जुमार्ना

थानाभवन/शामली (शिखर समाचार)। नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाने तथा प्रतिबंधित पॉलीथिन के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए नगर पंचायत थानाभवन ने मुख्य बाजार में विशेष जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान दुकानदारों और रेहड़ी-ठेली संचालकों के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। गंदगी फैलाने और प्रतिबंधित पॉलीथिन व प्लास्टिक का उपयोग करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए कुल 4,200 रुपये का जुमार्ना लगाया गया। अधिशासी अधिकारी जितेंद्र राणा और नगर पंचायत अध्यक्ष मुशायदा के निर्देश पर चलाए गए संयुक्त अभियान में दुकानों के बाहर कचरा फैलाने वालों पर 1,200 रुपये तथा प्रतिबंधित पॉलीथिन और प्लास्टिक का इस्तेमाल करने वालों पर 3,000 रुपये का जुमार्ना लगाया गया। नगर पंचायत की टीम ने संबंधित लोगों को चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया कि दोबारा नियमों का उल्लंघन करने पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान दुकानदारों और रेहड़ी-ठेली संचालकों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के बारे में जानकारी देकर स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। उन्हें प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कचरे को निर्धारित कूड़ेदान में डालने, सड़कों और नालियों में कचरा नहीं फेंकने तथा सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने से बचने के निर्देश दिए गए। नगर पंचायत प्रशासन ने कहा कि नगर की सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने और प्रतिबंधित पॉलीथिन के उपयोग पर अंकुश लगाने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा। कार्रवाई के दौरान नगर पंचायत कर्मचारी वसीक अहमद, मनीष कुमार, फैजान उमर पाशा, श्रीकांत और शुभम सहित सूचना, शिक्षा एवं संचार दल के राजीव, शुक्ला रमन और आदेश समेत अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

लंका दहन की लीला का मनोहारी मंचन, गूंजे जय श्रीराम के जयकारे

मुरादनगर (शिखर समाचार) श्री आदर्श रामलीला कमेटी के तत्वावधान में टंकी रोड पर आयोजित रामलीला महोत्सव में कलाकारों ने माता सीता की खोज, अशोक वाटिका प्रसंग और लंका दहन की जीवंत व मनोहारी प्रस्तुति दी। इस दौरान पूरा पंडाल ह्यजय श्रीरामह्न और ह्यजय हनुमानह्न के जयकारों से गूंज उठा। मंचन के दौरान बाली वध के उपरांत सुग्रीव का राज्याभिषेक और अंगद को युवराज बनाए जाने का प्रसंग दिखाया गया। इसके बाद भगवान श्रीराम की आज्ञा से वानर सेना सीता की खोज में निकली। जामवंत द्वारा हनुमान जी को उनकी शक्तियों का स्मरण कराने के बाद, वे समुद्र लांघकर लंका पहुंचे। अशोक वाटिका में माता सीता को श्रीराम की अंगूठी भेंट कर उन्होंने प्रभु का संदेश दिया। इसके पश्चात हनुमान जी ने अशोक वाटिका को उजाड़ दिया और रावण के पुत्र अक्षय कुमार सहित कई राक्षसों का संहार किया। मेघनाद द्वारा ब्रह्मपाश में बांधे जाने के बाद उन्हें रावण के दरबार में प्रस्तुत किया गया। रावण के आदेश पर उनकी पूंछ में आग लगाई गई, जिसके बाद हनुमान जी ने अपनी जलती पूंछ से पूरी स्वर्ण नगरी लंका को जलाकर भस्म कर दिया। इस सजीव दृश्यांचल ने दर्शकों में भारी उत्साह भर दिया। इस धार्मिक आयोजन में संचालक अरविंद भारतीय, बुधप्रकाश गोयल, सुशील गोयल, अध्यक्ष विनोद धनगर, महामंत्री महेश चंद गोयल, कोषाध्यक्ष सुभाष चंद्र गर्ग, अमरीश गोयल, लखमीचंद सिंघल, भाजपा मंडल अध्यक्ष राहुल गोयल, महंत संदीप शर्मा, अनिल गोयल और वासु गुप्ता सहित सैकड़ों गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हरिद्वार में प्रतिबंधित गुटखे की बिक्री पर पुलिस का शिकंजा, दुकानदारों के चालान

हरिद्वार (शिखर समाचार)। गुटखा और प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए हरिद्वार पुलिस ने अभियान तेज कर दिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश पर कोतवाली नगर पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के अंतर्गत खड़खड़ी, भूपतवाला, भीमगोड़ा और आसपास के क्षेत्रों में छापेमारी की। इस दौरान प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों की बिक्री के मामलों में संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम के तहत चालान की कार्रवाई की गई। पुलिस ने अभियान के दौरान दुकानदारों को स्पष्ट हिदायत दी कि वे प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों की बिक्री न करें। साथ ही चेतावनी दी गई कि भविष्य में नियमों का उल्लंघन करते हुए पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस के अनुसार, जनपद में गुटखा और प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रभावी रोकथाम के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। अभियान का उद्देश्य प्रतिबंधित उत्पादों की बिक्री पर अंकुश लगाना और नियमों का पालन सुनिश्चित करना है। पुलिस ने दुकानदारों से निर्धारित नियमों का पालन करने तथा प्रतिबंधित उत्पादों की बिक्री से दूर रहने की अपील की है। हरिद्वार पुलिस ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। पुलिस की ओर से बाजारों और संबंधित क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाकर नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

शारदा स्कूल ऑफ डेंटल साइंसेज में विश्व एंडोडॉन्टिक दिवस पर आयोजित हुआ 'एंडो कर्व' अकादमिक कार्यक्रम

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। शारदा यूनिवर्सिटी के शारदा स्कूल ऑफ डेंटल साइंसेज में विश्व एंडोडॉन्टिक दिवस के अवसर पर ह्यएंडो कर्व: मास्टरिंग द आर्ट एंड साइंस ऑफ कर्ड्ड कैनाल मैनेजमेंट विषय पर एक विशेष अकादमिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। डिपार्टमेंट ऑफ कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एंड एंडोडॉन्टिक्स की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य दांतों की जड़ों में मौजूद घुमावदार रूट कैनाल के इलाज से जुड़ी आधुनिक तकनीकों, क्लिनिकल स्किल्स और उपचार की सटीकता को बेहतर बनाना था।कार्यक्रम में डीजे स्कूल ऑफ डेंटल साइंसेज एंड रिसर्च के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल धींगरा मुख्य अतिथि और विशेषज्ञ वक्ता के रूप में शामिल हुए।मुख्य अतिथि डॉ. अनिल धींगरा ने कहा:* ह्लघुमावदार रूट कैनाल का उपचार एंडोडॉन्टिक्स के उन महत्वपूर्ण पहलुओं में से है, जिनमें अनुभव, धैर्य और तकनीकी सटीकता की विशेष भूमिका होती है। ऐसे मामलों में कैनाल की प्राकृतिक बनावट को सुरक्षित रखते हुए सही तरीके से उसकी सफाई और शेपिंग करना जरूरी है। आधुनिक तकनीकों और वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित उपचार पद्धतियों की जानकारी डेंटल प्रोफेशनल्स को बेहतर क्लिनिकल निर्णय लेने में मदद करती है। इस तरह के अकादमिक आयोजन ज्ञान साझा करने और उपचार की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण मंच प्रदान करते हैं।ह्वइस अवसर पर शारदा स्कूल ऑफ डेंटल साइंसेज के डीन डॉ. हेमंत सहानी ने कहा:* ह्लडेंटल एजुकेशन में किताबी ज्ञान के साथ-साथ आधुनिक क्लिनिकल तकनीकों की समझ और उनका सही इस्तेमाल भी बेहद जरूरी है। ऐसे अकादमिक कार्यक्रम विद्यार्थियों और फैकल्टी को नई तकनीकों से जुड़ने तथा अपने उपचार कौशल को बेहतर बनाने का अवसर देते हैं। हमारा प्रयास है कि विद्यार्थियों को ऐसा व्यावहारिक और वैज्ञानिक ज्ञान मिले, जिसका लाभ वे अपने मरीजों के इलाज में उठा सकें। इस तरह की पहल बेहतर डेंटल एजुकेशन और मरीजों की देखभाल के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करती हैं।ह्वकार्यक्रम के दौरान घुमावदार रूट कैनाल की पहचान, उन्हें सही तरीके से नेगोशिएट करने, उनकी शेपिंग के दौरान प्राकृतिक संरचना को सुरक्षित रखने और जटिल मामलों में उचित तकनीक चुनने जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विशेष चर्चा की गई। इस आयोजन ने विद्यार्थियों और फैकल्टी सदस्यों को अपने ज्ञान को अपडेट करने, क्लिनिकल अनुभव साझा करने और एंडोडॉन्टिक्स में अपनाई जा रही आधुनिक प्रक्रियाओं को समझने का अवसर प्रदान किया।

योगी ने गिनाई सरकार की उपलब्धियां, सपा-कांग्रेस पर साधा निशाना

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को डासना स्थित एक कॉलेज में आयोजित शिक्षक एवं स्नातक मतदाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आगामी विधान परिषद चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों के समर्थन की अपील की। कार्यक्रम स्थल पर उनके पहुंचने पर जय श्रीराम और भारत माता की जय के उद्घोष गूंज उठे। मुख्यमंत्री ने प्रदेश सरकार की विकास योजनाओं, युवाओं के लिए रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर निशाना साधा।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विकास परियोजनाओं के साथ सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को भी आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने अयोध्या में श्रीराम मंदिर, सहारनपुर में शाकंभरी देवी मंदिर के निकट गलियारा निर्माण, नमो भारत रेल सेवा, नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और गंगा एक्सप्रेसवे जैसी परियोजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने प्रदेश में 24 हजार से अधिक नए उद्यम शुरू होने की बात भी कही।

युवाओं का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विद्यार्थियों को टैबलेट और स्मार्टफोन उपलब्ध करा रही है। उन्होंने दावा किया कि पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से युवाओं को योग्यता के आधार पर रोजगार के अवसर दिए जा रहे हैं।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी के पीडीए नारे की आलोचना की और उसे परिवार-केंद्रित राजनीति से जोड़कर टिप्पणी की। उन्होंने पिछली सरकारों के कार्यकाल में कानून-व्यवस्था और धार्मिक आयोजनों की स्थिति पर भी सवाल उठाए।

मेरठ-सहारनपुर खंड की शिक्षक और स्नातक विधान परिषद सीटों के लिए 23 अक्टूबर को मतदान होना है। मुख्यमंत्री ने मतदाताओं से चुनाव में सक्रिय भागीदारी करने और भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में मतदान करने का आह्वान किया।

आईएमएस गाजियाबाद में मॉडल यूनाइटेड नेशंस-2026 का भव्य समापन

गाजियाबाद (शिखर समाचार) आईएमएस गाजियाबाद में आयोजित दो दिवसीय मॉडल यूनाइटेड नेशंस (एमयूएन) कॉन्फ्रेंसझ2026 का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के 350 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं में कूटनीतिक समझ, नेतृत्व क्षमता, तार्किक चिंतन और संवाद कौशल को बढ़ावा देना था।

दो दिवसीय आयोजन को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), ऑल इंडिया पॉलिटिकल पार्टीज मीट (एआईपीपीएम), संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी), संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए), हाउस ऑफ इन्फ्लुएंसर्स, हाउस ऑफ ब्रांड्स एंड एजेंसीज तथा इंटरनेशनल प्रेस जैसे सात प्रमुख सत्रों में विभाजित किया गया था। प्रतिभागी छात्रों ने दुनिया के विभिन्न देशों के प्रतिनिधि के रूप में वैश्विक स्वास्थ्य, सुरक्षा, कूटनीति, जनसंचार और अंतरराष्ट्रीय राजनीति से जुड़े ज्वलंत मुद्दों पर अपना पक्ष रखा और समाधान पेश किए।

समापन समारोह में पूर्व भारतीय राजदूत जितेंद्र कुमार त्रिपाठी तथा एविएशन एंड डिफेंस यूनिवर्स की संपादक संगीता सक्सेना बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। अतिथियों, आईएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के जनरल सेक्रेटरी सीए (डॉ.) राकेश छारिया और संस्थान की निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) जसकिरण कौर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को नकद पुरस्कार एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय के सिद्धांत जैन (यूएनजीए), डी.एम.ई. के भाव्या जोशी (एआईपीपीएम), एमआईईटी के सार्थक त्यागी (हाउस ऑफ इन्फ्लुएंसर्स), आईएमएस गाजियाबाद के महक यादव (यूएनएससी), डीपीएस के ऋषि सहानो (हाउस ऑफ ब्रांड्स) और वैशांत कपूर (डब्ल्यूएचओ) को अपने-अपने सत्रों में सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि (बेस्ट डेलिगेट) के पुरस्कार से नवाजा गया।

त्योहारों से पहले सड़कों पर उतरे डीआईजी कलानिधि नैथानी, बोले—गश्त में भीड़ नहीं, जनता से संवाद जरूरी

मेरठ (शिखर समाचार)। आगामी त्योहारों के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और आमजन की समस्याओं को समझने के लिए पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने शुक्रवार को ईब्ज चौराहे से आसपास के व्यस्त बाजारों में पैदल गश्त की। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों, रिक्शा चालकों और छात्रों से बातचीत कर क्षेत्र की समस्याओं तथा यातायात व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को लोगों से मिले सुझावों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

शुक्रवार की नमाज, नवरात्र और आगामी दशहरा, धनतेरस तथा दीपावली के दृष्टिगत की गई इस गश्त के दौरान डीआईजी ने बाजारों और व्यस्त मार्गों का निरीक्षण किया। उन्होंने आमजन से सीधे संवाद कर क्षेत्र में आवागमन, यातायात संबंधी परेशानियों और अन्य स्थानीय समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। मौके पर सामने आए सुझावों से स्थानीय यातायात उपनिरीक्षकों को अवगत कराते हुए आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए।

डीआईजी कलानिधि नैथानी ने पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि पैदल गश्त को अपनी नियमित कार्यशैली का हिस्सा बनाएं। विशेष रूप से बीट आरक्षी और हल्का चौकी प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित गश्त करें तथा आमजन से बातचीत कर उनकी समस्याओं को समझें। उन्होंने कहा कि गश्त की सार्थकता केवल पुलिसकर्मियों की संख्या से नहीं, बल्कि जनता के साथ प्रभावी संवाद और अपराध नियंत्रण के प्रयासों से तय होती है।

उन्होंने पुलिसकर्मियों को स्थानीय लोगों के सुझावों पर ध्यान देने, यातायात संबंधी समस्याओं का समाधान कराने और क्षेत्र में सुरक्षा का भरोसा मजबूत करने पर जोर दिया। त्योहारों के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की सक्रियता और जनसहभागिता को महत्वपूर्ण बताया गया।

गौतमबुद्धनगर: विशेष पुनरीक्षण और मतदाता पंजीकरण अभियान को लेकर बैठक आयोजित

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण को लेकर एनआईसी सभागार में जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा और मतदाता पंजीकरण अभियानों पर विस्तार से चर्चा की गई।

विशेष अभियान और तिथियां

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदाता पंजीकरण से छूटे पात्र नागरिकों और प्रथम बार मतदाता बनने वाले युवाओं के लिए 17 अक्टूबर तथा 24 अक्टूबर 2026 को विशेष कैंप आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान जनपद के समस्त मतदेय स्थलों पर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 04:00 बजे तक उपस्थित रहेंगे। प्रत्येक मतदान केंद्र पर हेल्प डेस्क बनाई जाएगी, जहां फॉर्म-6 और अन्य आवश्यक प्रपत्रों के साथ मतदाताओं को पंजीकरण प्रक्रिया में सहायता मिलेगी।

निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार, एकीकृत प्रारूप निर्वाचक नामावलियों का प्रकाशन 12 नवंबर 2026 को किया जाएगा। इसके बाद 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक दावे एवं आपत्तियां ली जाएंगी, जिनका निस्तारण 28 दिसंबर तक होगा। नामावलियों का अंतिम प्रकाशन 04 जनवरी 2027 को किया जाएगा।

प्रशासन और राजनीतिक दलों से समन्वय की अपील

जिला प्रशासन ने निर्देश दिए हैं कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता सूची में नाम जुड़वाने से वंचित न रहे। इसके लिए आरडब्ल्यूए और एओए सोसाइटियों के अध्यक्षों का सहयोग लेकर व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए हैं।

बैठक में डिप्टी कलेक्टर अरुण कुमार, उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, उप जिलाधिकारी जेवर दुर्गेश सिंह सहित भाजपा, सपा, बसपा, कांग्रेस और सीपीआई (एम) के प्रमुख प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले तनुज सैंगर, मोदीनगर मार्ग चौड़ीकरण की रखी मांग

मोदीनगर (शिखर समाचार) डॉ. के.एन. मोदी विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी तनुज सैंगर ने लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों पर चर्चा करने के साथ ही मोदीनगर क्षेत्र की एक गंभीर जनसमस्या को मुख्यमंत्री के समक्ष प्रमुखता से उठाया। तनुज सैंगर ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर मोदीनगर के हापुड़ रोड रेलवे क्रॉसिंग से हनुमानपुरी तक जाने वाले मुख्य मार्ग की जर्जर हालत, उसके चौड़ीकरण और सड़क किनारे बने खुले नालों को ढकने की पुरजोर मांग की। उन्होंने बताया कि इस मार्ग पर भारी आवागमन के कारण विद्यार्थियों और आम नागरिकों की सुरक्षा को हमेशा खतरा बना रहता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मामले को बेहद गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन के माध्यम से इसकी जांच कराकर शीघ्र उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इसके साथ ही बैठक में विश्वविद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया और उच्च शिक्षा के विकास को लेकर भी सार्थक चर्चा हुई।

आईटीएस गाजियाबाद में एमबीए छात्रों के लिए फ्रेशर पार्टी 'इनसेप्शन-2026' का आयोजन

गाजियाबाद (शिखर समाचार) मोहननगर स्थित आईटीएस गाजियाबाद के चाणक्य ऑडिटोरियम में एमबीए (सत्र 2026-2028) के नवप्रवेशी छात्रों के लिए फ्रेशर पार्टी 'इनसेप्शन-2026' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक डॉ. सुनील कुमार पाण्डे, एमबीए चेयरपर्सन डॉ. संजीव टंडन व समन्वयकों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। संस्थान के निदेशक डॉ. सुनील कुमार पाण्डे ने सभी नए छात्रों का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और पढ़ाई के साथ-साथ टीम वर्क व सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों को संस्थान की ओर से हर संभव सहायता और सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा और वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने भी छात्रों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। गणेश वंदना के साथ शुरू हुए इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में वरिष्ठ छात्रों ने नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत में रंगारंग प्रस्तुतियां और फैशन शो का आयोजन किया। विभिन्न चरणों के मूल्यांकन के बाद विवेक चौधरी को मिस्टर फ्रेशर और आकृति श्रीवास्तव को मिस फ्रेशर चुना गया। इसके अलावा, लक्की सपरा को 'मिस स्टाइल आइकन', मोहक सिंघल को 'मिस्टर स्टाइल आइकन' तथा शाम्भवी सिंह को 'टैलेंट ऑफ द डे' के खिताब से नवाजा गया। अंत में हाई-टी (हाई टी) के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

गन्ने का भाव 500 रुपये क्विंटल करने की मांग, किसानों ने कलक्ट्रेट पर भरी हुंकार

शामली (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर कलक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। गठवाला खाप के चौधरी एवं संगठन के अध्यक्ष बाबा राजेंद्र सिंह मलिक तथा जिलाध्यक्ष ठाकुर रविंद्र राणा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन जिलाधिकारी कार्यालय में सौंपा गया। किसानों ने आगामी पेराई सत्र के लिए गन्ने का मूल्य 500 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित करने, बारिश से प्रभावित फसलों का मुआवजा देने और आलू का बीज सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने सहित कई मांगें उठाईं। ज्ञापन में कहा गया कि डीजल, खाद, कीटनाशक, सिंचाई और मजदूरी की लागत लगातार बढ़ रही है। ऐसे में किसानों को राहत देने के लिए गन्ने का राज्य परामर्शी मूल्य बढ़ाकर 500 रुपये प्रति क्विंटल किया जाए। साथ ही, चीनी मिलों से गन्ने का भुगतान समय पर सुनिश्चित कराया जाए। किसान नेताओं ने असमय बारिश और तेज हवाओं से धान, उड़द, मूंग सहित अन्य फसलों को हुए नुकसान का गांववार सर्वे कराने तथा प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा और फसल बीमा का लाभ देने की मांग की। खेतों और खलिहानों में रखी उपज के नुकसान की भरपाई करने पर भी जोर दिया गया। ज्ञापन में आलू किसानों को शीतगृह के किराये में सहायता देने की व्यवस्था में उन किसानों को भी शामिल करने की मांग की गई, जिन्होंने शासनादेश जारी होने से पहले ही आलू निकाल लिया था। इसके अलावा आलू का बीज अधिकतम 1,500 रुपये प्रति क्विंटल की दर से उपलब्ध कराने की मांग रखी गई। संगठन ने ठेके और बटाई पर खेती करने वाले किसानों को मुआवजा देने, ग्राम पंचायत, लेखपाल और कृषि विभाग के संयुक्त सत्यापन तथा यूरिया और डीएपी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की। खाद की कालाबाजारी और निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली करने वालों पर कार्रवाई की मांग भी उठाई गई। प्रदर्शन के दौरान अजय पिंडौरा, मनोज राणा, धर्मेंद्र मलिक, कुलदीप कुमार, राहुल चौधरी और हरबीर रेलपार सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

संपादकीय

लोकतंत्र में असहमति की आवाज को हिरासत में लेना कितना उचित?

लोकतंत्र की असली ताकत केवल चुनाव कराने, सरकार बनाने और कानून लागू करने में नहीं, बल्कि असहमति को सम्मान देने में भी निहित होती है। किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था की परिपक्वता का आकलन इस बात से किया जा सकता है कि वह अपने आलोचकों, प्रदर्शनकारियों और सत्ता से सवाल पूछने वालों के साथ कैसा व्यवहार करती है। 16 अक्टूबर 2026 को दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) की अध्यक्ष नेहा बोरा को हिरासत में लिए जाने की घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों के विरोध के अधिकार की रक्षा करने के बीच संतुलन कैसे स्थापित किया जाए।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कॉकरोच जनता पार्टी के सदस्यों सौरव दास और आशुतोष रांका की गिरफ्तारी के बाद अभिजीत दिपके ने दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क में प्रदर्शन करने की घोषणा की थी। शुक्रवार को प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले दिल्ली पुलिस ने उन्हें सेंट्रल पार्क जाते समय एहतियातन हिरासत में ले लिया। वहीं, आइसा की अध्यक्ष नेहा बोरा को मंडी हाउस से हिरासत में लिए जाने की जानकारी सामने आई। इस घटनाक्रम ने राजनीतिक और छात्र संगठनों की गतिविधियों, पुलिस की कार्यप्रणाली तथा शांतिपूर्ण विरोध के संवैधानिक अधिकार पर बहस को तेज कर दिया है। हालांकि, हिरासत के विस्तृत कानूनी आधार और पुलिस के पूरे आधिकारिक पक्ष की पुष्टि के बिना किसी अंतिम निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। भारत का संविधान नागरिकों को विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान करता है। अनुच्छेद 19 के तहत शांतिपूर्ण ढंग से एकत्र होने और अपनी बात रखने का अधिकार लोकतांत्रिक जीवन का महत्वपूर्ण आधार है। इन अधिकारों का अर्थ यह नहीं कि कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर है या सार्वजनिक व्यवस्था की अनदेखी कर सकता है। प्रशासन को हिंसा रोकने, यातायात सुचारु रखने और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का अधिकार है। लेकिन इस अधिकार का इस्तेमाल स्पष्ट कारणों, वास्तविक परिस्थितियों और कानून के अनुरूप होना चाहिए। सुरक्षा के नाम पर किसी प्रदर्शन को रोकना और संभावित अव्यवस्था के ठोस आधार पर कार्रवाई करना दो अलग-अलग परिस्थितियां हैं। इनके बीच अंतर समझना लोकतांत्रिक जवाबदेही की पहली शर्त है। एहतियातन हिरासत का उद्देश्य संभावित अप्रिय घटना को रोकना हो सकता है। कई बार प्रशासन को संवेदनशील परिस्थितियों में तत्काल निर्णय लेने पड़ते हैं। भीड़ नियंत्रण, सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा और हिंसक टकराव की आशंका पुलिस के सामने चुनौती खड़ी कर सकती है। फिर भी सवाल यह है कि क्या केवल प्रदर्शन की घोषणा करने के कारण किसी व्यक्ति को हिरासत में लेना उचित है? क्या शांतिपूर्ण सभा की संभावना को बिना पर्याप्त आधार के कानून-व्यवस्था के लिए खतरा माना जाना चाहिए? इन प्रश्नों का उत्तर किसी संगठन की विचारधारा या उसके नाम से नहीं, बल्कि तथ्यों, कानून और कार्रवाई की आवश्यकता से तय होना चाहिए। लोकतंत्र में विरोध का अर्थ अराजकता नहीं है। प्रदर्शनकारी संगठनों की भी जिम्मेदारी है कि वे कानून का पालन करें, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान न पहुंचाएं और आम लोगों के आवागमन में अनावश्यक बाधा न डालें। किसी मांग या विचार से असहमति रखने वाले नागरिकों के अधिकारों का सम्मान करना भी आवश्यक है। दूसरी ओर, प्रशासन का दायित्व है कि वह प्रदर्शन की अनुमति, स्थान, समय और सुरक्षा से जुड़े प्रश्नों पर पारदर्शी नीति अपनाए। यदि किसी आयोजन पर प्रतिबंध आवश्यक हो, तो उसके कारण स्पष्ट किए जाने चाहिए और जहां संभव हो, शांतिपूर्ण विरोध के लिए वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

~ मौलिक चिंतन ~

सच्चा हमदर्द वही है जो सम्बन्ध निभाए, वक़्त जरूरत काम भी आए और अहसान न जताए।

©
विनय संकोची

आस्था पर प्रतिबंध नहीं समाधान जरूरी पटाखों और पराली दोनों के प्रदूषण पर हो समान दृष्टि

मनोज कुमार अग्रवाल

त्योहार भारतीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक जीवन की आत्मा हैं। दीपावली होली जैसे पर्व केवल उत्सव मनाने के अवसर नहीं हैं बल्कि वे समाज में आपसी सद्भाव, उल्लास और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखने का माध्यम भी हैं। ऐसे में जब हर वर्ष त्योहारों के आसपास प्रदूषण का मुद्दा उठता है और पटाखों पर प्रतिबंध लगाने की मांग जोर पकड़ती है तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या प्रदूषण रोकने की जिम्मेदारी केवल त्योहार मनाने वाले लोगों की है। पर्यावरण संरक्षण निस्संदेह जरूरी है लेकिन इसके नाम पर किसी समुदाय की धार्मिक भावनाओं और परंपराओं को लगातार कठघरे में खड़ा करना भी उचित नहीं है। जरूरत ऐसी नीति की है जो पर्यावरण की रक्षा करे और लोगों की धार्मिक स्वतंत्रता तथा उत्सव मनाने की भावना का भी सम्मान करे।

दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर सोमवार को उच्चतम न्यायालय में हुई सुनवाई ने इस बहस को फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने लोगों के स्वास्थ्य और धार्मिक भावनाओं के बीच संतुलन बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने कम प्रदूषण वाले विकल्प अपनाने और लोगों को जागरूक करने की जरूरत बताई। न्याय मित्र और वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने भी पटाखों से बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव का उल्लेख किया। मामले में अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को निर्धारित की गई है।

भारत में दीपावली पर दीप जलाने, परिवार के साथ खुशियां बांटने और परंपरागत रूप से आतिशबाजी करने की प्रथा लंबे समय से चली आ रही है। समय के साथ उत्सव मनाने के तरीके बदले हैं, लेकिन त्योहारों का मूल भाव प्रकाश, आनंद और सामाजिक एकता ही रहा है। आज आवश्यकता इस बात की है कि परंपराओं को पर्यावरण के अनुकूल बनाया जाए। कम धुआं पैदा करने वाले प्रमाणित पटाखों, निर्धारित समयसीमा और नियंत्रित आतिशबाजी जैसे विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। लोगों को जागरूक करके भी प्रदूषण कम किया जा सकता है। केवल प्रतिबंध लगा देने से समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है। प्रतिबंध के साथ निगरानी, जनसहभागिता और प्रभावी क्रियान्वयन भी जरूरी है।

यह सवाल भी उठता है कि यदि पटाखों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सख्त कदम उठाए जा सकते हैं तो पराली जलाने पर प्रभावी रोक लगाने के लिए वैसी ही गंभीरता क्यों नहीं दिखाई देती। किसानों की अपनी व्यावहारिक कठिनाइयां हैं। फसल कटाई के बाद खेतों को समय पर तैयार करना, मशीनों की उपलब्धता और अवशेषों के निस्तारण की लागत उनके सामने वास्तविक चुनौतियां हैं। इसलिए किसानों को केवल दंडित करना पर्याप्त नहीं होगा। उन्हें वैकल्पिक मशीनें, आर्थिक सहायता और पराली के उपयोग की बेहतर व्यवस्था उपलब्ध करानी चाहिए। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई भी होनी चाहिए। किसान, उद्योग, वाहन चालक और आम नागरिक सभी पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी साझा करें, तभी सार्थक परिणाम मिलेंगे।

होली के अवसर पर भी पानी की कमी का मुद्दा उठता है। जल संरक्षण की चिंता बिल्कुल उचित है, लेकिन उसका समाधान भी संतुलित होना चाहिए। लोगों को पानी बचाने, सूखे रंगों का इस्तेमाल करने और अनावश्यक जल व्यय से बचने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। इसी प्रकार दीपावली पर पर्यावरण के अनुकूल उत्सव मनाने के लिए जनजागरण अभियान चलाए जा सकते हैं। समाज को साथ लेकर चलने वाली व्यवस्था अधिक प्रभावी होती है। त्योहारों को लेकर हर वर्ष विवाद खड़ा करने के बजाय सरकार, प्रशासन, पर्यावरण विशेषज्ञों और धार्मिक संगठनों को मिलकर ऐसे उपाय विकसित करने चाहिए जो परंपराओं और प्रकृति दोनों की रक्षा करें।

उच्चतम न्यायालय ने भी सुनवाई के दौरान इस बात पर ध्यान दिया कि किसी आदेश को लागू करने से पहले उसकी व्यावहारिकता देखना जरूरी है। यह दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है। किसी भी प्रतिबंध का उद्देश्य तभी पूरा होता है जब उसका पालन संभव हो, निगरानी की व्यवस्था स्पष्ट हो और जनता उसमें सहयोग करे। लोगों को यह समझाना जरूरी है कि कौन से पटाखे अधिक हानिकारक हैं और किन विकल्पों से नुकसान कम किया जा सकता है। जागरूकता, जिम्मेदारी और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से व्यवहार में परिवर्तन लाया जा सकता है।

अंततः पर्यावरण संरक्षण और धार्मिक आस्था को आमने-सामने खड़ा करना उचित नहीं है। स्वच्छ वातावरण भी जरूरी है और सांस्कृतिक परंपराओं का सम्मान भी। किसी की खुशियों पर अनावश्यक रोक लगाने के बजाय प्रदूषण के सभी स्रोतों पर समान गंभीरता से कार्रवाई होनी चाहिए। उच्चतम न्यायालय की आगामी सुनवाई से यह उम्मीद की जा सकती है कि ऐसा रास्ता निकलेगा जिसमें नागरिकों के स्वास्थ्य, धार्मिक स्वतंत्रता और पर्यावरण संरक्षण के बीच उचित संतुलन कायम हो। प्रदूषण के नाम पर ज्यादती नहीं होनी चाहिए, लेकिन पर्यावरण के प्रति लापरवाही को भी स्वीकार नहीं किया जा सकता। समाधान प्रतिबंधों की प्रतिस्पर्धा में नहीं, बल्कि निष्पक्ष नियमों, प्रभावी व्यवस्था और सामूहिक जिम्मेदारी में छिपा है।

मुस्कान और साहिल को फांसी की सजा समाज को संदेश

मनोज कुमार अग्रवाल

मेरठ के बहुचर्चित नीला ड्रम कांड में सौरभ राजपूत की कातिल उसकी पत्नी मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल शुक्ला को फांसी की सजा सुनाई गई है। पतिहंता महिला को पहली बार देश में फांसी की सजा सुनाई गई है। मुस्कान और साहिल ने सौरभ के पांच टुकड़े करके नीले ड्रम में सीमेंट डाल कर जमा दिए थे। यह समूचे समाज को भीतर तक झकझोरने वाला हत्याकांड रहा, जिसने भारतीय परिवारिक सामाजिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। क्या कोई विवाहित महिला ऐसा भी कर सकती है? जिस दंपति के एक छोटी बच्ची हो, जिसका पति उसको बेपनाह प्यार करता हो, लेकिन विवाहित युवती ने न अपना भविष्य देखा और न बच्ची का... वह वासना भरे कथित प्यार में ऐसी अंधी हुई कि अपने प्रेमी के साथ मिल कर पति के ही पांच टुकड़े कर दिए। बुधवार को जब कोर्ट ने मुस्कान से पूछा कि तुमको क्या सजा दी जाए ? तो उसने सिर्फ इतना कहा, मेरी बच्ची छोटी है। जाहिर है, उसका अपराध दया माफी के काबिल बिल्कुल नहीं था।

यहां अदालत में न्याय के तख्त पर आसीन न्यायाधीश ने महाभारत के जिस श्लोक का अपने निर्णय में उल्लेख किया है वह गौरतलब है - निर्वनो वध्यते व्याघ्रो निर्व्याघ्रं छिद्यते वनम्।तस्माद्व्याघ्रो वनं रक्षेद् वनं व्याघ्रं च पालयेत्॥ इसका अर्थ है कि बिना वन (जंगल) के बाघ मारा जाता है और बिना बाघ के जंगल काट दिया जाता है। इसलिए बाघ को वन की रक्षा करनी चाहिए और वन को बाघ का पालन-पोषण करना चाहिए।

इस श्लोक के माध्यम से अदालत ने समाज और कानून या दंड के बीच के परस्पर संबंधों को समझाया। जज ने स्पष्ट किया कि दंड भी धर्म है, यानी समाज की रक्षा के लिए अपराधी को उसके अपराध की गंभीरता के अनुसार दंड देना बेहद जरूरी है, ताकि समाज में संतुलन बना रहे।उन्होंने फैसला पढ़ना शुरू किया इससे पहले उन्होंने अहम टिप्पणी में कहा कि दंड भी धर्म है. उन्होंने महाभारत का जिक्र करते हुए कहा कि दंड को भी धर्म ही बताया गया है, यानी अपराधी को दंड देना धर्म है.

आपको क्रमवार याद दिला दें कि 24 फरवरी 2025 को मर्चेंट नेवी अफसर सौरभ राजपूत लंदन से वापस मेरठ लौटे और इंदिरा नगर स्थित अपने घर पहुंचे.25 फरवरी 2025 को सौरभ के घर में उनकी पत्नी मुस्कान रस्तोगी का जन्मदिन मनाया गया.28 फरवरी 2025 को उनकी बेटी पीहू का जन्मदिन मनाया गया.3 मार्च 2025: अभियोजन पक्ष के अनुसार, साजिश के तहत सौरभ को नींद की दवा दी गई और उसके बाद उसके प्रेमी साहिल शुक्ला को घर बुलाया गया, जहां सौरभ की बेरहमी से हत्या कर दी गई. इसके बाद शव के टुकड़े कर उसे सीमेंट भरकर एक नीले ड्रम में सील कर दिया गया.4 मार्च 2025: इस दिन मुस्कान अपनी बेटी को मायके छोड़कर साहिल के साथ शिमला घूमने निकल गई और सौरभ के फोन से मैसेज भेजकर परिवार को धोखे में रखा.17 मार्च 2025: शिमला से लौटने के बाद जब मामले का खुलासा हुआ और पुलिस ने जांच शुरू की, तो घर के अंदर रखे नीले ड्रम से सौरभ राजपूत के शव के टुकड़े बरामद किए गए. पुलिस ने आरोपी मुस्कान और साहिल को गिरफ्तार किया.

आपको बता दें कि 14 अक्टूबर को मुस्कान और साहिल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया था. इससे पहले अदालत ने 30 सितंबर को मुस्कान और साहिल को सौरभ राजपूत की हत्या करने और उनके शव को छिपाने की कोशिश के मामले में दोषी करार दिया था. करीब 13 महीने तक चले मुकदमे में कुल 126 सुनवाई हुईं, जिसके बाद अदालत ने दोनों को सजा सुनाई. आपको बता दें कि सौरभ हत्या कांड के बाद कुछ और केस सामने आए। इन पर भी अदालतें देर सबेर फैसला सुनाएंगी। इसी माह की 16 तारीख को मेरठ के ही एक और केस का फैसला आना है, जिसमें रविता कश्यप और उसके प्रेमी अमरदीप ने अमित कश्यप की हत्या कर उसे सांप के काटने से हुई मौत दिखाने की कोशिश की। पति के बिस्तर पर सांप छोड़ दिया। सोनम रघुवंशी केस की भी आपको याद होगा। इस केस में सोनम पर अपने पति राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान हत्या करने का आरोप है। महाराष्ट्र के एक-दो नहीं, पांच से ज्यादा केस हैं। इसी तरह पुणे के केतन हत्याकांड ने भी विवाह जैसी संस्था की धज्जियाँ उड़ाई थीं। जिस रिश्ते से जीवन संवरने की उम्मीद होती है, वही बनने से पहले ही अगर मौत की वजह बन जाए तो भरोसा आखिर किस पर किया जाए? रिश्ते अब अपनी शर्तों पर चलाने की जिद में उलझते नजर आते हैं। आए दिन इस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं। सवाल हत्याओं से ज्यादा विवाह परंपरा, उसकी मयार्दा और रिश्तों के खून पर उठ रहे हैं। पति-पत्नी का रिश्ता विश्वास, प्रेम और साथ निभाने की प्रतिज्ञा पर टिका होता है। लेकिन जब इसी रिश्ते में विश्वास की जगह छल, संवाद की जगह हिंसा और मतभेद की जगह हत्या ले लेती है, तो सवाल केवल अपराध का नहीं, बल्कि पूरे समाज की सोच का यन जाता है। नीला ड्रम कांड और मुस्कान साहिल से जुड़े मामले ने समाज को झकझोरने के साथ यह सोचने पर भी विवश किया है कि आखिर वैवाहिक रिश्ते इस हद तक कैसे पहुंच रहे हैं कि जीवनसाथी ही जीवन का दुश्मन बन जाता है। पति की हत्या, शव को छिपाने और अपराध के साक्ष्य मिटाने जैसे आरोप किसी भी सभ्य समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। ऐसे मामलों में जनभावना स्वाभाविक रूप से कठोरतम दंड की मांग करती है। और अदालत ने फांसी की सजा सुनाकर संदेश भी दिया कि जयन्यतम मामलों में कोई राहत नहीं दी जा सकती। भारतीय कानून में हत्या एक गंभीर दंडनीय अपराध है। एक जुलाई 2024 से लागू भारतीय न्याय संहित में हत्या के लिए मृत्युदंड या आजीवन कारावास तथा जुमनि का प्रावधान है। इससे पहले के अपराधों पर लागू कानून का निर्धारण घटना की तारीख और संक्रमण संबंधी कानूनी प्रावधानों के अनुसार होता है। नीला ड्रम कांड केवल एक अपराध की घटना नहीं है। इस घटना के बाद समाज की सोच भी बदली। विवाह योग्य लड़के खौफ में आ गए। वह विवाह से कतराने लगे। इस कांड ने विवाह परंपरा को ही सवालों के घेरे में ला दिया। सोशल मीडिया पर नीला ड्रम ऐसे छा गया, मानो उसका ही कसूर था। हालात-ए-कत्ल का मंजर देखकर पुलिस टीम के भी रोंगटे खड़े हो गए, जब नीले ड्रम में सौरभ राजपूत टुकड़े-टुकड़े होकर जमा पड़ा था। अपराध छिपाने के लिए शव के टुकड़े करना, उन्हें ठिकाने लगाना या साक्ष्य नष्ट करना जांच में महत्वपूर्ण परिस्थितियां रहीं। न्याय का उद्देश्य केवल अपराधी को दंडित करना नहीं, बल्कि कानून के प्रति समाज का विश्वास बनाए रखना भी है। नीला ड्रम कांड के बाद पति की हत्या से जुड़े दूसरे चर्चित मामलों की चर्चा ने एक गंभीर सवाल खड़ा किया है। क्या वैवाहिक रिश्तों में हिंसा और प्रतिशोध की प्रवृत्ति बढ़ रही है? इसका उत्तर केवल सुर्खियों और वायरल खबरों से नहीं दिया जा सकता। ये घटनाएं सामाजिक विकृतियों पर आत्ममंथन की मांग करती हैं। आर्थिक अपेक्षाएं, विवाहेतर संबंधों को लेकर विवाद, संदेह, अहंकार, संपत्ति के झगड़े और पारिवारिक हस्तक्षेप आदि इसके कई कारक हैं। ऐसे जघन्य अपराधों में फांसी की सजा केवल एक नजीर है। जिस पवित्र रिश्ते का खून हुआ, उसकी कहां सुनवाई होगी ? नीला ड्रम कांड में सुनाई गई सजा एक चेतावनी भर है। अपराध की भयावहता केवल शव छिपाने के तरीके में नहीं, उस मानसिकता में भी है जो किसी इंसान की जान लेने को समस्या का समाधान समझती है। इस मानसिकता को बदलने के लिए कानून, परिवार, शिक्षा और समाज-सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी।

सोशल मीडिया के इस दौर में तमाम तरह का अनैतिक असामाजिक और रिश्तों की पवित्रता को नष्ट करने वाली रील और सामग्री को वायरल कर परिवार व समाज को दूषित किया जा रहा है और नयी पीढ़ी में वैचारिक प्रदूषण का बीजारोपण कर भारतीय संस्कृति समाज और परिवार को तोडने का अधम काम किया जा रहा है। सबसे अहम सवाल है कि विवाह परंपरा को कैसे पुनर्जीवित और मजबूत बनाया जाए। सवाल यही है कि सात फेरों में साथ जीने-मरने का वादा करने वाले रिश्ते में आखिर जिंदगी इतनी सस्ती कैसे हो गई?इस गंदगी और अपराध की सोच को अंकुरित होने से पहले ही खत्म करना होगा तभी परिवार नाम की संस्था को बचाया जा सकता है।

पंजाब में नशे का तांडव: वर्दी बनी त्रासदी

ललित गर्ग

पंजाब में नशे का कारोबार अब गलियों, गांवों और कस्बों तक अपनी जड़ें फैला चुका है। कभी नशे की समस्या को सीमावर्ती क्षेत्रों या शहरी युवाओं तक सीमित माना जाता था, लेकिन आज सिंथेटिक ड्रग्स सहित विभिन्न मादक पदार्थों की उपलब्धता ने संकट को और व्यापक बना दिया है।

पंजाब की धरती कभी शौर्य, पराक्रम, मेहनत, उद्यमशीलता और जीवटता के लिए जानी जाती थी। इसी मिट्टी के नौजवानों ने देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी और खेतों में पसीना बहाकर देश का अन्न भंडार भरा। लेकिन आज उसी पंजाब की पहचान नशे के बढ़ते कारोबार, युवाओं की बबार्दी और ड्रग्स माफिया के बढ़ते प्रभाव से जुड़ती जा रही है। यह केवल एक राज्य की सामाजिक त्रासदी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, शासन-व्यवस्था और राजनीतिक इच्छाशक्ति की गंभीर परीक्षा है। जिस पंजाब के युवाओं के हाथों में कभी तलवार, हल और तिरंगा शोभा देते थे, वहां आज नशे ने अनेक हाथों को बेबस और अनेक परिवारों को बदहवास कर दिया है। विडंबना देखिए कि नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी जिन पुलिसकर्मियों की है, यदि उन्हीं के घर से करोड़ों रुपये की हेरोइन बरामद होने की खबर सामने आती है, तो यह व्यवस्था के लिए खतरे की घंटी है। पंजाब में एक पुलिस कांस्टेबल के घर से कथित तौर पर 40 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद होने का मामला इसी सड़ांध की ओर संकेत करता है। यह घटना महज एक आपराधिक प्रकरण नहीं, बल्कि उस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, जिसमें अपराध रोकने के लिए नियुक्त व्यक्ति ही कथित तौर पर अपराध के संदेह के घेरे में आ जाए। यह तो वही स्थिति हुई कि ह्यबाड़ ही खेत को खाने लगेह्न, तो फसल की रखवाली कौन करेगा? जिस पुलिस के कंधों पर नशा तस्करों को पकड़ने का दायित्व है, यदि उसी व्यवस्था के भीतर ऐसे तत्व पनपने लगें, तो आम नागरिक का भरोसा डगमगाना स्वाभाविक है। इस मामले में निष्पक्ष जांच, दोषियों की पहचान और कठोर कानूनी कार्रवाई जरूरी है। किसी व्यक्ति को केवल आरोप के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन वर्दी की आड़ में अपराध करने वाले किसी भी व्यक्ति को कानून से बचने का अवसर भी नहीं मिलना चाहिए।

पंजाब में नशे का कारोबार अब गलियों, गांवों और कस्बों तक अपनी जड़ें फैला चुका है। कभी नशे की समस्या को सीमावर्ती क्षेत्रों या शहरी युवाओं तक सीमित माना जाता था, लेकिन आज सिंथेटिक ड्रग्स सहित विभिन्न मादक पदार्थों की उपलब्धता ने संकट को और व्यापक बना दिया है। युवा पीढ़ी का एक हिस्सा नशे की गिरफ्त में आकर अपना स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और भविष्य गंवा रहा है। कहीं मां की गोद सूनी हो रही है, कहीं वृद्ध पिता के बुढ़ापे का सहारा

छिन रहा है और कहीं परिवार का कमाऊ सदस्य नशे की लत के कारण स्वयं अपने परिजनों पर बोझ बन रहा है। ह्यघर का चिराग ही घर में अंधेरा कर देह्न, इससे बड़ी विडंबना क्या होगी! नशे की लत केवल व्यक्ति को नहीं तोड़ती, बल्कि पूरे परिवार और सामाजिक ताने-बाने को भीतर तक खोखला कर देती है। इस संकट की गंभीरता सरकारी आंकड़ों और पुलिस की कार्रवाइयों से भी समझी जा सकती है। उपलब्ध विवरणों के अनुसार दस महीनों में पंजाब पुलिस ने 10,524 तस्करों को गिरफ्तार किया, जिनमें 153 बड़े ऑपरेटर शामिल थे। इस दौरान 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य मादक पदार्थों के साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक की ड्रग मनी जब्त की गई तथा नशे के कारोबार से जुड़ी 208 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति पर कार्रवाई की गई। ये आंकड़े कार्रवाई के पैमाने को अवश्य दशार्ते हैं, लेकिन साथ ही यह सवाल भी उठाते हैं कि इतनी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ आखिर राज्य में पहुंच कैसे रहे हैं? इतनी गिरफ्तारियों और जब्ती के बावजूद यदि नशे की उपलब्धता और लत पर निर्णायक अंकुश नहीं लग रहा, तो स्पष्ट है कि समस्या की जड़ें गहरी हैं। ह्यमर्ज बढ़ता गया, ज्यों-ज्यों दवा कीह्न जैसी स्थिति से बचने के लिए गिरफ्तारियों की संख्या से आगे बढ़कर नशे की आपूर्ति, वित्तीय नेटवर्क और राजनीतिक संरक्षण की पड़ताल करनी होगी।

पाकिस्तान से लगी पंजाब की लगभग 553 किलोमीटर लंबी सीमा इस चुनौती को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ती है। ड्रोन के माध्यम से नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी की आशंकाएं सीमा प्रबंधन को और जटिल बनाती हैं। वर्ष 2026 में अब तक पंजाब की सीमा से 183 ड्रोन जब्त किए जाने का उल्लेख इस खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है। सीमा पार से संचालित तस्करी के नेटवर्क पर प्रहार करना आवश्यक है, लेकिन सारी जिम्मेदारी बाहरी ताकतों पर डालकर राज्य के भीतर की कमजोरियों से आंखें नहीं मूंदी जा सकतीं। यदि स्थानीय तस्कर, संगठित गिरोह और भ्रष्ट तंत्र मिलकर काम कर रहे हों, तो सीमा पर कड़ी निगरानी के साथ-साथ भीतर भी कठोर कार्रवाई करनी होगी। ह्यदूध का दूध और पानी का पानीह्न करने वाली जांच ही बता सकती है कि इस काले कारोबार में कौन मोहरा है, कौन खिलाड़ी और कौन पर्दे के पीछे बैठा सूत्रधार। आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार ने नशामुक्ति और तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई को लेकर अनेक दावे किए हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये दावे जमीन पर उतना परिवर्तन ला पाए हैं, जिसकी अपेक्षा पंजाब की जनता ने की थी? सत्ता में आने से पहले नशे के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई के वादे करना आसान है, लेकिन उस लड़ाई को परिणाम तक पहुंचाना राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक ईमानदारी और निरंतर जवाबदेही मांगता है। यदि नशे की उपलब्धता बनी हुई है, युवा लगातार इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं और तस्करी के नेटवर्क बार-बार सक्रिय हो जाते हैं, तो सरकार की रणनीति और उसके क्रियान्वयन पर सवाल उठना स्वाभाविक है। केवल छापेमारी, गिरफ्तारी और घोषणाओं से नशामुक्त पंजाब का सपना साकार नहीं होगा। सरकार की सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि नशे की आपूर्ति कितनी घटी, कितने युवा उपचार के बाद सामान्य जीवन में लौटे और बड़े तस्करों तथा उनके संरक्षकों के विरुद्ध कितनी प्रभावी कार्रवाई हुई।

नशे के खिलाफ लड़ाई में पुलिस सुधार, आधुनिक तकनीक, सीमा सुरक्षा और वित्तीय जांच के साथ-साथ नशामुक्ति केंद्रों, मनोवैज्ञानिक परामर्श, रोजगार और पुनर्वास पर भी समान ध्यान देना होगा। नशे के शिकार युवाओं को केवल अपराधी मानकर खारिज करना समाधान नहीं है, उन्हें उपचार, सहारा और सम्मानजनक जीवन में लौटने का अवसर देना भी जरूरी है। गांवों में जनभागीदारी, स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता और परिवारों की सक्रिय भूमिका इस अभियान को जनांदोलन का स्वरूप दे सकती है। साथ ही, पुलिस और राजनीतिक तंत्र में किसी भी स्तर पर संरक्षण देने वालों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। पंजाब को नशे की गिरफ्त से निकालना केवल सरकार का नहीं, पूरे समाज का दायित्व है, लेकिन नेतृत्व की पहली जवाबदेही सरकार की ही है। जब कानून के रखवाले ही संदेह के घेरे में आने लगें और करोड़ों की हेरोइन की बरामदगी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े करे, तब आत्ममंथन टालना आत्मघाती होगा। ह्यलकीर पीटनेह्न के बजाय अब निर्णायक परिणाम देने का समय है। पंजाब को खोखले नारों नहीं, कठोर कार्रवाई, पारदर्शी जांच और जवाबदेह शासन की जरूरत है। नशा माफिया की जड़ें उखाड़ने के लिए राजनीतिक संरक्षण की दीवारें तोड़नी होंगी और कानून का भय हर अपराधी तक पहुंचाना होगा। अन्यथा नशे का यह तांडव पंजाब की युवा शक्ति को ही नहीं, देश की सामाजिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को भी गंभीर क्षति पहुंचाता रहेगा।

एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन के तरीकों की सफलता मुख्यतया हानिकारक कीट एवं मित्र कीटों की निगरानी के आधार पर कीट प्रबंधन के विभिन्न घटकों के एकीकरण कर सही निर्णय को लागू करने के ऊपर निर्भर है।

सब्जी उत्पादन में समन्वित कीट प्रबंधन

फसल चक्र अपनाकर कीट नियंत्रण

किसी भी खेत में सब्जियों को लगाते समय उचित फसल-चक्र अपनाना चाहिए जिससे एक ही कुल की सब्जी को पुनः नहीं लगाना चाहिए। इस विधि से निरन्तर जीवन चक्र , अपेक्षाकृत संख्या एवं क्षति स्तर कम किया जा सकता है।

बुवाई व पौध रोपण के समय में परिवर्तन करके- कीटों के प्रति फसल की मुलायम अवस्था को ध्यान में रखकर फसल की बुवाई तथा रोपाई के समय में परिवर्तन करके अधिक हानि से बचाया जा सकता है। सब्जियों की बुवाई व रोपाई के समय में परिवर्तन कर लाल भृंग कीट, फल मक्खी, तना एवं फल छेदक कीट के प्रकोप को कम किया जा सकता है। पौधों की बुवाई व रोपाई ऐसे समय में करना चाहिए, जब पौधों की नाजुक अवस्थाएं एवं हानिकारक कीटों की निष्क्रिय अवस्थाएं समानान्तर हों।

सस्य क्रियाओं द्वारा कीट प्रबंधन

कीट प्रबंधन में इस घटक के ऊपर कोई अतिरिक्त खर्च नहीं होता है, साथ ही यह पर्यावरण को सुरक्षित व अधिक टिकाऊ बनाता है। सस्य क्रियाओं का चयन ऐसा होना चाहिए जिससे नाशीकीटों के ऊपर एकीकृत एवं मित्र कीटों के ऊपर अनुकूल प्रभाव पड़े। इसके अन्तर्गत उचित किस्मों का चयन, बुवाई एवं रोपाई के समय में परिवर्तन, कीट-प्रपंच, फसल चक्र एवं अंतः फसलों का सही चुनाव आदि शामिल है।

अवरोधी एवं सहनशील किस्मों का उपयोग

किसी क्षेत्र के नाशीकीट एवं मित्र कीटों की विविधता एवं सघनता के आधार पर अवरोधी या सहनशील किस्मों का चुनाव समन्वित कीट प्रबंधन की महत्वपूर्ण कड़ी है। इस प्रकार चयनित किस्मों में अपेक्षाकृत कीटों का प्रकोप कम होता है तथा रासायनिक दवाओं के उपयोग में भी कमी आती है। यह विधि सबसे सरल, सस्ती व दुष्प्रभाव रहित है।

ग्रीष्मकालीन जुताई

गर्मी के मौसम में गहरी जुताई करके सुषुप्ता अवस्था में पड़े कीड़ों को नष्ट करना एक प्रभावी नियंत्रण विधि है। फसल की कटाई के बाद खेत की गहरी जुताई करके फल मक्खी, कद्दू का लाल भृंग तथा कटुआ कीट के जीवन चक्र को नष्ट कर उनकी सक्रियता को कम किया जा सकता है।

अन्तः फसलीकरण

सब्जियों की फसल के बीच में अन्तः फसलीकरण की क्रिया के द्वारा भी कीटों के प्रकोप को कम किया जा सकता है। अन्तः फसलीकरण में लगाए गए भिन्न-भिन्न प्रकृति के पौधों द्वारा छोड़े जाने वाले जैव रसायन से कीटों के प्रौढ़ दूर भागते हैं तथा उनके द्वारा अण्डा देने की क्रिया भी कम हो जाती है। इस प्रकार के पौध रोपण प्रक्रिया से परभक्षी एवं परजीवी कीटों की क्रियाशीलता को बढ़ाती है। टमाटर एवं गोभी की अन्तः फसलीकरण से इन दोनों सब्जियों में कीट अकेले की अपेक्षा कम लगते हैं।

कीटों को आकर्षित करने वाली फसलों का उपयोग

मुख्य फसल के साथ ऐसी फसलों को लगाना चाहिए, जिनको कीट मुख्य फसल की अपेक्षा अधिक पसंद करते हैं। आकर्षित करने वाली फसलों को मुख्य फसल में लगाकर बिना किसी रसायन के प्रयोग से मुख्य फसल को आसानी से कम लागत में उगाया जा सकता है। क्योंकि मुख्य फसल पर लगने वाले कीड़े आकर्षक फसलों पर आ जाते हैं, जिनको आसानी से नष्ट किया जा सकता है। गोभीवर्गीय फसलों को हरी सूड़ी एवं पर्ण जालक कीट के नियंत्रण के लिए सरसों का तथा टमाटर में लगने वाली फल छेदक कीट के रोकथाम के लिए गेंदे के फसल को आकर्षक फसल के रूप में प्रयोग करना चाहिए।

सब्जी में जैविक विधि से कीट नियंत्रण

समन्वित कीट प्रबंधन में जैविक नियंत्रण एक प्रमुख घटक है। किसी भी परिस्थिति में मित्र कीट एवं अन्य सूक्ष्म जीव मुख्यतया हानिकारक कीटों की संख्या को प्राकृतिक रूप से सीमित रखने में सहायता करते हैं। जैविक नियंत्रण से इन्हीं कारकों का प्रभावी ढंग से समन्वित कीट प्रबंधन में प्रयोग होता है, तथा मित्र कीटों को सुरक्षित रखने का प्रयास किया जाता है। बहुत सारे परभक्षी व परजीवी कीट प्राकृतिक दशा में मित्र कीट के रूप में पाये जाते हैं, जो हानिकारक कीटों के विभिन्न अवस्थाओं को क्षति पहुंचाते हैं। एक हेक्टेयर टमाटर की फसल को फलछेदक कीट से रोकथाम के लिए 2,50,000 ट्राइकोग्रामा परजीवी कीट का प्रयोग किया जाता है। इसी प्रकार क्राइसोपरला कारनिया नामक परभक्षी कीट को 50,000 प्रति हेक्टेयर की दर से दस दिन के अन्तराल पर तीन बार छोड़ने से सफेद मक्खी, हरा फुदका, माहू आदि से फसल को सुरक्षित रखा जा सकता है। कीटों के प्राकृतिक षत्रु को प्रयोगशाला में अधिक संख्या में उत्पादन कर, उसे सफलतापूर्वक, आवष्यकतानुसार फसलों पर छोड़कर विषैले रसायनों के उपयोग में कमी लायी जा सकती है।

व्यवहारिक नियंत्रण

इस विधि के अन्तर्गत प्रौढ़ कीटों को फेरोमोन का प्रयोग कर भ्रमित किया जाता है। सब्जियों में मुख्य रूप से बैगन का तना व फल बेधक, तम्बाकू की सूंड़ी, टमाटर का फल बेधक एवं फल मक्खी को फेरोमोन द्वारा आकृष्ट कर नियंत्रण किया जा सकता है।

सूक्ष्म जीव द्वारा फसलों की सुरक्षा

सूक्ष्म जीव कीटनाशियों के अन्तर्गत जीवाणु, कवक और विषाणु का प्रयोग करके हानिकारक कीटों में रोग उत्पन्न कर उनका नियंत्रण किया जा सकता है। यह रोग हानिकारक कीड़ों में महामारी की तरह फैलता है जिससे कीड़े मर जाते हैं। सूक्ष्म कीटनाशियों में बी.टी. का प्रयोग व्यवहारिक स्तर पर किया जा रहा है। जिसके प्रयोग से गोभी का हीरक पृष्ठ कीट, भिण्डी का तना एवं फल छेदक कीट, टमाटर का फल बेधक कीटों का नियंत्रण संभव हुआ है।

यांत्रिक विधि से कीटों का नियंत्रण

कुछ कीट जिनको आसानी से देख जा सके उन्हें पकड़कर मार देना चाहिए। हड्डा बीटल, तम्बाकू की सूड़ीं के अण्डे तथा तना व फल को भेदकर खाने वाली सूड़ीं (बैगन व भिण्डी के फल छेदक कीट) को बहुत आसानी से देखकर कीट की विभिन्न अवस्थाओं को नष्ट कर देने से इनसे होने वाली क्षति से बचा जा सकता है। कीट नियंत्रण की इस विधि में लागत कम आती है एवं यह विधि सुरक्षित भी है।

रसायनों का सुरक्षित एवं आवश्यक मात्रा का प्रयोग

रसायनों का अनियमित और अत्यधिक प्रयोग करने से कीटों में प्रतिरोधी क्षमता का विकास हो जाता है। साथ ही हानिकारक रासायनिक अवशेषों की वातावरण में वृद्धि होती है। समन्वित कीट प्रबंधन में यदि दूसरे कारकों के साथ सही संतुलन बनाकर सुरक्षित रसायनों की सही मात्रा एवं उचित अंतराल पर छिड़काव किया जाय तो कीटनाशी रसायन बहुत प्रभावी होता है। विभिन्न कीटनाशियों का अलग-अलग प्रतीक्षाकाल होता है। इसलिए दवा छिड़कने के बाद प्रतिक्षाकाल के बाद फल की तुड़ाई करने से रासायनिक अवयवों के अवषेष नहीं रहते हैं।

अरहर को कीट-रोग से बचाएं

कीट प्रबन्धन

चने की इल्लीः इल्लियाँ हरे से भूरे रंग की एवं शरीर के किनारों पर हल्की या गहरी लहरदार धारियाँ पाई जाती हैं। इसकी इल्लियाँ प्रारम्भिक अवस्था में पत्तियों को नुकसान पहुँचाती हैं तथा बाद की अवस्था में फल्ली में गोलाकार छेद बनाकर अपना सिर फल्ली में घुसाकर दाने को खाती हैं।

फल्ली मक्खी

इस कीट के वयस्क काले रंग के तथा आकार में घरेलू मक्खी से छोटे होते हैं। इसकी इल्लियाँ दाने में सुरंग बनाकर क्षति पहुँचाती हैं तथा क्षतिग्रस्त दानों में फफूंद का प्रकोप होने से यह खाने लायक नहीं रहती। क्षतिग्रस्त फल्लियाँ सूखकर सिकुड़ जाती हैं।

पोड बग

इस कीट के शिशु एवं वयस्क दोनों फल्ली से रस चूसकर नुकसान पहुँचाते हैं, जिसमें फल्लियों में काले धब्बे बन जाते हैं। हरी फल्लियाँ गिर जाती हैं एवं फल्लियों में दाने सिकुड़े हुये, छोटे एवं कम संख्या में पाये जाते हैं।

रोग प्रबन्धन

उकठा (विल्ट)

यह रोग फ्यूजेरियम उडम नामक कवक द्वारा होता है। फसल में फूल एवं फल लगने की अवस्था में रोग का प्रकोप सर्वाधिक होता है। रोगी पौधा एकाएक पीला पड़कर सूखने लगता है।

रोकथाम के उपाय

रोग से बचने के लिये गर्मी में गहरी जुताई व निरोधक जातियाँ जैसे- सी.-11, जे.ए.-4, आशा, राजीव लोचन आदि लगाना चाहिये।

झुलसा रोग

इस रोग का प्रकोप, जहाँ पानी ठहरता है, वहाँ अधिक होता है। रोग के कारण पत्तियों पर पहले पनीले धब्बे बनते हैं। कॉलर भाग में भूरे विक्षत बनते हैं। विक्षत भाग से पौधा टूट कर सूख जाता है। फसल को मादा कूड़ विधि से लगाये, बीज मादा में बोये। खेत से जल निकास की उचित व्यवस्था करें। निंदाई- गुड़ाई समय पर अवश्य करें तथा अनावश्यक पौधे को निकाल दें ताकि उनका आवागमन अच्छा हो जिससे ज्याद नमी न रहे। गमी की गहरी जुताई करें और संभव हो तो मिट्टी का सूर्यताप द्वारा मिट्टी का 6-7 सप्ताह के लिए निर्जीवीकृत करे ऐसा करने से मृदा जनित रोगों पर नियंत्रण किया जा सकता है।

ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें

चने की इल्ली व शंखी तेज धूप में मर जाती हैं तथा शिकारी पक्षियों द्वारा खा ली जाती हैं।

- फसल की बोनी जून माह में करने से फल्लीभेदक कीटों के प्रकोप में कमी आती है।
- ज्वार की अन्तवर्तीय फसल के रूप में तथा मक्का की ऊँची किस्म को खेत के बॉर्डर पर उगाएं। ये फसलें प्राकृतिक शत्रुओं के छिपने तथा शिकारी पक्षी उन पर बैठकर बड़ी संख्या में इल्लियों का भक्षण करते हैं।
- गेंदा को ट्रैप फसल के रूप में बॉर्डर पर उगाएँ। इससे चने की इल्ली के प्रकोप में कमी आती है।
- खेतों में चिड़ियों के बैठने हेतु 'टी' आकार की खूँटी 50 नग प्रति हेक्टेयर की दर से लगायें।
- प्रकाश प्रपंच फसल से 10-15 मीटर की दूरी पर लगाएँ तथा सायं 6.30 बजे से रात्रि 10.30 बजे तक चलाएँ।
- चने की इल्ली की निगरानी के लिये पाँच फेरोमोन प्रपंच प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 30 दिनों बाद लगाएँ।
- फसल की सतत् निगरानी करते रहें तथा कीटों का आर्थिक स्तर आने पर निम्नलिखित उपाय करें।
- चने की इल्लीः 5 अण्डे या तीन छोटी इल्लियाँ/पौधा या 1 इल्ली/ 5 शाखाओं या 5-6 प्रौढ़/प्रपंच/दिन।

सोयाबीन में बीमारी-कीट का नियंत्रण

बैक्टीरियल पस्च्यूल की समस्या होने पर कासुगेमेसिन 0.2 प्रतिशत, कॉपर आक्सीक्लोराइड 0.2 प्रतिशत, या स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 200 पी.पी.एम. का छिड़काव करें।

गेरूआ रोग से बचाव के लिये हेक्जाकोनेजोल 5 ई.सी. या प्रोपाकोनेजोल 5 ई.सी. या ट्राईएडमिफान 25 डब्ल्यू. पी. या कापर आक्सीक्लोराइड 20 ई.सी. रोग के लक्षण दिखते ही तुरंत 0.1 प्रतिशत की दर से 40-45 दिन की फसल होने पर छिड़काव करें। इस छिड़काव से पौधे पूरी तरह भींगने चाहिए तथा 500-700 लीटर पानी प्रति हे. प्रयोग करना चाहिए। आवश्यकतानुसार 15-20 दिन में छिड़काव दोहराना चाहिए।

कीट नियंत्रण

सोयाबीन फसल में कई कीटों का प्रकोप विभिन्न क्षेत्रों में पाया जाता है। इन कीटों में तने की मक्खी व चक्रभृंग (तना छेदक कीट), अर्ध कुन्डलक इल्ली, कम्बल कीट, तम्बाखू की इल्ली, अलसी की इल्ली, चने की फली छेदक (पत्ती भक्षक कीट), एवं सफेद मक्खी, जेसिड्स माइटस् और थ्रिप्स (रस चूसक) प्रमुख हैं।

इनके नियंत्रण के उपाय निम्नलिखित हैं

- फेरोमोन ट्रैप्स लगाने से वयस्क कीट (उड़ने वाले) आकर्षित होकर ट्रैप में गिर जाते हैं जिससे इल्लियों जैसे कीटों का नियंत्रण संभव है।
- तम्बाखू की इल्ली, एवं कम्बल कीट के नियंत्रण के लिये प्रभावित पौधों से अंडगुच्छ एवं लार्वीगुच्छ वाली पत्तियों को एकत्र कर नष्ट कर दें। जब हम खेत का निरीक्षण करते हैं तब कागज की तरह या जालीदार पत्तियां जैसे ही दिखें वहां पत्तियों के नीचे अंड गुच्छ या लार्वीगुच्छ मिल जायेंगे, इस प्रकार की पत्तियों या पूरे पौधे को धीरे से इकट्ठा करें एवं बोरी में डालते जायें तथा अन्त में खेत से बाहर लाकर नष्ट कर दें। जिस जगह पर इस प्रकार की पत्तियाँ मिलें उसके चारों तरफ कीटनाशक का छिड़काव तुरंत करें।

तना छेदक मक्खी एवं सफेद मक्खी

फोरेट 10 जी. दानेदार दवा को 10 कि.ग्रा. प्रति हे. के हिसाब से जुताई के समय मिट्जी में मिला दें। या थायोमेथोक्जाम 70 डब्ल्यू. एस. 3 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से बोनी पूर्व बीज उपचारित करें।

गर्डल बीटल (चक्रभृंग एवं पत्ती छेदक)

ट्रायजोफास 40 ई.सी. दवा 800 मि.ली. प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें। या इंडोक्साकार्ब 14.5 एस.सी., 300 मि.ली. प्रति छिड़काव करें।

पत्ती भक्षक कीट

स्पायनोसेड 45 एस.सी. 125 मि.ली. प्रति हे. या रायनेक्सीपीर 20 एस.सी. 100 मि.ली. प्रति हे. या क्लोरोपायरीफास 20 ई.सी. या क्यूनालफास 25 ई.सी. 1500 मि.ली. प्रति हे. या इंडोक्साकार्ब 15 ई.सी. 300 मि.ली. प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

जेसिडस, एफिड, माइट्स

इथियान 50 ई.सी. दवा की 1.5 लीटर मात्रा प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

तना मक्खी एवं सफेद मक्खी

थायामेथोक्जाम 25 डब्ल्यू.जी.100 ग्राम प्रति हे. या इथोफेनप्राक्स 10 ई.सी. की 1 लीटर मात्रा प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

जैविक कीटनाशक

- बैवेरिया बेसियाना या बीटी, 1 लीटर प्रति हे. की दर से छिड़काव करने से पत्ती भक्षक इल्लियों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।
- एच.ए.एन.पी.व्ही. या एस.आई.एन.पी.व्ही. की 250 एल.ई. प्रति हे. की दर से छिड़काव करने से भी पत्ती भक्षक कीटों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

क्रिसुमी कॉरपोरेशन गुरुग्राम में लक्जरी आवास बनाने 1,300 करोड़ करेगी निवेश

वरिष्ठ नागरिकों के लिए आवास खंड में भी रखेगी कदम

नई दिल्ली।

रियल एस्टेट कंपनी क्रिसुमी कॉर्पोरेशन ने गुरुग्राम में लग्जरी आवासीय परियोजनाओं में अपनी उपस्थिति और मजबूत की है। जापान की सुमितोमो कॉरपोरेशन और कृष्णा ग्रुप के संयुक्त उद्यम क्रिसुमी ने करीब 550 नए लक्जरी अपार्टमेंट बनाने के लिए 1,300 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की है। कंपनी की योजना वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष आवास खंड में भी प्रवेश करने की है। यह निवेश कंपनी की प्रमुख आवासीय परियोजना 'क्रिसुमी सिटी' के पांचवें और छठे चरण 'द फॉरेस्ट रिजर्व' के तहत किया जा रहा है। गुरुग्राम में द्वारका एक्सप्रेसवे पर स्थित इस परियोजना में कुल 542 अपार्टमेंट बनाए जाएंगे। कंपनी को इन नए चरणों से करीब 4,000 करोड़ रुपये का संभावित राजस्व मिलने की उम्मीद है। क्रिसुमी कॉर्पोरेशन के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने इस परियोजना को मिनी-जापानी शहर बताते हुए कंपनी की महत्वाकांक्षाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी बताया कि क्रिसुमी भविष्य में वरिष्ठ नागरिकों के लिए आवास खंड में कदम रखेगी। पूरी 'क्रिसुमी सिटी' परियोजना 33.5 एकड़ में फैली है और इसमें कुल 2,772 आवास इकाइयां शामिल होंगी। 2019 में शुरू हुई यह परियोजना 2032 तक पूरी होने का लक्ष्य है, जिसमें कुल 7,000 करोड़ रुपये का अनुमानित निवेश होगा। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि यह सारा निवेश आंतरिक स्रोतों से किया जा रहा है और उस पर कोई कर्ज नहीं है।

भारतीय ऑटो बाजार में ऐतिहासिक उछाल, जुलाई-सितंबर में रिकॉर्ड बिक्री

नई दिल्ली ।

सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक, जुलाई-सितंबर 2026 (दूसरी ` तिमाही 2026-27) में भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है। इस तिमाही में घरेलू वाहन बिक्री सालाना आधार पर 18.2 फीसदी बढ़कर 83.88 लाख यूनिट तक पहुंच गई, जो अब तक का सर्वाधिक स्तर है।` सियाम के एक अे धिकारी ने बताया कि दूसरी` तिमाही में पैसेंजर व्हीकल, दोपहिया, तिपहिया और कमर्शियल व्हीकल सहित सभी प्रमुख श्रेणियों ने अब तक की सर्वाधिक घरेलू बिक्री दर्ज की। इस शानदार प्रदर्शन का श्रेय जीएसटी 2.0 के बाद वाहनों के किफायती होने, ग्रामीण-शहरी मांग में मजबूती, माल ढुलाई में तेजी और इंफ्रास्ट्रक्चर गतिविधियों को दिया गया है। पैसेंजर व्हीकल में यूटिलिटी व्हीकल की बिक्री 34.2 फीसदी बढ़ी, जबकि दोपहिया में स्कूटरों की बिक्री 27.7 फीसदी बढ़कर सबसे आगे रही। निर्यात मोर्चे पर भी सकारात्मक रुझान दिखा। दोपहिया का निर्यात 27.7 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 16.5 लाख यूनिट पर पहुंचा। तिपहिया और कमर्शियल व्हीकल के निर्यात में भी मजबूत वृद्धि हुई। हालांकि, पश्चिम एशिया संकट और ऊंचे आधार के कारण पैसेंजर व्हीकल के निर्यात में 5.2 फीसदी की गिरावट आई।` सियाम ने त्योहारी सीजन और नए वाहनों के लॉन्च के दम पर वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में भी सकारात्मक वृद्धि की उम्मीद जताई है। हालांकि, उन्होंने बढ़ती महंगाई, ब्याज दरों और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण मांग पर पड़ने वाले संभावित असर के प्रति सतर्क रहने की चेतावनी भी दी।

महाराष्ट्र में खुले मसालों की बिक्री पर बैन

- एफडीआई का जनस्वास्थ्य हित में ऐतिहासिक फैसला

मुंबई।

महाराष्ट्र में खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए खुले मसाले बेचने पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह कदम खाद्य पदार्थों में मिलावट पर चल रही लगातार कार्रवाई का हिस्सा है, जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों के स्वास्थ्य और मसालों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना है। नए नियमों के तहत अब हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा सहित सभी प्रकार के मसाले बिना पैकिंग के नहीं बेचे जा सकेंगे। यह आदेश मसाला निर्माताओं, थोक विक्रेताओं, खुदरा दुकानदारों, ऑनलाइन प्लेटफार्मों, होटल, रेस्टोरेंट और कैटरिंग सेवाओं सहित सभी पर लागू होगा। मसालों को उत्पादन स्थल पर ही अच्छी तरह पैक और सील करना अनिवार्य होगा। पैकेट पर मसाले का नाम, सामग्री, निर्माता का विवरण, एफएसएसएआई लाइसेंस नंबर, बैच नंबर, निर्माण/पैकिंग की तारीख और एक्सपायरी डेट जैसी सभी आवश्यक जानकारी देना अनिवार्य है। कंपनियां मसालों की शुद्धता या स्वास्थ्य लाभ को लेकर कोई भ्रामक दावा नहीं कर पाएंगी। साथ ही, मसाले बनाने या पीसने वालों के पास वैध एफएसएसएआई लाइसेंस होना आवश्यक है। नियमों का उल्लंघन करने पर उत्पाद जब्त करने, लाइसेंस रद्द करने और कड़ी कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 413, निफ्टी 148 अंक उछला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई का 30 शेयरों वाला प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 413.66 अंक बढ़कर 74,729.27 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई एनएसई निफ्टी 148.80 अंक ऊपर आकर 23,146.15 पर बंद हुआ। यह लगातार तीसरा दिन था जब बाजार में तेजी दर्ज की गई, जिससे निवेशकों में भारी उत्साह देखा गया। वहीं गत दिवस भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। इन दो दिनों की लगातार रिकवरी से बाजार में उत्साह का माहौल है। शुक्रवार की इस तेजी का मुख्य कारण सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेक्टर के शेयरों में आया उछाल रहा। जुलाई-सितंबर तिमाही तिमाही के अच्छे परिणामों से भी बाजार उछला है। आज दिग्गज आईटी कंपनी टेक महिंद्रा के शेयरों में सबसे अधिक तेजी रही। उसके शेयर 8.45 फीसदी की शानदार बढ़त के साथ बंद हुए। टेक महिंद्रा के अलावा, अन्य प्रमुख आईटी कंपनियों जैसे टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इंफोसिस और एचसीएल टेक के शेयरों में भी जबरदस्त तेजी रही।

भारती एयरटेल और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में भी उछाल आया। वहीं, दूसरी ओर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंटरग्लोब एविएशन, एशियन पेंट्स और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी।

बाजार के जानकारों के अनुसार, घरेलू सेंटीमेंट को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और डॉलर के मुकाबले रुपये की मजबूती से काफी समर्थन मिला।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.30 फीसदी गिरकर 105.6 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जिससे मुद्रास्फीति की चिंताएं कुछ कम हुईं।

रुपया 20 पैसे मजबूत होकर 94.79 प्रति डॉलर पर खुला

- रुपया गुरुवार को 94.99 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई ।

रुपया डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 20 पैसे मजबूत होकर 94.79 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। बाजार` विश्लेषकों के मुतो बिक अमेरिकी डॉलर में नरमी और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संरचनात्मक विदेशी मुद्रा हस्तक्षेपों से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और शेयर बाजारों में गिरावट ने रुपये की तेजी को सीमित कर दिया।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.75 प्रति डॉलर पर खुला। फिर मजबूत होकर 94.79 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 20 पैसे की बढ़त है। रुपया गुरुवार को 18 पैसे की बढ़त के साथ 94.99 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.54 प्रतिशत टूटकर 102 पर आ गया।

आरबीआई का बैंकों की नकदी पर शिकंजा, सीआरआर नियम हुए सख्त

- 16 अक्टूबर से दैनिक सीआरआर का 99 फीसदी हिस्सा आरबीआई के पास रखना अनिवार्य

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों के लिए नकदी रिजर्व अनुपात (सीआरआर) के नियमों को सख्त कर दिया है। 16 अक्टूबर से बैंकों को रोजाना अपनी सीआरआर राशि का 99 फीसदी हिस्सा आरबीआई के पास रखना अनिवार्य होगा, जो पहले 90 फीसदी था। यह कदम बैंकिंग सिस्टम में मौजूद लगभग 3.88 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त नकदी को नियंत्रित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

सीआरआर वह हिस्सा है जो बैंकों को ग्राहकों की कुल जमा राशि के अनुपात में आरबीआई के पास अनिवार्य रूप से रखना होता है। नए नियम से बैंकों के पास तुरंत इस्तेमाल के लिए उपलब्ध नकदी कम होगी। इसके अतिरिक्त, आरबीआई ने फॉरेन करेंसी से जुड़े कुछ डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए भी बैंकों को कॉन्ट्रैक्ट की तय रकम के रुपये में मूल्य का 20 फीसदी हिस्सा सीआरआर खाते में रखने का निर्देश दिया है।

इस रकम पर बैंकों को ब्याज नहीं मिलता, जिससे उनकी लागत बढ़ सकती है। इन बदलावों का सीधा असर डॉलर-रुपये से जुड़े कारोबार पर दिखेगा। आयात करने वाली कंपनियों के लिए डॉलर खरीदने की लागत बढ़ सकती है। हालांकि, आम लोगों के होम लोन, पर्सनल लोन या एफडी की ब्याज दरों पर तत्काल असर की संभावना कम है, क्योंकि इन प

सीतारमण ने कहा- भारत और अमेरिका व्यापार समझौता जल्द होने की उम्मीद

चीन के साथ गैर-शुल्क बाधाएं और व्यापार असंतुलन प्रमुख चिंता

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उम्मीद जताई है कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को वैश्विक व्यापार तथा दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों के हित में जल्द से जल्द अंतिम रूप दे दिया जाएगा। थाईलैंड के बैंकॉक में आईएमएफ-विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों के दौरान अटलांटिक काउंसिल के साथ बातचीत में उन्होंने बातचीत जारी होने की पुष्टि करते हुए जल्द समझौते पर हस्ताक्षर की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पहले ही घोषणा की थी कि समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप दे दिया गया है और उसके कानूनी मसौदे पर काम चल रहा है। चीन के साथ व्यापार संबंधों पर सीतारमण ने गंभीर चिंता व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि वर्षों की बातचीत के बावजूद, चीन के साथ बढ़ता व्यापार असंतुलन और भारतीय उत्पादों के लिए बाजार तक पहुंच पर लगातार लगी पाबंदियां मुख्य चिंताएं बनी हुई हैं। भारत ने चीन में जेनेरिक दवाओं, गोवंश का मांस, सब्जियों और अन्य जल्दी खराब होने वाले उत्पादों के लिए बाजार पहुंच हासिल करने का लगातार प्रयास किया है, लेकिन वर्षों से बातचीत के बावजूद बहुत कम प्रगति हुई है।

उन्होंने गैर-शुल्क बाधाओं, विशेषकर पादप-स्वास्थ्य संबंधी उपायों को प्रमुख अवरोध बताया। वित्त मंत्री ने जोर दिया कि भारत ने दंडात्मक शुल्क के बजाय बातचीत को प्राथमिकता दी है, भले ही इस प्रक्रिया में अधिक समय लगता हो। ब्रिक्स के बारे में सीतारमण ने स्पष्ट किया कि इसे किसी देश या गुट का मुकाबला करने वाले मंच के बजाय, सदस्य देशों के लोगों के बेहतर कल्याण के उद्देश्य से बनी साझेदारी के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि ब्रिक्स दुनिया की लगभग 40 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व करता है और नए सदस्यों के साथ कुल वैश्विक व्यापार में लगभग 45 प्रतिशत हिस्सेदारी है। भारत की आर्थिक वृद्धि पर वित्त मंत्री ने कहा कि वैश्विक व्यवधानों के बावजूद, देश ने मजबूत वृद्धि बनाए रखी है और पिछले चार से पांच वर्षों से, विशेषकर कोविड-19 महामारी के बाद, यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था रहा है।

उन्होंने इस प्रदर्शन का श्रेय समावेशी वृद्धि, युवाओं के कौशल विकास, राजकोषीय अनुशासन और सार्वजनिक पूंजीगत व्यय में बढ़ोतरी को दिया।

उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे में सार्वजनिक निवेश से अर्थव्यवस्था को मजबूत गुणक प्रभाव मिला है, जिससे रोजगार के अवसर पैदा हुए और आर्थिक गतिविधियों को समर्थन मिला।

विप्रो के शेयर तिमाही रिजल्ट के बाद 6 फीसदी उछले

मुंबई ।

आईटी सेक्टर की कंपनी ` विप्रो के शेयर में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार के दौरान करीब 6 फीसदी से अधिक की तेजी देखने को मिली और स्टॉक दिन के हाई लेवल 185.14 रुपये पर कारोबार करता दिखाई दिया. कंपनी ने दूसरी तिमाही में रेवेन्यू के मोर्चे पर बाजार की उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन किया है, हालांकि नेट प्रॉफिट में गिरावट दर्ज की गई ! इसके बावजूद ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म नोमुरा शेयर को लेकर बुलिश है। हालांकि, हर ब्रोकरेज इस शेयर को लेकर इतना उत्साहित नहीं है. मोतीलाल ओसवाल ने 170 रुपये का टारगेट देते हुए न्यूट्रल रेटिंग बरकरार रखी है। दूसरी तिमाही के नतीजे आने के बाद ब्रोकरेज नोमुरा ने विप्रो शेयर पर अपना भरोसा कायम रखा है और टारगेट प्राइस 5 फीसदी बढ़ाकर 200 रुपये कर दिया है।

गुरुवार के 174 रुपये के क्लोजिंग प्राइस के मुकाबले यह

करीब 15 फीसदी की तेजी का अनुमान है. ब्रोकरेज को उम्मीद है कि कंपनी के कारोबार में सुधार, मार्जिन और बड़े डील से आने वाले समय में शेयर को सपोर्ट मिल सकता है।

जिंदल स्टील की इकाई का ओडिशा में माल ढुलाई टर्मिनल का पहला चरण शुरू

नई दिल्ली ।

जिंदल स्टील ने ओडिशा में 3,400 करोड़ रुपये की निवेश परियोजना के तहत 1.25 करोड़ टन क्षमता वाला माल ढुलाई टर्मिनल शुरू कर दिया है। कंपनी घरेलू स्तर पर इस्पात उत्पादन क्षमता बढ़ाने की प्रक्रिया में है और पारादीप में वाणिज्यिक परिचालन शुरू होने से जिंदल स्टील को बंदरगाह तक लंबे समय के लिए समर्पित पहुंच सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। जिंदल स्टील ने शुक्रवार को शेयर बाजार को बताया कि उसकी अनुषंगी कंपनी जिंदल पारादीप पोर्ट लिमिटेड (जेपीपीएल) के जरिये स्थापित इस परियोजना को तय समय से पहले शुरू किया गया है। जिंदल स्टील की नियंत्रक हिस्सेदारी वाली कंपनी जिंदल पारादीप पोर्ट ओडिशा में पारादीप बंदरगाह के वेस्टर्न डॉक पर सालाना 2.5 करोड़ मीट्रिक टन (एमएमटीपीए) क्षमता वाला सूखा थोक माल टर्मिनल विकसित कर रही है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि जिंदल पारादीप पोर्ट ने 15 अक्टूबर से पहले चरण की 1.25 करोड़ टन सालाना क्षमता का वाणिज्यिक परिचालन शुरू कर दिया है।

गोल्ड एफओएफ में नए निवेश पर अस्थायी रोक

16 अक्टूबर से लागू, सेबी के निर्देश पर फंड हाउसों ने लिया फैसला

नई दिल्ली ।

दिवाली से पहले गोल्ड म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए एक अहम खबर है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के निर्देशों के बाद कई म्यूचुअल फंड कंपनियों ने गोल्ड ईटीएफ फंड ऑफ फंड्स (एफओएफ) में नए निवेश पर अस्थायी रोक लगा दी है। यह फैसला 16 अक्टूबर से प्रभावी हो गया है, जिससे निवेशकों को अब इन योजनाओं में नए सिरे से पैसा लगाने की अनुमति नहीं होगी। इस फैसले के तहत, गोल्ड एफओएफ योजनाओं में नए एकमुश्त निवेश, नई एसआईपी शुरू करने और मौजूदा एसआईपी की रकम बढ़ाने पर पाबंदी रहेगी। कुछ फंड हाउसों ने स्विच-इन ट्रांजैक्शन और नए सिस्टेमेटिक ट्रांसफर प्लान (एसटीपी) के रजिस्ट्रेशन पर भी प्रतिबंध लगाया है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, एचडीएफसी, आदित्य बिड़ला सन लाइफ, डीएसपी और टाटा म्यूचुअल फंड सहित कई प्रमुख फंड हाउसों ने इस संबंध में निवेशकों को नोटिस जारी किए हैं। हालांकि सेबी के निर्देश के तहत यह कदम उठाया गया है, पर इस रोक की विस्तृत वजह स्पष्ट नहीं की गई है। निवेशकों को ध्यान देना चाहिए कि यह प्रतिबंध केवल गोल्ड ईटीएफ फंड ऑफ फंड्स पर लागू है, जबकि सीधे गोल्ड ईटीएफ में निवेश के विकल्प अभी भी खुले हैं। दशहरा और दिवाली से पहले सोने की बढ़ती मांग के बीच यह खबर निवेशकों का ध्यान खींच रही है।

डेलॉयट का अनुमान, निजी निवेश से भारत की जीडीपी 7.3 फीसदी तक बढ़ेगी

भू-राजनीतिक तनाव और ऊर्जा कीमतें बने हुए हैं जोखिम

नई दिल्ली।

डेलॉयट इंडिया ने अनुमान लगाया है कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.1 से 7.3 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। कंपनी के अनुसार, निजी निवेश में लगातार सुधार इस आर्थिक वृद्धि का मुख्य आधार होगा, जिससे मांग को अतिरिक्त समर्थन मिलेगा। डेलॉयट ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में कहा है कि हालांकि भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा की कीमतों में उतार-चढ़ाव और व्यापार में व्यवधान आर्थिक वृद्धि की संभावनाओं के लिए जोखिम बने हुए हैं। डेलॉयट की एक अर्थशास्त्री के अनुसार घरेलू खर्च और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में लगातार निवेश ने पिछले दशक में भारत की आर्थिक वृद्धि को सहारा दिया है। कारोबार अब बेहतर संपर्क, मजबूत वित्तीय स्थिति और उत्पादन क्षमता के बेहतर उपयोग से लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने निजी निवेश को भविष्य की वृद्धि का अहम कारक बताया, खासकर वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में सकल स्थिर पूंजी निर्माण में 11.9 फीसदी की वृद्धि के बाद। डेलॉयट ने वित्त वर्ष 2026-27 में भी 7.1-7.3 फीसदी और वित्त वर्ष 2027-28 में 6.6-7.0 फीसदी वृद्धि का अनुमान लगाया है, जो आरबीआई और ओईसीडी के अनुमानों के करीब है।

सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा विनिर्माण और स्वच्छ ऊर्जा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में बढ़ता निवेश निजी पूंजीगत व्यय को और बढ़ावा देगा। हालांकि, विकास के लिए जरूरी परिस्थितियों में सुधार के बावजूद, कंपनियों का भरोसा और परियोजनाओं को क्रियान्वित करने की क्षमता निजी निवेश में निरंतर वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण होगी।

स्विगी ने अपनी मल्टी-रेस्टोरेंट ऑर्डरिंग सुविधा शुरू की

अब एक साथ पांच रेस्टोरेंट्स से करें ऑर्डर, पेमेंट भी एक ही बार

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन फूड डिलीवरी के शौकीनों के लिए बड़ी खबर है। लोकप्रिय ऐप स्विगी ने अपनी मल्टी-रेस्टोरेंट ऑर्डरिंग सुविधा शुरू कर दी है, जिससे अब ग्राहक एक ही बार में पांच अलग-अलग रेस्टोरेंट्स से खाना ऑर्डर कर सकेंगे। यह उन ग्राहकों की लंबे समय से चली आ रही शिकायत को दूर करेगा जो एक ही ऑर्डर में कई जगह से खाना मंगवाना चाहते थे। इस नई सुविधा से न केवल समय बचेगा बल्कि बार-बार पेमेंट करने का झंझट भी खत्म होगा। स्विगी द्वारा लॉन्च किया गया मल्टी-रेस्टोरेंट ऑर्डरिंग फीचर यूजर्स को अभूतपूर्व सुविधा प्रदान करेगा। अब अगर परिवार के हर सदस्य की पसंद अलग-अलग है- कोई बिरयानी चाहता है, कोई मोमोज और कोई रोटी-सब्जी - तो उन्हें अलग-अलग ऑर्डर देने और बार-बार भुगतान करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ग्राहक अधिकतम पांच रेस्टोरेंट्स से अपनी पसंद की चीजें चुनकर एक ही कार्ट में जोड़ सकते हैं और सिर्फ एक बार भुगतान करके पूरा ऑर्डर दे सकते हैं। इससे

बार-बार पेमेंट और ह्ञ्जक्क का झंझट खत्म होगा और विभिन्न काट्र्स की तुलना करना भी आसान होगा। कंपनी ने यह सुविधा त्योहारी सीजन से ठीक पहले शुरू की है, जिसका मुख्य उद्देश्य ग्राहकों को अपनी पसंद का खाना आसानी से उपलब्ध कराना और ऑर्डरिंग प्रक्रिया को सरल बनाना है। स्विगी की यह सेवा देश के 720 से भी अधिक शहरों में उपलब्ध कराई गई है। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि हर रेस्टोरेंट का खाना अलग-अलग तैयार होगा और उनकी डिलीवरी भी अलग-अलग ही की जाएगी। लेकिन ग्राहकों को एक ही स्क्रीन पर सभी ऑर्डरों की स्थिति (तैयारी से लेकर डिलीवरी तक) ट्रैक करने की सुविधा मिलेगी, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहेगी। यह नया फीचर ऑनलाइन फूड डिलीवरी अनुभव को पूरी तरह से बदल देगा।

एलपीजी सब्सिडी पर आधार बायोमेट्रिक अनिवार्यता को चुनौती

दिल्ली हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली ।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग और सब्सिडी के लिए आधार बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन को अनिवार्य करने का केंद्र सरकार का फैसला कानूनी पचड़े में फंस गया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार, पेट्रोलियम मंत्रालय और तेल कंपनियों से जवाब तलब किया है, जब एक दृष्टिबाधित वकील ने याचिका दायर कर इस नियम को दृष्टिबाधितों, बुजुर्गों और गंभीर रूप से बीमार लोगों के लिए परेशानी भरा बताया। केंद्र सरकार ने 1 अक्टूबर से घरेलू एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग और सब्सिडी के लिए आधार बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन को अनिवार्य करने का निर्णय लिया था। सरकार का दावा है कि इस कदम से सब्सिडी के गलत इस्तेमाल को रोका जा सकेगा, फर्जी कनेक्शन खत्म होंगे और गैस सिलेंडर की कालाबाजारी पर लगाम लगेगी। हालांकि, इस फैसले को अब दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। 75 फीसदी तक दृष्टिबाधित ने हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर कहा है कि आधार वेरिफिकेशन

के लिए अनिवार्य आईरिस (आंखों की पुतली) और फिंगरप्रिंट स्कैन की शर्त दृष्टिबाधित लोगों, गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों और बुजुर्गों के लिए बड़ी परेशानी का सबब बनेगी। उनका तर्क है कि ऐसे लोग बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण की इस प्रक्रिया को आसानी से पूरा नहीं कर पाएंगे। याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड और तीनों सरकारी तेल कंपनियों - इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन से दो हफ्ते के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

संक्षिप्त समाचार

चेतन शर्मा बोले- गेंदबाजों के लिए मददगार पिचें बनाएं बीसीसीआई

गेंदबाजों को इतना मत मारो कि वे दोबारा मैदान पर न आना चाहें

नईदिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई के पूर्व चीफ सिलेक्टर और क्रिकेटर चेतन शर्मा ने बीसीसीआई से गेंदबाजों के लिए मददगार पिचें बनाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा- 'टी-20 क्रिकेट में बल्लेबाजों के अनुकूल पिचों से बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बिगड़ रहा है।' चेतन ने नई दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान कहा- 'मैं मानता हूं कि गेंदबाज रन देने के लिए मैदान पर आते हैं। लेकिन उन्हें इतना मत मारिए कि वे दोबारा मैदान पर आना ही न चाहें।'

भारत-वेस्टइंडीज टी-20 सीरीज में 98 छक्के और 104 चौके लगे - भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेली जा रही टी-20 सीरीज में 98 छक्के और 104 चौके लग चुके हैं। सीरीज में अब तक 4 मैच खेले गए हैं। इन 8 पारियों में 6 बार दोनों टीमों ने 200+ रन का आंकड़ा पार किया। दूसरे टी-20 में तो भारत ने 249 रन बनाए थे और यह टारगेट भी वेस्टइंडीज ने 9 गेंद रहते हासिल कर लिया। तीसरे टी-20 में भारत ने 223 रन बनाए और वेस्टइंडीज को 209 रन पर रोका।

गेंद और बल्ले के बीच संतुलन जरूरी - चेतन ने कहा कि इंटरनेशनल क्रिकेट में भी ऐसी पिचें होनी चाहिए, जिन पर गेंदबाज अटैकिंग बल्लेबाजों का मुकाबला कर सकें। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में गेंदबाजों की मददगार पिचों की तरह इंटरनेशल में भी ऐसी पिचें तैयार करने पर जोर दिया।

ब्राजील के फुटबॉलर विनीसियस जूनियर पर 4 मैच का बैन

- विरोधी खिलाड़ी के बाल खींचे थे, बार्सिलोना के खिलाफ एल-क्लासिको नहीं खेलेंगे

मैड्रिड (एजेंसी)। रियल मैड्रिड के फॉरवर्ड विनिसियस जूनियर पर चार लीग मैचों का बैन लगा है। वे बार्सिलोना के खिलाफ एल-क्लासिको नहीं खेलेंगे। यह मैच 26 अक्टूबर को स्पेनिश लीग ला-लीगा में खेला जाएगा।

स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन की अनुशासन समिति ने बुधवार को विनिसियस पर 4 मैचों का प्रतिबंध लगाया है। ब्राजील के इस फुटबॉलर ने 11 अक्टूबर को मैच में विलारियल के नाथन सालिबा के बाल खींचे थे। हालांकि, विलारियल 1-0 से जीत गया।

रेफरी ने गोल रद्द किया, रेड कार्ड भी दिखाया विनिसियस को बाल खींचने के लिए दो मैच और रेफरी से आक्रामक तरीके से विरोध करने के लिए दो मैचों का बैन मिला है। विलारियल के पिछले हफ्ते शनिवार को नाथन सालिबा के साथ दौड़ते समय बाल खींचे थे।

इस घटना के तुरंत बाद विनिसियस ने गोल किया था। हालांकि, रेफरी ने गोल को रद्द कर दिया और उन्हें सीधे लाल कार्ड दिखाया।

विनिसियस 18 अक्टूबर को सेविया के खिलाफ घरेलू मैच और अगले हफ्ते बार्सिलोना के दौरे पर नहीं खेलेंगे। वह रेसिंग सांतांदेर और वेलेंसिया के खिलाफ अवे मैच भी मिस करेंगे।

भारत-वेस्टइंडीज टी-20

आज निर्णायक मुकाबले में भारत को करने होंगे 3 बड़े बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज का पांचवां और निर्णायक मुकाबला 17 अक्टूबर 2026 को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। सीरीज फिलहाल 2-2 से बराबर है। ऐसे में दोनों टीमों की नजरें आखिरी मुकाबला जीतकर सीरीज अपने नाम करने पर होंगी।

हैदराबाद में खेले गए चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारतीय टीम को 24 रन से हार का सामना करना पड़ा था। इस जीत के साथ वेस्टइंडीज ने निर्णायक मुकाबले से पहले अपना आत्मविश्वास मजबूत किया है। भारतीय टीम की कमान श्रेयस अय्यर के हाथों में है, जबकि तिलक वर्मा उपकप्तान की भूमिका निभा रहे हैं। भारत ने इससे पहले तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से जीती थी, लेकिन टी20 सीरीज में दोनों टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली है। अब सीरीज जीतने के लिए भारतीय टीम को अपनी रणनीति में कुछ अहम बदलाव करने पड़ सकते हैं। आइए जानते हैं ऐसे तीन बदलाव, जिन पर टीम प्रबंधन विचार कर सकता है।

कुलदीप यादव की प्लेइंग इलेवन में हो सकती है वापसी

भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव ने सीरीज के शुरुआती दो टी20 मुकाबले खेले थे, लेकिन तीसरे और चौथे मैच में उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली। ऐसे में निर्णायक मुकाबले के लिए उनकी टीम में वापसी पर विचार किया जा सकता है। कुलदीप ने इसी दौरे पर खेली गई वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। वह तीन मैचों में सात विकेट लेकर भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे थे। इस प्रदर्शन ने सीमित ओवरों के क्रिकेट में उनकी उपयोगिता को एक बार फिर साबित किया। कुलदीप ने अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 15 फरवरी 2026 को पाकिस्तान के खिलाफ खेला था। वह अब तक 54 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं।

मध्य ओवरों में बल्लेबाजी की रफ्तार बढ़ानी होगी

पूरी सीरीज के दौरान भारतीय टीम को कई मौकों पर अच्छी शुरुआत मिली है, लेकिन मध्य ओवरों में रन गति बनाए रखने में परेशानी हुई है। शुरुआती ओवरों में बनाए गए दबाव को बड़े स्कोर में बदलने में टीम लगातार सफल नहीं रही है। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में छोटी बाउंड्री और तेज आउटफील्ड बल्लेबाजों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। ऐसे में भारतीय मध्यक्रम के बल्लेबाजों को अधिक सकारात्मक रवैया अपनाना होगा। बल्लेबाजों को स्ट्राइक रोटेट करने, नियमित अंतराल पर बाउंड्री लगाने और ढीली गेंदों का फायदा उठाने पर ध्यान देना होगा। निर्णायक मुकाबले में मध्य ओवरों के दौरान रन गति में सुधार भारत की जीत की संभावनाओं को मजबूत कर सकता है।

तेज गेंदबाजों को अपनी रणनीति में लानी होंगी विविधताएं

सीरीज में भारतीय तेज गेंदबाजों ने मुख्य रूप से अपनी गति और लाइन-लेंथ पर भरोसा किया है। हालांकि, बेंगलुरु जैसे बल्लेबाजी के अनुकूल मैदान पर केवल एक ही रणनीति के सहारे विपक्षी बल्लेबाजों को रोकना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ऐसे में भारतीय गेंदबाजों को कटर, धीमी गेंदों और पिच पर अतिरिक्त उछाल हासिल करने वाली गेंदों का अधिक प्रभावी इस्तेमाल करना होगा। खासकर मध्य ओवरों और डेथ ओवरों में गति में बदलाव बल्लेबाजों की लय बिगाड़ सकता है। वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को बड़े शॉट खेलने से रोकने के लिए भारतीय गेंदबाजों को परिस्थितियों के अनुसार अपनी योजना बदलनी होगी। सही समय पर धीमी गेंदों का इस्तेमाल और सटीक यॉर्कर निर्णायक मुकाबले में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

सीरीज जीतने के लिए भारत को करना होगा बेहतर प्रदर्शन

भारत और वेस्टइंडीज के बीच सीरीज 2-2 से बराबर होने के कारण पांचवां मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। भारतीय टीम को जीत हासिल करने के लिए बल्लेबाजी में निरंतरता, मध्य ओवरों में बेहतर रन गति और गेंदबाजी में विविधताओं पर ध्यान देना होगा। कुलदीप यादव की संभावित वापसी और टीम की रणनीति में बदलाव निर्णायक मुकाबले को दिलचस्प बना सकते हैं। अब देखना होगा कि भारतीय टीम आखिरी मैच में किस संयोजन के साथ मैदान पर उतरती है और सीरीज अपने नाम करने में सफल होती है या नहीं।

भुवनेश्वर 4 साल बाद आज टी-20 खेल सकते हैं, अर्शदीप की चोट के कारण टीम में शामिल

तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार वेस्टइंडीज के खिलाफ शनिवार को बेंगलुरु में होने वाले पांचवें टी-20 मैच में खेल सकते हैं। अर्शदीप सिंह को कंधे में चोट लग गई है। इस वजह से भुवी को स्क्वॉड में शामिल किया गया है। भारत-वेस्टइंडीज सीरीज अभी 2-2 की बराबरी पर है। 36 साल के भुवनेश्वर को 22 अक्टूबर से शुरू हो रहे न्यूजीलैंड दौरे के लिए टी-20 टीम में चुना गया था। लेकिन, अर्शदीप की चोट की वजह से अभी ही उनकी वापसी हो गई है। भुवनेश्वर ने आखिरी इंटरनेशनल मैच 2022 में खेला था।

अर्शदीप चौथे मैच में चोटिल हुए थे

अर्शदीप को बुधवार को हैदराबाद में खेले गए चौथे टी-20 के दौरान गेंदबाजी वाले कंधे पर चोट लगी थी। उनकी चोट को देखते हुए भुवनेश्वर को टीम में जगह दी गई है। अर्शदीप आखिरी मुकाबले में खेलेंगे या नहीं, इसका फैसला मैच से पहले उनकी रिकवरी के आधार पर लिया जाएगा।

- **सीरीज में भारत के टॉप विकेट टेकर हैं अर्शदीप -** अर्शदीप सिंह इस में भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 4 मैचों में 5 विकेट झटके हैं। उन्होंने तीसरे मुकाबले में 44 रन देकर 3 विकेट झटके थे। भुवनेश्वर कुमार ने अपना आखिरी टी-20 इंटरनेशनल मुकाबला 22 नवंबर 2022 को न्यूजीलैंड के खिलाफ नेपियर में खेला था। उस मैच में भुवनेश्वर ने 4 ओवर में 35 रन दिए। उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला था। इसके बाद से वे टीम इंडिया से बाहर हैं।

भारत में 15 साल बाद लौट सकती है एफ1 रेस

बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर फिर गूंज सकती है रफ्तार की आवाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में मोटरस्पोर्ट्स के प्रशंसकों के लिए एक बार फिर बड़ी उम्मीद जगी है। करीब 15 साल के लंबे अंतराल के बाद देश में फॉर्मूला-1 (एफ1) रेस की वापसी की संभावनाएं तेज हो गई हैं। ग्रेटर नोएडा स्थित बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर दोबारा स्न1 रेस आयोजित करने को लेकर चर्चा चल रही है। अगर यह योजना सफल होती है, तो भारतीय फैंस को एक बार फिर दुनिया के सबसे तेज रेसिंग ड्राइवरों को देश की धरती पर देखने का मौका मिल सकता है।

2028 में वापसी का लक्ष्य, सरकार ने तेज की तैयारी - रिपोर्टस के मुताबिक, भारत मेंएफ1 की वापसी के लिए सरकार और संबंधित पक्षों के स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। इससे पहले 2027 में वापसी की संभावना पर विचार किया गया था, लेकिन तैयारियों के लिए अधिक समय देने के उद्देश्य से अब 2028 का लक्ष्य सामने आया है। हालांकि, रेस की वापसी की अंतिम तारीख और आयोजन की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

अदाणी ग्रुप और एफ1 मैनेजमेंट के बीच बातचीत - रिपोर्ट में अदाणी ग्रुप और फॉर्मूला-1 मैनेजमेंट के बीच हालिया बातचीत का भी जिक्र है। ग्रेटर नोएडा स्थित बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट को दोबारा रेस के लिए तैयार करने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रमोटर, सरकारी सहयोग, वित्तीय व्यवस्था और सर्किट के संचालन जैसे अहम पहलुओं पर काम करना होगा।

2011 से 2013 तक भारत में हुई थी एफ1 रेस

भारत ने पहली बार 2011 में बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर फॉर्मूला-1 रेस की मेजबानी की थी। इसके बाद 2012 और 2013 में भी यहां ग्रां प्री का आयोजन हुआ। इन तीनों रेस में रेड बुल के दिग्गज ड्राइवर सेबेस्टियन वेटल ने जीत दर्ज की थी। 2013 के बाद टैक्स विवाद, नियामकीय अड़चनों और वित्तीय समस्याओं के कारण भारत से स्न1 रेस का आयोजन बंद हो गया।

अगर सरकार, संभावित प्रमोटर और एफ 1 प्रबंधन के बीच सभी जरूरी मुद्दों पर सहमति बन जाती है, तो बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर फिर से अंतरराष्ट्रीय स्तर की रेसिंग देखने का रास्ता खुल सकता है। इससे भारत में मोटरस्पोर्ट्स को बढ़ावा मिलने के साथ पर्यटन और निवेश को भी फायदा हो सकता है। फिलहाल, फैंस को आधिकारिक घोषणा का इंतजार करना होगा।

बिंद्रा ने एथलीट्स के खुलकर न बोल पाने पर चिंता जताई

कहा- सवाल पूछिए, यह अनुशासनहीनता नहीं, सीखने की प्रोसेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट शूटर अभिनव बिंद्रा ने एथलीट्स के खुलकर न बोल पाने पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा- 'समय के साथ खिलाड़ी अपने मन में भी सवाल करना बंद कर देते हैं।'

बिंद्रा ने एथलीट्स को सवाल पूछते रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी अपने काम, कोच, तरीकों और सिस्टम पर सवाल उठाएं।

बिंद्रा ने कहा कि खिलाड़ियों का खुलकर बोलना जरूरी है। कुछ लोग इसे अनुशासनहीनता मान सकते हैं, लेकिन यह बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी हो सकता है। बिंद्रा ने शुक्रवार को सोशल प्लेटफॉर्म ङ्ग पोस्ट में अपनी बात रखी।

अनुशासनहीनता और सीखने का फर्क

44 साल के बिंद्रा को भारत से निकले महान खिलाड़ियों में गिना जाता है। वे ओलंपिक चैंपियन होने के साथ-साथ विश्व चैंपियनशिप के पूर्व गोल्ड मेडलिस्ट भी हैं।

सक्रिय खेलों से विदा लेने के बाद बिंद्रा इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी की एथलीट्स कमीशन के वाइस-चेयर बने। उन्होंने इस पद पर आठ साल काम किया। उनका कार्यकाल इस साल की शुरुआत में खत्म हुआ।

मैंने अपने खेल करियर में कोचों से सवाल किए और विचारों को चुनौती दी। ऐसा अनादर के कारण नहीं, बल्कि समझने, सीखने और बेहतर होने के लिए किया।

मैंने अपने पूरे खेल करियर में कोचों से सवाल किए, विचारों को चुनौती दी और जिज्ञासु बना रहा। ऐसा इसलिए नहीं था कि मेरे मन में सम्मान की कमी थी। मैं समझना, सीखना और बेहतर होना चाहता था।'

चहल बोले- तलाक के बाद शराब की लत लगी

पैनिक अटैक से चेहरा टेढ़ा हो जाता था, बोलना मुश्किल था; 26 दिन रिहैब सेंटर में रहा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर युजवेंद्र चहल ने शराब की लत, तलाक और पैनिक अटैक पर बात की। उन्होंने आकाश चोपड़ा के पॉडकास्ट में बताया कि धनश्री वर्मा से तलाक के बाद उनकी शराब की लत हद से ज्यादा बढ़ गई थी। वे 26 दिन रिहैब सेंटर में रहे थे। 36 साल के चहल ने बताया कि पैनिक अटैक के दौरान उनका चेहरा सिकुड़कर टेढ़ा हो जाता था। इससे बोलना भी मुश्किल होता था। चहल 3 साल से टीम इंडिया से बाहर हैं। उन्होंने पिछला टी-20 इंटरनेशनल मैच अगस्त 2023 में खेला था। उन्होंने 15 दिन पहले फर्स्ट क्लास क्रिकेट से संन्यास लिया था। चहल ने अगस्त 2023 में अपना पिछला टी-20 इंटरनेशनल मैच खेला था।

पैनिक अटैक में होंठ कसकर एक तरफ खिंच जाते थे- चहल - चहल ने पैनिक अटैक के बारे में बताया, 'एंग्जायटी में दिल की धड़कन तेज हो जाती है और मेरा चेहरा सिकुड़ जाता था।' उन्होंने कहा, 'मैं बोल भी नहीं पाता था। मेरा होंठ कसकर एक तरफ खिंच जाता था। चहल ने कहा कि इससे लोग समझ जाते थे कि उनके साथ कुछ गलत है। उन्हें डर था कि सोशल मीडिया पर लोग कई तरह की बातें करेंगे। चहल ने कहा, 'मैंने सोचा कि आईपीएल पर ध्यान देते हैं।'

तलाक के बाद मानसिक स्थिति बिगड़ी- चहल - चोपड़ा ने पूछा कि शराब पीना कैसे और क्यों शुरू हुआ। चहल ने कहा, 'शुरुआत में मैं युवा था। पार्टियां होती थीं। मैंने 2011 में अपना पहला आईपीएल खेला था।' एबी डिविलियर्स ने एक बार उनसे कहा था, जिंदगी में संतुलन जरूरी है। चहल ने कहा कि यह बात सुनने में आसान है, लेकिन अपनाना आसान नहीं होता। चहल ने कहा, 'तलाक के बाद चीजें हद से ज्यादा बढ़ गई थीं।

एशियन पैरा गेम्स

भारतीय पुरुष ब्लाइंड फुटबॉल टीम को दक्षिण कोरिया ने 2-0 से हराया

नागोया। (एजेंसी)। एशियन पैरा गेम्स में भारतीय पुरुष ब्लाइंड फुटबॉल टीम को अपने अभियान के पहले मुकाबले में दक्षिण कोरिया के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। शुक्रवार को खेले गए प्रारंभिक दौर के इस मुकाबले में दक्षिण कोरिया के खिलाड़ी जांग यंगजुन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे। दक्षिण कोरिया की टीम ने मैच के दोनों हाफ में एक-एक गोल किया और भारतीय टीम को वापसी का मौका नहीं दिया। इस हार के साथ भारतीय टीम का टूर्नामेंट में आगाज निराशाजनक रहा। भारतीय टीम अब शनिवार को मेजबान जापान के खिलाफ मैदान में उतरेगी। टीम की नजरें अगले मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी स्थिति मजबूत करने पर होंगी। इस प्रतियोगिता में भारत, जापान और दक्षिण कोरिया के अलावा चीन, ईरान तथा थाईलैंड की टीमें भी हिस्सा ले रही हैं।

संजय मांजरेकर बोले- पिच फ्लैट बनाएं, बाउंड्री छोटी करें

बॉलर्स के खिलाफ नियम सख्त करने की जरूरत, ताकि हर मैच में 300 रन बने

नईदिल्ली (एजेंसी)। 'मुझे लगता है कि पिचों को और फ्लैट बनाने, बाउंड्री छोटी करने और गेंदबाजों के खिलाफ नियम और सख्त करने की गुंजाइश है, ताकि टी-20 में नियमित रूप से 20 ओवर में 300 रन बन सकें।'

यह कहना है पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कमेंटेटर संजय मांजरेकर का। उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म ङ्ग पोस्ट के जरिए कही।

मांजरेकर की पोस्ट ऐसे समय आई है, जब फ्लैट भारतीय पिचों पर सवाल उठ रहे हैं। गौतम गंभीर, युजवेंद्र चहल जैसे कई दिग्गज क्रिकेटर्स पिचों को बॉलिंग फ्रेंडली बनाने की मांग कर रहे हैं।

एक दिन पहले चेतन शर्मा ने बॉलिंग पिचों की मांग की थी - एक दिन पहले भारतीय टीम के पूर्व चीफ सिलेक्टर चेतन शर्मा ने कहा- 'टी-20 क्रिकेट में बैटिंग पिचों से बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बिगड़ रहा है।'

नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में चेतन ने कहा- 'मैं मानता हूं कि गेंदबाज रन देने के लिए मैदान पर आते हैं। लेकिन उन्हें इतना मत मारिए कि वे दोबारा मैदान पर आना ही न चाहें।'

गंभीर ने हफ्ते में 2 बार पिच पर सवाल उठाए थे - 9 अक्टूबर की रात को रांची में दूसरे टी-20 के बाद गंभीर ने कहा था- फ्लैट पिचों पर गेंदबाजों के करियर दांव पर लगे हैं। सरफेस में बैट और बॉल के बीच बराबरी का मुकाबला होना जरूरी है।

मांजरेकर ने 37 टेस्ट में 2043 रन बनाए, स्पेशलाइज ट्रेनिंग देते हैं

संजय मांजरेकर भारतीय कमेंटेटर हैं, जोकि अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। उन्हें तकनीकी रूप से मजबूत बैटिंग स्किल के लिए भी जाना जाता है। वे क्रिकेटर्स को स्पेशलाइज ट्रेनिंग देते हैं।

मांजरेकर 37 मैचों के टेस्ट करियर में 2043 रन बनाए। इसमें 4 शतक और 9 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 74 वनडे मैचों में 1994 रन बनाए। इस फॉर्मेट में संजय के नाम एक शतक है।

3 अक्टूबर को गुवाहाटी में दूसरे वनडे के बाद गंभीर ने कहा था कि यह क्रिकेट नहीं था, सिर्फ बल्लेबाजी थी। उस मुकाबले में भारत ने 406 रन का लक्ष्य हासिल किया था। इस मुकाबले में 811 रन बने थे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। मांगलिक कार्योंक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-3-4-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शुभांक-6-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 4041

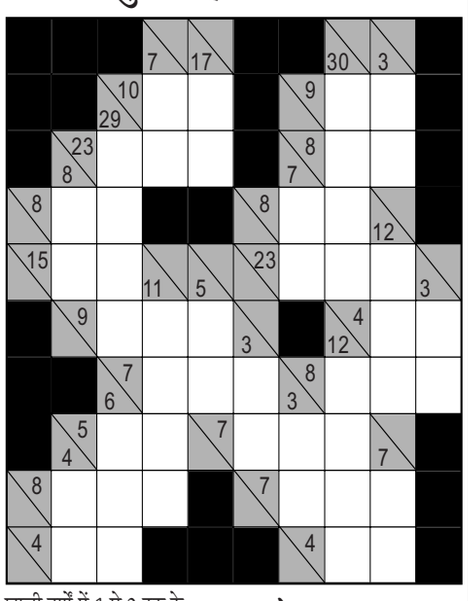

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

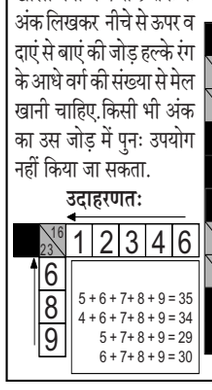

काकुरो - 4040 का हल

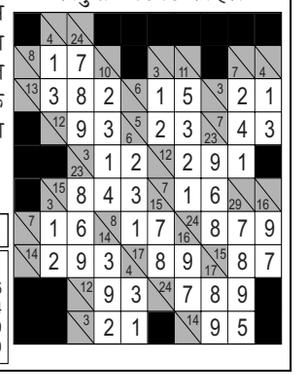

लॉफिंग ज़ोन

एक शराबखोर पति अपने क्लब की मीटिंग में गया हुआ था। आधी रात बितने के बाद घर पहुँचा तो पत्नी ने उसका आदर के साथ स्वागत किया। इससे पति खुश हो गया और बोला- पता है! आज क्लब में शराब की प्रतियोगिता हुई थी।

पत्नी- अच्छा तो पहले नंबर पर कौन रहा?

पति बोला- मेरे अलावा कौन जीत सकता था भला।

□ □ □

एक शादीशुदा शायर की मुलाकात अपनी पुरानी गर्लफ्रेंड से हुई। शायर ने कहा- मुलाहिजा फरमाएँ : ये चाँद तारे अब अच्छे नहीं लगते, रोज-रोज के बहाने अब अच्छे नहीं लगते। खुदा करे इस साल हो जाए आपकी शादी, क्योंकि अब आप कुँवारे अच्छे नहीं लगते।

गर्लफ्रेंड ने कहा- वाह वा..! वाह वा...! क्या आप करेंगे मुझसे शादी।

□ □ □

गीता अपनी सहेली सीता से बोली- पता है मेरे पति के अलावा आज तक किसी गैरपुरुष ने मुझे एक किस तक नहीं किया।

सीता- अरे वा! तो तुम खुद पर गर्व कर रही हो या अफसोस?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 4041

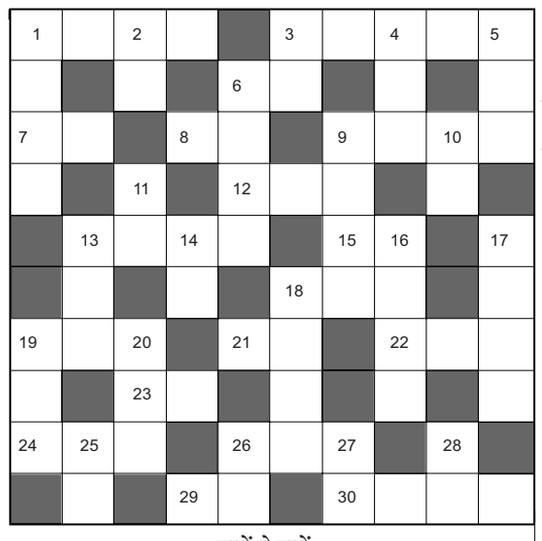

बायें से दायें:-

१. कारगिल युद्ध पर बनी जे. पी. दत्ता की बहु-सितारा फिल्म-२,१,१
३. 'रूप सलोना तेरा' गीत वाली सनी, अक्षय, मनीषा की फिल्म-२,३
६. आमिर, माधुरी दीक्षित की 'खंभे जैसी खड़ी है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'अपना बनाना है' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
८. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली फिल्म-२
९. 'रिमझिम के गीत' गीत वाली राजेद्र कुमार, बबीता की फिल्म-४
१२. 'छोटा कद और पेट बड़ा' गीत वाली संजयदत्त, नम्रता की फिल्म-३
१३. अजय देवगन, मधु, सोनाली की 'किसी के इश्क' गीत वाली फिल्म-४
१५. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम की नायिका कौन थी-२
१८. अक्षय कुमार, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सात सुरों के तार' गीत वाली जैकी, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२१. फरदीन, करीना की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'डेडी कूल कूल' गीत वाली शाहरूख खान, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२३. राजीव कपूर, डिम्पल की 'कोई भी नाम दो' गीत वाली फिल्म-२
२४. अभिनेत्री पूजा भट्ट के पिता-३
२६. दिलीपकुमार, वहीदा रहमान की 'कल के सपने' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'तुझे ना देखूँ तो' गीत वाली जीतेंद्र, कमल सदाना, दिव्या की फिल्म-२
३०. सुमीत सहगल, शिखा की 'पीछे पीछे आजा' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल लगाने की' गीत वाली अक्षय, अमिताभ, राखी, जूही की फिल्म-२,२
२. अतीन भल्ला, संदली की एक फिल्म-२
३. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली फिल्म-२
४. संजयदत्त, काजोल की 'आवाज दो हमको' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली फिल्म-३
६. अजय देवगन, रवीना की 'कितना हसीन चेहरा' गीत वाली फिल्म-४
९. राजेश खन्ना, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
१३. सनी, बॉबी, उर्मीला की 'कोई नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'तुम आए तो आया' गीत वाली अजय देवगन, पूजा भट्ट की फिल्म-२
१६. 'कहाँ से आई रानी' गीतवाली फिल्म-२,२
१७. 'मैं जब बोलूँ हाँ' गीत वाली जीतेंद्र, नीतूसिंह की फिल्म-४
१८. अशोककुमार, सुमिता की 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'दोस्त दोस्त ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
२०. अक्षय, करिश्मा की 'दिल ले गया' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'रजिया सुल्तन' में रजिया सुल्तन की शीर्षक भूमिका किसने की हैं-२
२६. 'तेरा क्या लगता है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'काजल' की नायिका कौन थी-३
२८. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 4040

सूडोकु -4041

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4040 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

शब्द पहेली -4041

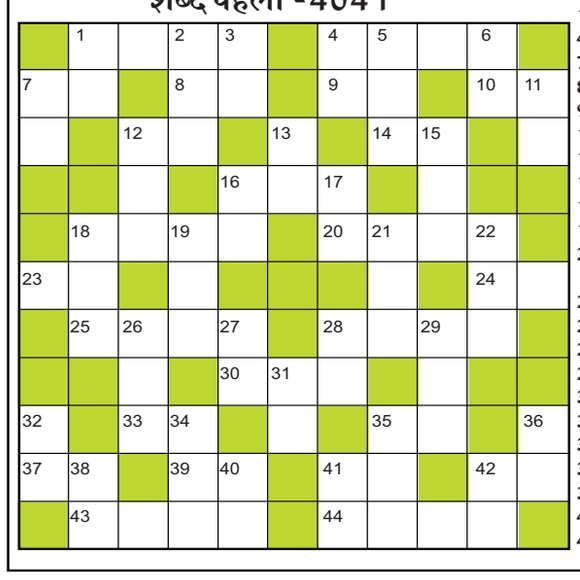

बाएँ से दाएँ

1.सुरक्षित-4
4.माहुर,आलता-4
7.कार्य,काज-2
8.रांझे की प्रेमिका-2
9.स्याही,कालिख-2
10.भूमि,धरा-2
12.ठाठ-बाट-2
14.अधर,होठ-2
16.विशाल,श्रेष्ठ-3
18.आदेश,आज्ञा-4
20.कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23.काका की पत्नी-2
24.कामदेव की पत्नी-2
25.जनवासा,हरम-4
28.हमसफर-4
30.कपड़े धोने वाला-3
33.आनंद,मौज-2
35.संदेह-2
37.सरूर,खुमार-2
39.मृत्यु का देवता-2
41.पुण्य का विलोम-2
42.परछाई,छाया-2
43.शिव,रुद्र,शंकर-4
44.सराबोर,सना हुआ-4

ऊपर से नीचे

1.समान,एक जैसा-2
2.बारीक-3
3.भीगा हुआ-2
4.मेरा (संस्कृत-2)
5.पाना,प्राप्त-3
6.घोड़ागाड़ी,गाड़ी-2
7. कहवा-2
11.उद्देश्य-2
12.गजल लिखनेवाला-3
13.उस जगह-2
15.बारिश,वर्षा-3
16.जी,चित-2
17.मर्द,आदमी-2
18.दरवेश-3
19.मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21.साजन,प्रेमी-3
22.मुलायम-3
26.कायदा,कानून-3
27.महोदय (अंग्रेजी)-2
28.अधिकार-2
29.खटखटाना-3
31.जगत,दुनिया-2
32.प्राण,जीव-2
34.स्वाद-3
35.प्रतिज्ञा-3
36.शरीर,तन-2
38.संध्या,सांझ-2
40.अपशिष्ट पदार्थ-2
41.मस्तूल,नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42.संग,संगत-2

शब्द पहेली -4040 का हल

रेसिपी

टेस्टी खीर

सामग्री

- गाढ़ा दूध : 2 लीटर
- मावा : 50 ग्राम
- बासमती चावल : 2 मुट्ठी
- कटे हुए मेवे : पाव कटोरी
- शक्कर : 4 बड़े चम्मच
- पिसी इलायची : आधा चम्मच
- 3-4 लच्छे केसर
- चुटकी-भर मीठा पीला रंग

विधि

सबसे पहले खीर बनाने से एक-दो घंटे पूर्व चावल धोकर पानी में गला दें। अब दूध को मोटे तले वाले बर्तन में लेकर गरम करके 10-15 उबाल लेकर पका लें। अब चावल का पूरा पानी निथार कर दूध में डाल दें और बीच-बीच में चलाती रहें। चावल पकने के बाद शक्कर डाल दें और शक्कर गलने तक दूध को लगातार चलाती रहें। बीच में छोड़े नहीं। अब मावे को किसनी से कद्दूकर कर लें और खीर में मिला दें। जब खीर अच्छी तरह गाढ़ी हो जाए तब उसमें मेवे की कतरन, इलायची डालें। एक अलग कटोरी में थोड़ा-सा गरम दूध लेकर केसर 5-10 मिनट के लिए उसमें गला दें। तत्पश्चात केसर घोंटें और उबलती खीर में डाल दें। अगर खीर केसरिया रंग की न दिख रही हो तो उसमें चुटकी-भर मीठा पीला रंग घोलकर डाल दें। अब तैयार हो रही खीर की 5- उबाली लेकर आंच बंद कर दें। तैयार मावे की केसरिया शाही खीर से पितृ को भोग लगाएं।

ज्वार दलिया उपमा

सामग्री

- ज्वार दलिया भीगा हुआ
- हींग एक चुटकी
- राई : एक चम्मच
- 1 सूखी लाल मिर्च
- कड़ी पत्ता
- अदरक ■ लौकी ■ प्याज ■ शिमला मिर्च
- टमाटर को बारीक काट लें ■ एक चम्मच हल्दी
- एक नींबू ■ धनिया पत्ता

विधि

पानी को अच्छे से गर्म कर लें। भीगे हुए दलिए को निकाल कर इसे गर्म पानी में नमक डालकर हल्का गर्म करें। जब तक यह गर्म हो पैन में कुकिंग आयल डालकर इसमें राई, हींग, लाल मिर्च कड़ी पत्ता डालकर हल्का भूनें। इसके बाद इसमें हरी मिर्च अदरक और प्याज डालकर इन्हें भूनें। इसके बाद सभी बारीक कटी हुई सब्जियों को भी हल्का भूनकर पका लें। इसके बाद इस मिक्सचर में उबला हुआ दलिया मिलाएं और कुछ मिनट पकाएं। इसके बाद धनिया पत्ता डासकर सर्व करें।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

सलमान ने अभिनेत्रियों की गलत तस्वीरें खिंचने पर दी बडे एक्शन की चेतावनी

अभिनेत्रियों की बिना सहमति के गलत और अनुचित एंगल से तस्वीरें लेने वाले पैपराजी के खिलाफ बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने बेहद सख्त रुख अख्तियार किया है। सलमान ने इस गंभीर मुद्दे पर अपनी गहरी नाराजगी व्यक्त की और चेतावनी दी कि बार-बार मना करने के बावजूद ऐसी गैर-जिम्मेदाराना हरकतें जारी रखने वालों के खिलाफ अब कड़ी कार्रवाई की जाएगी। लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस 20 के वीकेंड का वार एपिसोड के दौरान अभिनेत्री नेहा धूपिया ने भी इस तरह के व्यवहार के खिलाफ मजबूती से आवाज उठाने के लिए सलमान खान का आभार जताया। कार्यक्रम के दौरान, नेहा धूपिया ने विशेष रूप से अभिनेत्रियों की तस्वीरें पीछे से या ऐसे असहज करने वाले एंगल से खींचने की बढ़ती प्रवृत्ति पर गंभीर सवाल उठाए। इस पर सलमान ने साफ तौर पर कहा कि पहले कई बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद, कुछ पैपराजी के व्यवहार में कोई सुधार नहीं आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग इस संवेदनशील मामले को सिर्फ एक मजाक समझ रहे हैं और ऐसी तस्वीरें लेना लगातार जारी रखे हुए हैं। सलमान ने दृढ़ता से घोषणा की कि अब वह इस पूरे मुद्दे पर एक बहुत बड़ा कदम उठाएंगे। सलमान ने यह भी बताया कि कुछ बड़े मीडिया प्लेटफॉर्म भी बिना सोचे-समझे इस तरह की आपत्तिजनक तस्वीरें प्रकाशित करते हैं, जिससे समस्या और बढ़ जाती है। उनके मुताबिक, किसी भी व्यक्ति, विशेषकर महिलाओं की गरिमा और निजता का सम्मान किया जाना अत्यंत आवश्यक है। यदि कोई अभिनेत्री ऐसी तस्वीरों को लेकर स्पष्ट रूप से आपत्ति जताती है, तो उसकी बात को गंभीरता से लेना और उसका सम्मान करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने नेहा धूपिया से कहा कि अगर मना करने के बाद भी कोई इस तरह की हरकत करता है, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। बातचीत के दौरान सलमान ने फिल्म इंडस्ट्री के कुछ कलाकारों के व्यवहार पर भी टिप्पणी की। उन्होंने दावा किया कि कुछ अभिनेता और अभिनेत्रियां खुद ही पैपराजी को बुलाते हैं और अपने प्रचार के लिए खास तरह की तस्वीरें खिंचवाते हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई कलाकार अपनी इच्छा से इस तरह की तस्वीरें खिंचवाना चाहता है, तो यह उसकी निजी पसंद है। लेकिन जिन लोगों को ऐसी तस्वीरें पसंद नहीं हैं या जो अपनी निजता का सम्मान चाहते हैं, उनकी सहमति और व्यक्तिगत गरिमा का सम्मान करना हर हाल में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। यह पहली बार नहीं है, जब सलमान खान ने इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर अपनी नाराजगी जाहिर की हो। सितंबर 2026 में भी, बिग बॉस के एक पिछले एपिसोड के दौरान, उन्होंने पैपराजी की तस्वीरें लेने की शैली पर गंभीर सवाल उठाए थे। उन्होंने उस समय भी पूछा था कि महिला कलाकारों की तस्वीरें लेते समय कैमरों को उनके शरीर के खास हिस्सों पर केंद्रित करने की जरूरत क्यों पड़ती है।

आवारापन 2 अब प्राइम वीडियो पर

अगर आप अभिनेता इमरान हाशमी की हिट फिल्म आवारापन 2 को थिएटर में नहीं देख पाए थे और घर बैठे इसका मज़ा लेने का इंतजार कर रहे थे, तो आपके लिए अच्छी खबर है! यह फिल्म अब प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है। नितिन कक्कड़ द्वारा निर्देशित आवारापन 2 में इमरान हाशमी के साथ दिशा पटानी, शबाना आजमी, पूरन गब्बी, विजयंत कोहली और सुविंदर विक्की भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म अगस्त 2026 में रिलीज हुई थी और इमरान हाशमी की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बन गई। इमरान हाशमी ने आवारापन 2 को एक दुर्लभ घटना कहा, क्योंकि इसे पिछली फिल्म के सीक्वल के तौर पर पेश किया गया था, पिछली फिल्म लगभग 20 साल पहले रिलीज हुई थी लेकिन थिएटर में दर्शकों को नहीं मिल पाई थी। इमरान हाशमी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, कुछ फिल्में ऐसी होती हैं जिन पर आप काम करते हैं, और कुछ ऐसी होती हैं जिनका हिस्सा होने पर आपको सचमुच गर्व होता है। आवारापन 2 दूसरी श्रेणी में आती है।

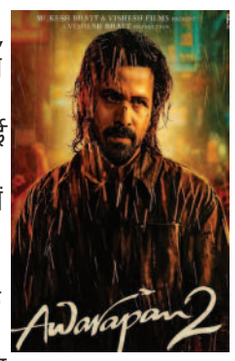

कैंसर रोग जीवन के बारे में नई बातें सीखने का अवसर बना: सोनाली बेंद्रे

कैंसर के अपने अनुभव को साझा करते हुए बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे ने कहा कि उन्होंने इस बीमारी को कभी जंग के रूप में नहीं देखा। अभिनेत्री ने कहा कि उनके लिए यह कठिन दौर अपने शरीर को समझने, उससे जुड़ने और जीवन के बारे में नई बातें सीखने का अवसर बना। यह बात अभिनेत्री सोनाली ने मराठी क्विज शो 'कोण होणार करोडपति' के प्रीमियर के दौरान कही। कार्यक्रम की मेजबानी अभिनेत्री माधुरी दीक्षित कर रही हैं। शो के दौरान माधुरी दीक्षित ने सोनाली बेंद्रे के कैंसर के अनुभव का जिक्र किया और कहा कि बीमारी से उबरने के बाद दर्शकों ने उनके व्यक्तित्व का एक मजबूत रूप देखा। माधुरी ने उनके साहस और कठिन परिस्थितियों का सामना करने के तरीके की सराहना भी की। इसके जवाब में सोनाली ने बताया कि उस समय उनका ध्यान केवल बीमारी को हराने पर नहीं था। वह यह समझना चाहती थीं कि उनके साथ ऐसा क्यों हो रहा है और इस अनुभव से वह क्या सीख सकती हैं।

अभिनेत्री ने कहा कि आमतौर पर कैंसर से उबरने वाले लोगों के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने बीमारी पर जीत हासिल कर ली, लेकिन उनके अपने अनुभव को इस तरह के शब्दों में व्यक्त करना सही नहीं होगा। सोनाली के मुताबिक, बीमारी के दौरान उन्होंने जिंदगी और अपने शरीर को देखने का नजरिया बदला। उन्होंने कहा कि इस अनुभव से उन्हें कई महत्वपूर्ण बातें सीखने को मिलीं। वह इसे किसी मुकाबले के बजाय आत्मसमझ और सीखने की प्रक्रिया के रूप में देखती हैं। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि किसी बीमारी को जंग और जीत जैसे शब्दों से जोड़ने पर ऐसा महसूस हो सकता है, मानो व्यक्ति अपने ही शरीर के खिलाफ लड़ रहा हो।

उन्होंने कहा कि शरीर के भीतर मौजूद कोशिकाएं भी उसी शरीर का हिस्सा हैं। ऐसे में बीमारी से जुड़े अनुभव को केवल लड़ाई के रूप में देखना उन्हें उचित नहीं लगता। सोनाली की बात का मुख्य भाव यह था कि बीमारी से गुजरने वाले हर व्यक्ति का अनुभव अलग होता है। किसी के लिए संघर्ष की भाषा प्रेरणा देने वाली हो सकती है, जबकि कोई दूसरा व्यक्ति अपने अनुभव को समझने और उससे सीखने पर अधिक ध्यान दे सकता है। सोनाली ने अपने दृष्टिकोण को व्यक्तिगत अनुभव के रूप में साझा किया और बताया कि इस कठिन दौर ने उन्हें अपने शरीर के प्रति अधिक समझ विकसित करने का अवसर दिया।

छह साल बाद फिर अभिनय की दुनिया में लौटने को तैयार बिपाशा बसु

बिपाशा बसु बिटिया देवी के जन्म के बाद से एक्टिंग से दूर हैं। मगर, उनके फैंस के लिए खुशखबरी है। अभिनेत्री करीब छह साल बाद अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरने को तैयार हैं। वे हंसल मेहता की वेब सीरीज से जुड़ी हैं, जिसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है। बिपाशा बसु मशहूर फिल्ममेकर हंसल मेहता की नई सीरीज में एक अहम रोल में नजर आएंगी। अभी तक इस शो के बारे में अधिक जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल, बस इतना पता चला है कि सनी कौशल और विशाल जेठवा भी इस शो में बिपाशा के साथ नजर आएंगे। हंसल मेहता की इस अनटाइटल्ड सीरीज को कश्यप कपूर और राघव राज ककड़ ने लिखा है। इसे 'ऑलमाइटी मोशन पिचर्स प्रोडशंस' के बैनर तले प्रभलीन संधू ने प्रोड्यूस किया है। इस प्रोजेट की शूटिंग पहले ही शुरू हो चुकी है। यह शो प्राइम वीडियो पर आएगा। इसकी कहानी एक छोटे से, गुमनाम शहर की है, जो महाद्वीप की हेरोइन राजधानी बनने की कगार पर है। इसमें सनी कौशल एक ईमानदार पुलिस वाले का किरदार निभा रहे हैं, जो अपनी ईमानदारी और इंसानियत को बचाने की कोशिश करते हुए सिस्टम के अंदर और बाहर की ताकतवर ताकतों से लड़ते हैं'।

गोविंदा-करिश्मा के बीच कोई रिश्ता होता तो जानकारी मिलती: सोमी अली

1990 के दशक के दौरान बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा और करिश्मा कपूर के बीच रिश्ते को लेकर चर्चाएं भी हुई थीं, लेकिन उनके कथित अफेयर की कभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया और पर्दे पर उनकी केमिस्ट्री को दर्शकों ने पसंद किया। इस मामले पर अब अभिनेत्री सोमी अली ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि उन्होंने गोविंदा और करिश्मा कपूर के रिश्ते को लेकर कभी कोई अफवाह नहीं सुनी थी। एक बातचीत में सोमी अली ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में रहते हुए भी उन्हें गोविंदा और करिश्मा कपूर के बीच किसी प्रेम संबंध की जानकारी नहीं मिली। उन्होंने करिश्मा कपूर का जिक्र उनके लोकप्रिय उपनाम 'लोलो' और गोविंदा का जिक्र 'चिची' नाम से करते हुए कहा कि उन्होंने दोनों के अफेयर की चर्चा एक बार भी नहीं सुनी। सोमी अली ने बातचीत के दौरान सलमान खान और करिश्मा कपूर की दोस्ती का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि दोनों कलाकारों ने कई फिल्मों में साथ काम किया है और उनके बीच अच्छी दोस्ती रही है। इसके बावजूद उन्होंने कभी उनके कथित अफेयर की अफवाह भी नहीं सुनी। सोमी के मुताबिक, उस समय वह खुद भी फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा थीं, लेकिन उन्हें गोविंदा और करिश्मा के रिश्ते को लेकर कोई ऐसी जानकारी नहीं मिली थी, जिससे इन चर्चाओं की पुष्टि हो सके। अभिनेत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि वह किसी की निजी जिंदगी या रिश्तों पर टिप्पणी करना पसंद नहीं करतीं। उनके अनुसार, किसी व्यक्ति का किसी के साथ रिश्ते में रहने का फैसला उसकी व्यक्तिगत पसंद है। ऐसे मामलों में दूसरों को किसी के निर्णय पर सवाल उठाने या उसे सही-गलत ठहराने का अधिकार नहीं होना चाहिए। सोमी अली ने कहा कि वह उस दौर में फिल्म जगत में मौजूद थीं। यदि गोविंदा और करिश्मा कपूर के बीच वास्तव में कोई रिश्ता होता, तो संभव है कि उन्हें इसकी जानकारी मिलती। हालांकि, उन्होंने ऐसी कोई बात नहीं सुनी थी। उन्होंने यह भी कहा कि उस समय वह अपनी जिंदगी और अनुभवों को समझने में व्यस्त थीं। गोविंदा और करिश्मा कपूर ने 1990 के दशक में कई फिल्मों में साथ काम किया था। उनकी लोकप्रिय जोड़ी के कारण उनके निजी रिश्तों को लेकर अटकलें लगाई जाती रही थीं।

रणदीप हुड्डा: शोहरत के पीछे छिपी चुनौतियां

रणदीप हुड्डा अपनी दमदार अदाकारी और किरदारों के लिए की जाने वाली गहन मेहनत के लिए जाने जाते हैं। फिल्म इंडस्ट्री में काम करने वाले कलाकारों को लगातार काम का दबाव, व्यस्त शूटिंग शेड्यूल, सार्वजनिक जांच और लोगों की बेहिसाब उम्मीदों का सामना करना पड़ता है। ऐसे माहौल में मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का ध्यान रखना अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। रणदीप का नाम मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चर्चाओं में सामने आने के साथ एक व्यापक सवाल पर ध्यान जाता है क्या पेशेवर सफलता किसी व्यक्ति को निजी परेशानियों से बचा सकती है? दरअसल, किसी का बाहरी रूप से सफल और मजबूत दिखाई देना यह साबित नहीं करता कि वह भीतर से भी पूरी तरह ठीक है। अभिनेताओं को अक्सर अपने किरदारों में गहराई से उतरना पड़ता है, जिससे वे भावनात्मक रूप से प्रभावित हो सकते हैं। रणदीप जैसे कलाकार, जो अपने काम के प्रति अत्यधिक समर्पित हैं, उन्हें अक्सर इन आंतरिक संघर्षों से जूझना पड़ता है।

गोंधल को मिलेगी ग्लोबल पहचान

देशभर में खूब तारीफें बटोरने और 99वें अकादमी अवॉर्ड्स में बेस्ट इंटरनेशनल फ़ीचर फ़िल्म कैटेगरी के लिए भारत की ऑफिशियल एंट्री चुने जाने के बाद, मराठी ड्रामा गोंधल अब दुनियाभर में अपनी पहुंच बनाने जा रहा है। पैन-इंडिया पावरहाउस कंपनी होम्बले फिल्म्स ने आधिकारिक तौर पर इस फिल्म के ओवरसीज थिएट्रिकल डिस्ट्रीब्यूशन की कमान अपने हाथों में ले ली है, ताकि इसे दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचाया जा सके। संतोष दावखर द्वारा लिखी और डायरेक्ट की गई फिल्म गोंधल, एक बेहद इंटेंस मराठी फोक-थ्रिलर है। इस फिल्म की कास्ट की बात करें तो इसमें किशोर कदम, इशिता देशमुख, योगेश सोहोनी और निषाद भोईर जैसे बेहद टैलेंटेड एक्टर्स अहम भूमिकाओं में हैं। अपनी दमदार कहानी, असली लगने वाले कल्चरल बैकग्राउंड और कमाल की विजुअल डेप्थ के लिए फिल्म लवर्स के बीच यह फिल्म अपनी एक अलग जगह रखती है। होम्बले फिल्म्स के इस कदम से भारतीय सिनेमा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी पहचान मिलेगी।

सोशल मीडिया को लेकर बदल गया हमारा नजरिया: अमिताभ बच्चन

सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग और नकारात्मक टिप्पणियों को लेकर बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपना अनुभव साझा किया है। महानायक ने बताया कि शुरुआत में वह सोशल मीडिया को अपने विचार खुलकर व्यक्त करने का माध्यम मानते थे, लेकिन पोस्ट पर आने वाली टिप्पणियां पढ़ने के बाद उनका नजरिया बदल गया। सोशल मीडिया पर अब वह पहले की तुलना में कम लिखते हैं। यह बात उन्होंने लोकप्रिय क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के दौरान कही। शो में पहुंचे प्रतियोगी विनम्र ने अमिताभ बच्चन से पूछा कि वह सोशल मीडिया पर आलोचना और नकारात्मकता का सामना कैसे करते हैं। विनम्र ने कहा कि उनकी पीढ़ी के कई लोगों के लिए आलोचनाओं को संभालना मुश्किल होता है। इस पर अमिताभ ने बताया कि सोशल मीडिया पर सक्रिय होने के शुरुआती दिनों में उन्हें लगता था कि यहां बिना किसी झिझक के दिल की बात कही जा सकती है।

हालांकि, जब उन्होंने अपनी पोस्ट पर आने वाले कमेंट पढ़ने शुरू किए, तो उन्हें कई तरह की आपत्तिजनक टिप्पणियां देखने को मिलीं। अमिताभ ने कहा कि उनकी पोस्ट के कमेंट सेक्शन में लोग उम्र और व्यक्तित्व को लेकर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते थे। इस तरह की टिप्पणियों को देखकर उन्हें अजीब लगता था। उन्होंने बताया कि लगातार ऐसी प्रतिक्रियाएं मिलने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखना कम कर दिया। अभिनेता ने अपने अनुभव को हल्के-फुल्के अंदाज में साझा करते हुए कहा कि जब से उन्होंने कम लिखना शुरू किया है, उनके फॉलोअर्स की संख्या बढ़ती चली गई है। अमिताभ की इस टिप्पणी पर कार्यक्रम में मौजूद दर्शक हंसने लगे।

उनकी बात ने सोशल मीडिया के उस पहलू की ओर ध्यान खींचा, जहां किसी व्यक्ति को अपने विचार साझा करने की स्वतंत्रता तो मिलती है, लेकिन उसे अपमानजनक टिप्पणियों का सामना भी करना पड़ सकता है। अमिताभ बच्चन लंबे समय से डिजिटल मंचों पर सक्रिय रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2008 में अपना व्यक्तिगत ब्लॉग लिखना शुरू किया था। इसके बाद वह विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए अपने प्रशंसकों से जुड़े रहे। वह समय-समय पर अपने काम, अनुभवों और विचारों से संबंधित पोस्ट साझा करते रहे हैं। उनका ताजा अनुभव बताता है कि सोशल मीडिया पर लोकप्रियता के बावजूद नकारात्मक टिप्पणियां किसी को भी प्रभावित कर सकती हैं। ऐसे माहौल में अपनी प्रतिक्रिया सीमित रखना भी एक विकल्प हो सकता है।

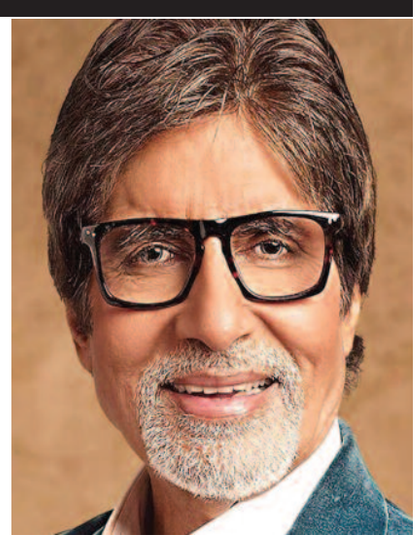

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो 17-22 अक्टूबर तक उज्बेकिस्तान और भारत की यात्रा करेंगे, जामनगर का दौरा भी होगा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ऊर्जा सहयोग को और मजबूत करने के लिए अगले हफ़्ते भारत के दौरे पर जाएंगे. अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी. रुबियो पहले उज्बेकिस्तान के समरकंद जाएंगे और फिर 17-22 अक्टूबर तक भारत के मुंबई और जामनगर जाएंगे, ऐसा बताया गया. मई के बाद से यह रुबियो का दूसरा भारत दौरा होगा, जब उन्होंने नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर की होस्ट की गई क्वाड फॉरेन मिनिस्टर्स की मीटिंग में हिस्सा लिया था. विदेश मंत्रालय ने कहा, 'वह अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, क्षेत्रीय और वैश्विक आयाम पर विचारों का आदान-प्रदान करने और बेहतर ऊर्जा सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा करने के लिए वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से मिलेंगे.' इसमें कहा गया है कि रुबियो व्यावसायिक निवेश और आर्थिक सहयोग के मौकों को बढ़ावा देने के लिए बिजनेस लीडर्स से भी मिलेंगे. रुबियो का जामनगर दौरा बहुत जरूरी है क्योंकि यह रिलायंस की रिफाइनरी का घर है, जो दुनिया की सबसे बड़ी सिंगल-साइट फैसिलिटी है, जिसकी कैपेसिटी हर दिन 1.4 मिलियन बैरल क्रूड ऑयल प्रोसेस करने की है. मार्च में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अनाउंस किया था कि अमेरिका रिलायंस इंडस्ट्रीज के इन्वेस्टमेंट से 50 साल में अपनी पहली रिफाइनरी बनाएगा.

फ्लाईदुबई मामले के बाद पाकिस्तान के पायलटों पर एक्शन, इजराइल जाने वाली फ्लाइट्स उड़ाने पर फ्रांस ने लगाई रोक

आबुधाबी, एजेंसी। एयर फ्रांस एयरलाइन ने पाकिस्तान के पायलटों और केबिन क्रू (फ्लाइट स्टाफ) को इजराइल आने-जाने वाली फ्लाइट्स को उड़ाने या उनमें काम करने से मना कर दिया है. एयर फ्रांस उन नियमों का कड़ाई से पालन कर रही है, जिनके तहत जिन देशों के आपस में राजनीतिक या कूटनीतिक संबंध नहीं हैं जैसे पाकिस्तान और इजराइल, उनके नागरिकों को उस रूट पर ड्यूटी नहीं दी जाएगी. अमेरिकी एयरलाइन यूनाइटेड एयरलाइंस और चेक एयरलाइन स्मार्टविंग्स ने भी इन नियमों का पालन करना शुरू कर दिया है. ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि राष्ट्रीयता के आधार पर लगाई गई पाबंदियां अंतरराष्ट्रीय एयरलाइन संचालन को कैसे प्रभावित कर सकती हैं. इस सख्ती के पीछे की वजह 30 सितंबर, 2026 को दुबई से तेल अवीव जाने वाली फ्लाईदुबई की घटना को माना जा रहा है. फ्लाइट में ओमान के को-पायलट ने कॉकपिट में किए गए हमले के बाद बरती जा रही है. आरोप है कि को-पायलट ने फ्लाइट पर कंट्रोल करने की कोशिश में भारतीय कैप्टन पर हमला किया था. ओमान भी उन देशों की सूची में शामिल है, जिसके इजराइल देश के साथ कोई आधिकारिक या राजनीतिक संबंध नहीं हैं. फ्रांस के खोजी मीडिया संस्थान 'मीडियापार्ट' और एविएशन इंटेलिजेंस कंपनी ने 13 अक्टूबर 2026 को अपनी रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी है. इन रिपोर्टों के अनुसार, एयर फ्रांस और यूनाइटेड एयरलाइंस ने अपने सभी पायलटों और केबिन क्रू को इस रूट पर लगाए गए नए सुरक्षा प्रतिबंधों के बारे में पूरी जानकारी दे दी है।

होर्मुज स्ट्रेट में सिंगापुर के दो कंटेनर जहाजों पर हमला, एक समुद्र में डूबा; सभी 43 क्रू मेंबर सुरक्षित

सिंगापुर , एजेंसी। ईरान और अमेरिका के टकराव के कारण मध्य एशिया के लिए ऊर्जा का प्रमुख मार्ग होर्मुज स्ट्रेट संवेदनशील बना हुआ है। होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रही जहाज सुरक्षित नहीं है। इसी बीच इस मार्ग से गुजर रहे सिंगापुर में पंजीकृत दो कंटेनर जहाजों पर मंगलवार और बुधवार को अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला किए जाने की खबर है। इस घटना में एक जहाज में आग लगने के बाद वह डूब गया, जबकि दूसरे जहाज को भी नुकसान पहुंचा। बुधवार को सिंगापुर के समुद्री और बंदरगाह प्राधिकरण ने यह जानकारी दी। सिंगापुर द्वारा जारी सूचना के अनुसार जीएफएस प्राइड नामक जहाज हमले में क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई, जिसके बाद वह डूब गया। जहाज पर सवार सभी 21 चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित निकाल लिया गया। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। दूसरे जहाज जीएफएस गिजेल के बाहरी ढांचे को नुकसान पहुंचा। हालांकि, जहाज अपने इंजन की मदद से सुरक्षित बंदरगाह तक पहुंचने में सफल रहा। इस जहाज पर चालक दल के 22 सदस्य सवार थे और सभी सुरक्षित हैं। एमपीए ने बताया कि दोनों जहाजों में कोई सिंगापुरी नागरिक सवार नहीं था।

ट्रंप की नई प्रेस सचिव की डिग्री पर उठे सवाल? खुद को लेकर कर रहीं वकील होने का दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई प्रेस सचिव केटी जकारिया इन दिनों अपनी योग्यता को लेकर विवादों में हैं। खुद को वकील बताने वाली जकारिया के पास कानून की डिग्री तो है, लेकिन अब तक ऐसा कोई रिकॉर्ड सामने नहीं आया है, जिससे साबित हो कि उन्होंने अमेरिका के किसी राज्य में वकालत का लाइसेंस हासिल किया है। चीन की एक लॉ फर्म में काम करने के उनके दावे पर भी सवाल उठ रहे हैं।

ट्रंप के सामने सवाल, जवाब अधूरा : मंगलवार को पहली बार प्रेस सचिव के तौर पर मीडिया के सामने आईं जकारिया को अपने प्रदर्शन के लिए आलोचना झेलनी पड़ी। इसके बाद पत्रकारों ने ट्रंप से पूछा कि उन्होंने किस राज्य में वकालत की परीक्षा पास की है। ट्रंप ने जवाब देने के लिए जकारिया को आगे कर दिया। उन्होंने कहना शुरू किया, 'जब मैं चीन गई थी...' लेकिन मरीन वन हेलीकॉप्टर की आवाज के कारण उनकी बात पूरी तरह सुनाई नहीं दी। यह भी साफ नहीं हो सका कि वह आगे क्या कहना चाहती थीं।

डिग्री है, लेकिन लाइसेंस का रिकॉर्ड नहीं : जकारिया ने 2007 में पेपरडाइन यूनिवर्सिटी से स्नातक और 2011 में पेपरडाइन कारुसो स्कूल ऑफ लॉ से कानून की डिग्री हासिल की थी। हालांकि, कानून की

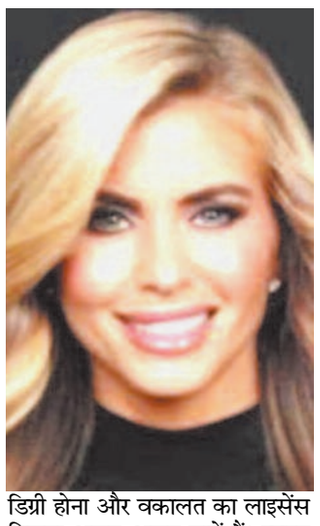

डिग्री होना और वकालत का लाइसेंस मिलना अलग-अलग बातें हैं। व्हाइट हाउस ने उनके बयान के हवाले से कहा कि उन्होंने सभी जरूरी योग्यताओं के साथ अंतरराष्ट्रीय लेनदेन से जुड़े कानून के क्षेत्र में काम किया है। व्हाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने भी उनका बचाव करते हुए उन्हें बेहद योग्य और तेज दिमाग वाला बताया।

चीन की लॉ फर्म में भी किया काम : जकारिया की लिंक्डइन प्रोफाइल के मुताबिक, वह जून 2026 से ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप में वरिष्ठ संचार सलाहकार थीं। इससे पहले वह अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग में भी काम कर चुकी हैं। उनकी प्रोफाइल में 2011 से 2013 के बीच बीजिंग की झोंग लुन लॉ फर्म में अंतरराष्ट्रीय कानूनी मामलों से जुड़े काम का जिक्र है। इसके अलावा, वह प्रवासी मजदूरों के बच्चों के लिए काम करने वाले संगठन और कैलिफोर्निया के एक राजनीतिक संगठन से भी जुड़ी रही हैं। उनके पुराने परिचय में विश्व बैंक और इंटरनेशनल फाइनेंस कॉरपोरेशन से जुड़े मामलों में कानूनी सलाह देने के अनुभव का भी दावा किया गया है।

50 राज्यों में नहीं मिला लाइसेंस का रिकॉर्ड : कैलिफोर्निया स्टेट बार के प्रवक्ता के मुताबिक, संस्था के पास केट शेरोन जकारिया या केट शेरोन ब्लैक नाम से वकालत का लाइसेंस होने का कोई रिकॉर्ड नहीं है। स्वतंत्र मीडिया संस्थान पॉपुलर इन्फॉर्मेशन ने भी दावा किया कि अमेरिका के सभी 50 राज्यों और वॉशिंगटन डीसी में उनके लाइसेंस का रिकॉर्ड नहीं मिला। इसके बाद निगरानी संगठन कैंपेन फॉर अकाउंटेबिलिटी ने कैलिफोर्निया स्टेट बार में शिकायत देकर मामले की जांच की मांग की। संगठन का कहना है कि बिना लाइसेंस के खुद को वकील बताना कानून का उल्लंघन हो सकता है।

फिलहाल, स्टेट बार ने गोपनीयता नियमों का हवाला देते हुए शिकायत या जांच की पुष्टि नहीं की है। ऐसे में जकारिया की पेशेवर योग्यता पर विवाद बना हुआ है।

अमेरिका ने यूक्रेन को मझधार में छोड़ा?: जेलेंस्की ने ट्रंप के सलाहकारों पर उठाए सवाल

लंदन, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने बुधवार को रूस के साथ डीजल आपूर्ति समझौते को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की आलोचना की। जेलेंस्की ने कहा कि रूसी ईंधन आयात करने पर सहमत होकर वाशिंगटन ने गलत पक्ष चुना है। उन्होंने ट्रम्प से मॉस्को के खिलाफ युद्ध में कीव का समर्थन करने की अपील की। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, ब्रिटिश शो 'पियर्स मॉर्गन अनसेंसर्ड' पर जेलेंस्की ने कहा, 'जब राष्ट्रपति ट्रम्प हमारा पक्ष नहीं, बल्कि किसी एक पक्ष का साथ देते हैं, तो यह दुखद होता है। लेकिन हमें इस बात से कोई आपत्ति नहीं है कि वह बीच का रास्ता अपना रहे हैं। लेकिन अगर आप बीच का रास्ता अपनाते हैं तो आपको बीच में ही रहना होगा। गलत पक्ष में नहीं।' जेलेंस्की ने इस मुद्दे पर ट्रंप को मिल रही सलाह पर भी सवाल उठाया और कहा, 'मुझे लगता है कि उनके सलाहकार गलत हैं। मुझे नहीं पता कि उन्हें कौन उकसा रहा है। सही पक्ष की ओर नहीं; यह इतिहास का सही पक्ष नहीं है।' साक्षात्कार में जेलेंस्की ने कहा कि इस घटनाक्रम से संकेत मिलता है कि यूक्रेन एक महत्वपूर्ण सहयोगी का समर्थन खो रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति की यह टिप्पणी ट्रंप द्वारा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ एक समझौते की घोषणा के बाद आई है।

अमेरिका: फ्लोरिडा में 14 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट पर लगेगी रोक? अदालत से कानून को मंजूरी

फ्लोरिडा , एजेंसी। फ्लोरिडा राज्य को बुधवार को अदालत में एक अहम जीत मिली है। इस फैसले के बाद, राज्य अब 14 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर प्रतिबंध लगाने और अन्य पाबंदियां लागू करने में सक्षम होगा। 2024 में जब गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने इस कानून पर हस्ताक्षर किए थे, तब यह बच्चों की सोशल मीडिया के इस्तेमाल को लेकर अमेरिका के सबसे सख्त कानूनों में से एक था। अपील अदालत ने कहा कि यह कानून 'फर्स्ट अमेंडमेंट' (अमेरिकी संविधान का पहला संशोधन) से जुड़ा है, लेकिन संभवत यह किसी खास कंटेंट के बजाय तटस्थ तरीके से लागू होता है। 11वें अमेरिकी सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स की एक बेंच ने 3-0 के बहुमत से कहा कि यह कानून कानूनी चुनौतियों में टिक सकता है,क्योंकि यह बच्चों को सोशल मीडिया की लत से बचाने के लिए जरूरी हद से ज्यादा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर रोक नहीं लगाता है।' यह कानून फ्लोरिडा में 14 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर रोक लगाता है। वहीं, 14 या 15 साल के बच्चों के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने के वास्ते माता-पिता की सहमति जरूरी होगी। 'कंप्यूटर एंड कम्युनिकेशंस इंडस्ट्री एसोसिएशन' और 'नेटचॉइस' जैसे इंडस्ट्री समूहों ने फ्लोरिडा के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। उनका तर्क था कि यह कानून सोशल मीडिया कंपनियों और उपयोगकर्ताओं के 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' के अधिकारों का उल्लंघन करता है। 2025 में एक जज ने कहा था कि यह कानून संभवतः असंवैधानिक है और इस पर रोक (इंजंक्शन) लगा दी थी। जब अपील अदालत इस मामले की सुनवाई कर रही थी, तब उस रोक को होल्ड पर रखा गया था। अब यह रोक हटा दी गई है। वहीं, यह मुकदमा वापस तल्हासी की फेडरल कोर्ट में जाएगा। अपील अदालत ने बताया कि यह कानून उन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लागू होता है, जिनके बारे में यह तय किया गया है कि वे बच्चों को सोशल मीडिया का बहुत ज्यादा इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित करते हैं। साथ ही, यह केवल उन्हीं प्लेटफॉर्म्स पर लागू होता है जो एल्गोरिदम और लत लगाने वाले कई फीचर्स का इस्तेमाल करते हैं। फ्लोरिडा के अटॉर्नी जनरल के कार्यालय से टिप्पणी मांगने के लिए भेजे गए ईमेल का तुरंत कोई जवाब नहीं मिला। 'नेटचॉइस' ने कहा कि वे इस फैसले से निराश हैं। 'नेटचॉइस' के वकील पॉल टास्के ने कहा, 'हम अभी अपने सभी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे कि ऑनलाइन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार सुरक्षित रहें। वहीं, अपने परिवारों के लिए फैसले लेते समय माता-पिता का ही मुख्य नियंत्रण बना रहे।

ईरान के साथ युद्ध जल्द खत्म होगा, ऊर्जा कीमतों में तेजी से आएगी गिरावट', ट्रंप का नया दावा

वाशिंगटन , एजेंसी। एरिजोना से मोंटाना में एक चुनावी रैली के लिए रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ चल रहा युद्ध बहुत जल्द खत्म हो जाएगा। उनका दावा है कि युद्ध खत्म होने के बाद तेल और ऊर्जा की कीमतों में गिरावट आएगी, जिससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को भी फायदा होगा। उन्होंने यह भी दोहराया कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिया जाएगा। हालांकि, ट्रंप ने यह नहीं बताया कि युद्ध कब तक खत्म होगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि इस संबंध में ईरान के साथ कोई बातचीत चल रही है या नहीं। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अपने मुख्य सैन्य लक्ष्य में सफल रहा है, जो ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना था। यह युद्ध बहुत जल्द खत्म हो जाएगा। इससे पहले एरिजोना के बुलहेड सिटी में आयोजित एक चुनावी रैली में ट्रंप ने ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और उसके असर पर विस्तार से बात की। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी हमलों ने ईरान की सैन्य ताकत को काफी कमजोर कर दिया है, जिसमें उसकी नौसेना और वायुसेना की क्षमताएं भी शामिल हैं। ट्रंप ने कहा कि? सैन्य कार्रवाई इतनी व्यापक रही कि अब अमेरिका के लिए यह तय करना मुश्किल हो गया है कि बातचीत किस ईरानी अधिकारी से की जाए। उन्होंने कहा, 'शायद मैं बहुत आगे निकल गया। मुझे नहीं पता कि आखिर बात किससे करनी है।' यह टिप्पणी उन्होंने ईरानी नेतृत्व के कई स्तरों को हटाए जाने के संदर्भ में की। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका ने होर्मुज स?ट्रेट पर पूरी तरह नियंत्रण स्थापित कर लिया है। यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है, जिसके जरिए बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस दुनिया भर में भेजा जाता है। उन्होंने कहा कि हमने होर्मुज स्ट्रेट पर पूरा नियंत्रण हासिल कर लिया है और इस समय वहां से पहले की तुलना में अधिक तेल बाहर जा रहा है। ट्रंप के मुताबिक, यह स्थिति अमेरिकी नौसैनिक अभियानों की वजह से संभव हुई है। उन्होंने इन अभियानों को 'स्टील की दीवार' जैसा बताया।

अमेरिका में हिंदू मंदिर पर हमले की साजिश नाकाम: दूतावास ने पुलिस की तारीफ

शिकागो, एजेंसी। शिकागो में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने बुधवार को अमेरिकी कानून प्रवर्तन अधिकारियों की ओर से की गई त्वरित कार्रवाई की सराहना की। यह कार्रवाई इलिनोइस में हिंदुओं के एक पूजा स्थल को निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर गोलीबारी की साजिश रचने के आरोपी 19 वर्षीय युवक की गिरफ्तारी के बाद की गई थी।

भारतीय वाणिज्य दूतावास ने क्या कहा : शिकागो में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कहा, 'उसे इलिनोइस के ऑरोरा में एक पूजा स्थल को निशाना बनाने की कथित नाकाम कोशिश से जुड़ी खबरों की जानकारी है। दूतावास ने पुष्टि की कि वह इस मामले पर करीबी नजर रख रहा है और भारतीय समुदाय के लोगों के संपर्क में है। पैलेटाइन पुलिस विभाग के अनुसार, 19 वर्षीय संदिग्ध

एलेक्जेंड्रोस पैपोराकिस को एक हिंदू मंदिर में संभावित सामूहिक गोलीबारी की धमकियों की जांच के बाद गिरफ्तार किया गया है। इस मामले की जांच 11 अक्तूबर को शुरू हुई, जब माउंट प्रॉस्पेक्ट पुलिस विभाग ने पैलेटाइन पुलिस विभाग को एक हिंदू मंदिर में संभावित सामूहिक गोलीबारी की जानकारी दी। यह जानकारी एक व्यक्ति से मिली थी, जिसने बताया कि उसे पैपोराकिस की ओर से चिंताजनक इलेक्ट्रॉनिक संदेश मिले थे। जांचकर्ताओं ने बताया कि पैपोराकिस ने एक ऐसा दस्तावेज साझा किया था, जिसमें एक हिंदू मंदिर में सामूहिक गोलीबारी करने की कथित योजना की जानकारी थी। उसने राइफल, राइफल मैगजीन, बॉडी आर्मर (सुरक्षा कवच) और अन्य सामरिक उपकरणों व सामान की तस्वीरें भी साझा की थीं। पैपोराकिस को उसके घर से निकलते समय ढूंढ निकाला गया और हिरासत में ले लिया गया। इसके बाद, पैलेटाइन पुलिस के जासूसों ने उसके घर की तलाशी ली। बरामद की गई वस्तुओं में बॉडी आर्मर से लैस एक सामरिक जैकेट और श्वेत वर्चस्ववादी उग्रवाद से जुड़े प्रतीकों वाला एक पैच शामिल था। इसमें श्वेत वर्चस्ववादी और चरमपंथी विचारों से जुड़े बयान होने की बात कही गई है। दस्तावेज में भारतीय मूल के लोगों सहित दक्षिण एशियाई समुदाय के लोगों के खिलाफ हिंसा का भी जिक्र था। जांच एजेंसियां अब इन दस्तावेजों, इलेक्ट्रॉनिक बातचीत और बरामद सामान की पड़ताल कर रही हैं, ताकि कथित साजिश के उद्देश्य और उसकी तैयारी से जुड़ी पूरी जानकारी जुटाई जा सके।

जयशंकर ने यूएई के विदेश मंत्री अल-नाहयान से की मुलाकात, द्विपक्षीय संबंधों और वैश्विक मुद्दों पर हुई चर्चा

अबू धाबी, एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर आधिकारिक दौरे पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पहुंचे, जहां उन्होंने अपने समकक्ष अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत-यूएई संबंधों और कई वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक?स' पर लिखा, 'यूएई के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान के साथ गर्मजोशी और सार्थक मुलाकात हुई। हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी की भावना के तहत द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।' विदेश मंत्री बुधवार को अबू धाबी पहुंचे, जहां यूएई की मंत्री रीम अल हाशिमी ने उनका स्वागत किया। इससे पहले, जयशंकर ने 'रायसीना डायलॉग' के मध्य पूर्व सत्र 'द वर्ल्ड अहेडः पावर, पर्पज एंड पॉसिबिलिटी'

में अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान के साथ हिस्सा लिया। नाहयान यूएई के उप प्रधानमंत्री भी हैं। कार्यक्रम के दौरान दोनों नेताओं ने कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की और बहुपक्षीय सहयोग के महत्व पर जोर दिया। जयशंकर ने 'एक्स' पर कहा कि बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि दुनिया की व्यवस्था तेजी से बदल रही है। यह बदलाव लंबे समय से चल रहे रुझानों और हाल की घटनाओं, दोनों का नतीजा है। उन्होंने कहा, 'हर देश अपनी परिस्थितियों के अनुसार प्रतिक्रिया देता है। इसी वजह से नए साझेदारों और नए विकल्पों की तलाश स्वाभाविक है।' जयशंकर ने कहा कि आज की साझेदारियां पारंपरिक सोच से आगे बढ़कर अधिक रणनीतिक समझ विकसित करने की मांग करती हैं। उन्होंने कहा कि बहुपक्षीय व्यवस्था में सुधार बहुत जरूरी है और इसे छोटे लेकिन मजबूत सहयोगी समूहों के जरिए समर्थन दिया जा सकता है। पिछले एक दशक में भारत-यूएई साझेदारी इस बात का बेहतरीन उदाहरण है कि कैसे दोनों देशों ने बदलते वैश्विक माहौल के अनुसार खुद को ढाला है। उनका यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब पूरे क्षेत्र में तनाव बना हुआ है। ईरान में जारी संघर्ष और यमन में हूती समूह तथा सऊदी अरब के बीच बढ़े तनाव ने क्षेत्र की स्थिति को और संवेदनशील बना दिया है। इस बीच, रविवार को दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने जानकारी दी कि 'एमटी जेम नंबर 2' नामक कच्चे तेल के टैंकर में हुए हादसे के बाद 22 भारतीय चालक दल के सदस्यों को रस अल खैमाह तट के पास सुरक्षित बचा लिया गया। वाणिज्य दूतावास ने 'एक्स' पर कहा, 'हमें 'एमटी जेम नंबर 2' जहाज से जुड़े हादसे की जानकारी मिली, जिसमें 22 भारतीय चालक दल के सदस्य सवार थे।

यूक्रेन में स्टारलिंक पर पाबंदी से घिरे मस्क: रूस के हमलों के बीच उठे सवाल

कीव, एजेंसी। रूस के हमलों के बीच यूक्रेन में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक को लेकर ऐसा विवाद खड़ा हो गया है, जिसने दुनिया के सबसे अमीर कारोबारियों में शामिल एलन मस्क को कटघरे में ला खड़ा किया है। आरोप है कि यूक्रेन में इस सेवा पर लगी पाबंदियों से यूक्रेनी सेना के संचार और सैन्य अभियानों पर असर पड़ा है। अमेरिकी सांसदों ने भी इस कदम पर सवाल उठाए हैं। अब बहस सिर्फ इंटरनेट सेवा की नहीं, बल्कि इस बात की है कि क्या कोई निजी कंपनी युद्ध के दौरान किसी देश की रक्षा क्षमता को प्रभावित कर सकती है।

स्टारलिंक बंद होने से क्यों मचा बवाल : यूक्रेन की सेना युद्ध के दौरान स्टारलिंक पर काफी हद तक निर्भर है। इसका इस्तेमाल ड्रोन उड़ाने, खुफिया जानकारी जुटाने और सैनिकों के बीच संपर्क बनाए रखने में किया जाता है। ऐसे में कनेक्टिविटी में रुकावट आने से मोर्चे पर मुश्किलें बढ़ने की आशंका जताई गई। अमेरिकी सांसदों ने आरोप लगाया कि रूस के मिसाइल और ड्रोन हमलों के बीच यूक्रेन की संचार सेवाओं पर रोक लगाना बेहद गंभीर मामला है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति के डेमोक्रेटिक सदस्यों ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि इस तरह की पाबंदियां रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फायदा पहुंचा सकती हैं। वहीं, सांसद प्रमिला जयपाल ने चेतावनी दी कि किसी एक कंपनी के पास युद्ध के दौरान संचार व्यवस्था रोकने की ताकत होना खतरनाक मिसाल बन सकता है। जेलेंस्की ने मस्क पर उठाए सवाल यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर

जेलेंस्की ने भी इस मामले पर नाराजगी जताई। ब्रिटिश पत्रकार पियर्स मॉर्गन के कार्यक्रम में बातचीत के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि रात करीब एक बजे स्टारलिंक की सेवाएं रोक दी गई थीं। उनके मुताबिक, इसका असर यूक्रेन की सैन्य गतिविधियों और रूसी हमलों से बचाव की कोशिशों पर पड़ा। जेलेंस्की ने कहा कि यह सेवा सिर्फ दुश्मन पर हमला करने के लिए नहीं, बल्कि लोगों की जान बचाने के लिए भी जरूरी है। उन्होंने आशंका जताई कि संचार व्यवस्था में बाधा आने से रूसी हमलों को रोकने में मुश्किल हुई और लोगों की जान जाने का खतरा बढ़ा। उन्होंने मस्क के फैसले को बड़ी गलती बताया। मस्क ने स्टारलिंक और स्टारशील्ड में बताया अंतर विवाद बढ़ने पर एलन मस्क ने सफाई देते हुए स्टारलिंक और स्टारशील्ड को अलग-अलग सेवाएं बताया। उनके अनुसार, स्टारलिंक स्पेसएक्स की व्यावसायिक सेवा है, जिसका इस्तेमाल नागरिक और रक्षात्मक गतिविधियों के लिए किया जा सकता है। मस्क का कहना है कि व्यावसायिक सेवा का इस्तेमाल आक्रामक सैन्य कार्रवाई के लिए करना उचित नहीं होगा। वहीं, स्टारशील्ड अमेरिकी सरकार के स्वामित्व और नियंत्रण वाली सैन्य संचार प्रणाली है।

नाबालिग बच्चियों का वीडियो बनाने वाले कोच को 90 साल की सजा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में नाबालिग जिम्नास्ट खिलाड़ियों की निजता से खिलवाड़ करने वाले पूर्व कोच सीन गार्डनर को 90 साल जेल की सजा सुनाई गई है। उसने मिसिसिपी के एक जिम के बाथरूम में जासूसी कैमरा लगाकर लड़कियों के कपड़े बदलने और बाथरूम इस्तेमाल करने के वीडियो बनाए थे। बुधवार को अमेरिकी जिला अदालत की जज क्रिस्टी जॉनसन ने उसे अधिकतम सजा सुनाई। 39 वर्षीय गार्डनर को तीन मामलों में 30-30 साल की कैद दी गई है।

बाथरूम में कैमरा लगाकर बनाए वीडियो : गार्डनर ने अदालत में अपना जुर्म कबूल कर लिया था। उसने दिसंबर 2017 से अप्रैल 2018 के बीच मिसिसिपी के प्यूरीस स्थित जिम्नास्टिक्स स्टूडियो के बाथरूम में जासूसी कैमरा लगाया था। जांचकर्ताओं के मुताबिक, उसने कम से कम 10 नाबालिग लड़कियों के नग्न होने और कपड़े बदलने के वीडियो बनाए। ये वीडियो कई साल बाद उसके कंप्यूटर से बरामद हुए थे।

आयोवा में भी लगे यौन शोषण के आरोप : गार्डनर आयोवा के वेस्ट डेस मोइनेस स्थित चाउज जिम्नास्टिक्स एंड डांस इंस्टीट्यूट में भी कोच रह चुका था। वहां प्रशिक्षण लेने वाली कई पूर्व छात्राओं ने उस पर यौन शोषण के आरोप लगाए हैं। इन आरोपों को

लेकर पुलिस में शिकायतें की गईं और अदालत में मुकदमे भी दायर हुए हैं। हालांकि, आयोवा से जुड़े आरोपों में गार्डनर पर अब तक आपराधिक मामला दर्ज नहीं हुआ है। पुलिस का कहना है कि संघीय मामला खत्म होने के बाद आगे की कार्रवाई पर फैसला लिया जाएगा।

खेल संगठनों की भूमिका पर उठे सवाल : गार्डनर मशहूर कोच लियांग 'चाउ' चियाओ के संस्थान में काम करता था। वह युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने के साथ आयोवा में आयोजित होने वाली एक बड़ी वार्षिक प्रतियोगिता का निदेशक भी था। ऐसे में उसके खिलाफ लगे आरोपों ने अमेरिकी जिम्नास्टिक्स जगत को झकझोर दिया है। कुछ पूर्व छात्राओं के वकीलों का आरोप है कि यूएसए जिम्नास्टिक्स और अमेरिकी सेंटर फॉर सेफस्पोर्ट को 2017 में ही गार्डनर के अनुचित व्यवहार की जानकारी मिल गई थी, लेकिन उसे खेल से बाहर करने में देरी हुई।

शिकायत के बाद 2022 में हुई कार्रवाई : सेफस्पोर्ट ने 2022 में यौन शोषण की शिकायत मिलने के बाद गार्डनर को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया था। इसी साल चाउज जिम्नास्टिक्स ने भी उसे नौकरी से निकाल दिया। सेफस्पोर्ट की जांच में सामने आया कि चाउ और कुछ अन्य कोचों को गार्डनर के खिलाफ यौन दुर्व्यवहार के आरोपों की जानकारी थी, लेकिन उन्होंने इसकी सूचना संगठन को नहीं दी थी। मई में एक जज ने दो मुकदमों से सेफस्पोर्ट को बाहर कर दिया। अदालत ने माना कि संघीय कानून के तहत संगठन को कानूनी संरक्षण प्राप्त था। गार्डनर, यूएसए जिम्नास्टिक्स और चाउज जिम्नास्टिक्स के खिलाफ कई मुकदमे अभी चल रहे हैं। 90 साल की सजा से इस मामले में अहम फैसला जरूर आया है, लेकिन पीड़िताओं के आरोपों और खेल संस्थानों की जवाबदेही से जुड़े सवाल अभी बाकी हैं। यह मामला बताता है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए शिकायतों को गंभीरता से लेना और समय रहते कार्रवाई करना कितना जरूरी है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)